वार्षिक रिपोर्ट

2024-25

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

नई दिल्ली

वार्षिक रिपोर्ट

2024-25

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

नई दिल्ली

डाक का पताः

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

नैम्स भवन, अंसारी नगर,

महात्मा गांधी मार्ग,

नई दिल्ली - 110029

दूरभाषः

ईपीएबीएक्स: 8527834424

ई-मेलः nams_aca@yahoo.com

वेबसाइटः http://nams-india.in

ट्विटर : @Nams_India

इंस्टाग्रामः nams20242024

फेसबुक: nams20242024

श्री जगत प्रकाश नड्डा
माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री, भारत सरकार

श्रीमती अनुप्रिया पटेल
माननीय राज्य मंत्री
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

श्री प्रतापराव गणपतराव जाधव
माननीय राज्य मंत्री
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

नैम्स विज़न - वीआई 30

"राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चिकित्सा शिक्षा, शोध, मानवता की सहायता के लिए लागत प्रभावी चिकित्सा देखभाल सहित चिकित्सा के सभी क्षेत्रों में नीति निर्माताओं के लिए एक प्रबुद्ध मंडल के रूप में कार्य करना है।"

लक्ष्य वक्तव्य

1. अकादमी के सतत शिक्षा कार्यक्रमों और शैक्षणिक गतिविधियों में वृद्धि करना।
2. राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अकादमियों, व्यावसायिक निकायों, सरकारी एवं निजी चिकित्सा संस्थानों के मध्य संपर्क।
3. नीति निर्माताओं के लिए और हितधारकों के साथ वकालत के लिए नीति दस्तावेज़ तैयार करना।
4. युवा वैज्ञानिकों को संबंद्ध करके अकादमी की सदस्यता में वृद्धि करना और गुणवत्ता बनाए रखना।
5. अकादमी प्रकाशन में सुधार करना।
6. अंतर्राष्ट्रीय मंचों से अकादमी को संबंद्ध करना एवं जोड़ना।

विषय-सूची

		पृष्ठ सं.
	नैम्स परिषद् - 2024-25	1
	अकादमी के अधिकारीगण और कार्यपालक कर्मचारी	2
	राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) के वर्ष वृत्तांत	3
क.	**शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन**	**7-53**
	वार्षिक बैठक 2024-25	9
	परिषद् की बैठकें	11
	सेवानिवृत्त हो रहे परिषद सदस्यों की रिक्तियों को भरना - 2024	11
	राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के अध्येताओं का निर्वाचन - 2024	12
	राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के सदस्यों का निर्वाचन - 2024	19
	राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के उप अध्येताओं का निर्वाचन - 2024	30
	राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के अंतर्राष्ट्रीय अध्येताओं और सदस्यों का निर्वाचन - 2024	33
	एमएनएएमएस सदस्यता प्राप्त उम्मीदवारों की सूची - 2024	35
	सह सदस्यता प्राप्त उम्मीदवारों की सूची - 2024	41
	31 मार्च, 2025 को अकादमी की सूची में अध्येता/ सदस्य का सार	42
	नैम्स के वर्ष वृत्तांत (एनल्स) का प्रकाशन	43
	मृत्युलेख	49
	एम्स, जोधपुर, में दिनांक 23 नवम्बर, 2024 को आयोजित 64वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में डॉ. शिव कुमार सरीन, अध्यक्ष, एनएएमएस द्वारा दिए गए अभिभाषण का पाठ	50
	एम्स, जोधपुर, में दिनांक 23 नवम्बर, 2024 को आयोजित 64वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में माननीय भारतीय उपराष्ट्रपति, श्री जगदीप धनखड़ द्वारा दिए गए अभिभाषण का पाठ	53
ख.	**नैम्स की शैक्षिक रिपोर्ट**	**59-89**
	नैम्स सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम	61
	चिकित्सा वैज्ञानिक आदान-प्रदान कार्यक्रम (स्वास्थ्य मानवशक्ति विकास)	74
	नैम्स के प्रतिष्ठित आचार्यों के कार्यकलाप	75
	नैम्स वेबसाइट और एनकेएन कनेक्टिविटी	77

		पृष्ठ सं.
	स्नातकोत्तर छात्रों के लिए नैम्स राष्ट्रीय आभासी स्नातक मेडिकल सीएमई (नेविगेट- मेडिको - सीएमई)	78
	नैम्स नेतृत्व विकास कार्यक्रम (LEAD)	80
	मेडी-क्वेस्ट 2024: नैम्स राष्ट्रीय प्रश्नोत्तरी	81
	नैम्स राज्य संयोजक	82
	पीजी मेडिकल छात्रों के लिए आईसीएमआर-नैम्स राष्ट्रीय जैव सांख्यिकी हेल्पलाइन	85
	आईआईआईटीएच और नैम्स द्वारा चिकित्सा छात्रों और स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए स्वास्थ्य सेवा में कृत्रिम बुद्धिमता पर ऑनलाइन प्रमाणपत्र अभिविन्यास पाठ्यक्रम	86
	स्नातकोत्तर मेडिकल छात्रों के लिए नैम्स शोध अध्येतावृत्ति	87
	नैम्स द्वारा "चिकित्सा में महिलाओं" को मान्यता	89
ग.	**नैम्स की वित्तीय रिपोर्ट**	**90-93**
	सरकारी अनुदान	92
	वित्त	92
घ.	**लेखा**	**94-111**
	लेखापरीक्षण रिपोर्ट	96
ङ.	**1 अप्रैल, 2025 से 30 सितम्बर, 2025 तक नैम्स की गतिविधियों की मुख्य विशेषताएं**	**112-118**
	1 अप्रैल, 2025 से 30 सितम्बर, 2025 तक की गतिविधियों की मुख्य विशेषताएं	113
च.	**नैम्स परिषद द्वारा अनुमोदित दिशानिर्देश**	**119-135**
	नैम्सकॉम के लिए दिशानिर्देश	121
	समझौता ज्ञापन/ समझौते का दस्तावेज का मसौदा	124
	नैम्सकॉम बोली प्रपत्र	128
	नैम्स स्थायी समिति के लिए विचारार्थ विषय (टीओआर)	130
छ.	**चित्र दीर्घा**	**136-171**

अकादमी परिषद् 2024-25

डॉ. दिगंबर बेहरा, एफएएमएस, अध्यक्ष
डॉ. शिव कुमार सरीन, एफएएमएस, तत्काल पूर्व अध्यक्ष
लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) वेलु नायर, एवीएसएम, वीएसएम***(सेवानिवृत्त), एफएएमएस, निर्वाचित अध्यक्ष
लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. प्रेम प्रकाश वर्मा - कोषाध्यक्ष
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, एफएएमएस
डॉ. अशोक कुमार शर्मा, एफएएमएस
डॉ. नरेंद्र कुमार अरोड़ा, एफएएमएस
डॉ. ओ. पी. खरबंदा, एफएएमएस
डॉ. महेश वर्मा, एफएएमएस
डॉ. अनिता सक्सेना, एफएएमएस
डॉ. वाई. के. गुप्ता, एफएएमएस
डॉ. संजय कुमार अग्रवाल, एफएएमएस
डॉ. अशोक कुमार गुप्ता, एफएएमएस
डॉ. अनिल कुमार जैन, एफएएमएस
डॉ. राकेश अग्रवाल, एफएएमएस
डॉ. राकेश अग्रवाल, एफएएमएस
डॉ. ओम प्रकाश कालरा, एफएएमएस
डॉ. प्रमोद कुमार गर्ग, एफएएमएस
डॉ. पीयूष गुप्ता, एफएएमएस
डॉ. अमिता जैन, एफएएमएस
डॉ. भगवंत राय मित्तल, एफएएमएस
डॉ. एस. एम. बोस, एफएएमएस

परिषद् के पदेन सदस्य

महानिदेशक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्
अध्यक्ष, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड
अध्यक्ष, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग

केंद्र सरकार के नामिती

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

अकादमी के अधिकारीगण

अध्यक्ष	डॉ. दिगंबर बेहरा, एफएएमएस,
निर्वाचित अध्यक्ष	लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) वेलु नायर, एवीएसएम, वीएसएम***(सेवानिवृत्त), एफएएमएस
कोषाध्यक्ष	लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. प्रेम प्रकाश वर्मा, एफएएमएस
तत्काल पूर्व अध्यक्ष	डॉ. शिव कुमार सरीन, एफएएमएस

कार्यकारी कर्मचारी

सचिव	डॉ. उमेश कपिल, एफएएमएस
उप सचिव	डॉ. अजय कुमार सूद

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) के वर्ष वृत्तांत

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) का आधिकारिक प्रकाशन

प्रधान संपादक

अनिल कुमार जैन
चिकित्सा निदेशक एवं अध्यक्ष
रीढ़ और अस्थिरोग विज्ञान सेवाएं,
एवी मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल, गाजियाबाद
अस्थिरोग विज्ञान के पूर्व आचार्य
पूर्व प्रधानाचार्य,
विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान कॉलेज एवं
गुरू तेग बहादुर अस्पताल, दिल्ली, भारत
पूर्व संकायाध्यक्ष, आयुर्विज्ञान संकाय,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत

संपादक

अमिता सुनेजा
पूर्व प्रधानाचार्य
विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान
कॉलेज एवं गुरु तेग बहादुर
अस्पताल, दिल्ली, भारत

अमितेश अग्रवाल
काय चिकित्सा विभाग,
विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान
कॉलेज एवं गुरू तेग बहादुर
अस्पताल, दिल्ली, भारत

अरूण कुमार शर्मा
विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान
कॉलेज एवं गुरू तेग बहादुर
अस्पताल, दिल्ली, भारत

धीरज शाह
प्राचार्य
विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान
कॉलेज एवं गुरू तेग बहादुर
अस्पताल, दिल्ली

किशोर कुमार दीपक
अतिथि आचार्य, जैवचिकित्सा
अभियांत्रिकी केंद्र, भारतीय
प्रौद्योगिकी संस्थान,
नई दिल्ली
भूतपूर्व, शरीर क्रिया विज्ञान
विभाग, अखिल भारतीय
आयुर्विज्ञान संस्थान,
अंसारी नगर, नई दिल्ली, भारत

कुलदीप सिंह
बाल रोग विभाग,
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान
संस्थान,
जोधपुर, राजस्थान, भारत

नवीन शर्मा
सामान्य शल्य चिकित्सा
विभाग
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान
संस्थान,
जोधपुर, राजस्थान, भारत

प्रज्ञा ध्रुव यादव
वैज्ञानिक एफ एवं समूह नेता
आईसीएमआर राष्ट्रीय विषाणु
विज्ञान संस्थान
पुणे, भारत

राजश्री कार
जैव रसायन विभाग,
विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान
कॉलेज एवं गुरू तेग बहादुर
अस्पताल, दिल्ली, भारत

एस. वी. मधु
अंतःस्त्राविकी विज्ञान विभाग,
विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान
कॉलेज एवं गुरू तेग बहादुर
अस्पताल, दिल्ली, भारत

संपादक मंडल

अजय सिंह
पूर्व कार्यकारी निदेशक,
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
भोपाल, भारत

अर्चना सिंघल
निदेशक आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
त्वचा रोग विज्ञान एवं रतिज रोग विभाग,
विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान कॉलेज,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत

दीपक के. टेम्पे
कार्यकारी उप कुलपति
यकृत एवं पित्ताशय विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
संज्ञाहरण विज्ञान विभाग,
पूर्व संकायाध्यक्ष, मौलाना आज़ाद मेडिकल
कॉलेज एवं संबंद्ध जीबी पंत, एलएनएच और
जीएनईसी अस्पताल, नई दिल्ली

गुरशरण प्रसाद तलवार
निदेशक, तलवार अनुसंधान प्रतिष्ठान
पूर्व जैव रसायन विभाग,
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
अंसारी नगर, नई दिल्ली, भारत

मीनू सिंह
निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
ऋषिकेश, भारत

मेजर जनरल (डॉ.) जितेन्द्र कुमार सिंह परिहार
वरिष्ठ परामर्शदाता एवं नेत्र रोग विज्ञान आचार्य
एवं शैक्षणिक अध्यक्ष, सेंटर फॉर साइट, नई दिल्ली
नेत्र रोग विज्ञान विभाग
पूर्व सेना अस्पताल (अनुसंधान एवं परामर्श),
दिल्ली कैंट, दिल्ली, भारत

नीरजा भाटला
निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
बठिंडा, पंजाब
भूतपूर्व आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
स्त्रीरोग एवं प्रसूति विज्ञान विभाग,
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
अंसारी नगर, नई दिल्ली, भारत

एन. के. अरोड़ा
कार्यकारी निदेशक
इनक्लैन अंतर्राष्ट्रीय न्यास, नई दिल्ली
पूर्व बाल चिकित्सा विभाग,
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
अंसारी नगर, नई दिल्ली, भारत

एन. के. गांगुली
पूर्व महानिदेशक,
भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद
नई दिल्ली, भारत

पंकज भारद्वाज
सामुदायिक चिकित्सा विभाग,
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
जोधपुर, राजस्थान, भारत

पीयूष गुप्ता
पूर्व प्रधानाचार्य,
विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान कॉलेज,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत

राजीव बहल
सचिव, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग एवं महानिदेशक,
भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद
नई दिल्ली, भारत

शिव के. सरीन
कुलपति, आईएलबीएस
वरिष्ठ आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, यकृत विज्ञान
विभाग, यकृत एवं पित्ताशय विज्ञान संस्थान,
वसंत कुंज मार्ग, घिटोरनी, नई दिल्ली, भारत

सरोज चूड़ामणि गोपाल
पूर्व कुलपति,
केजी चिकित्सा विश्वविद्यालय,
लखनऊ, उत्तर प्रदेश
बाल शल्य चिकित्सा विभाग,
बनारस हिंदु विश्वविद्यालय,
वाराणसी, उत्तर प्रदेश, भारत

एस पी त्यागराजन
पूर्व कुलपति,
मद्रास विश्विद्यालय, चेन्नई, भारत

श्याम सुंदर
काय चिकित्सा विभाग,
आयुर्विज्ञान संस्थान,
बनारस हिंदु विश्वविद्यालय,
वाराणसी, उत्तर प्रदेश, भारत

संदीप साहू
संज्ञाहरण एवं पेरिऑपरेटिव मेडिसिन विभाग,
संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान
(एसजीपीजीआईएमएस),
लखनऊ, उत्तर प्रदेश, भारत

उषा दत्ता
जठरांत्र रोग विज्ञान विभाग
स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान,
चंडीगढ़, भारत

विजय के. जैन
अस्थि रोग विज्ञान विभाग विभाग,
अटल बिहारी वाजपेयी आयुर्विज्ञान संस्थान
(एबीवीआईएमएस)
राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली, भारत

वाई. के. चावला
पूर्व निदेशक, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं
अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़, भारत

अंतर्राष्ट्रीय संपादक

प्रो. मोहित भंडारी
शल्य चिकित्सा विभाग,
मैक्मास्टर विश्वविद्यालय,
हैमिल्टन, ओंटेरिओ, कनाडा
वरिष्ठ श्रेणी कनाडा अनुसंधान चेयर
मुख्य संपादक, अस्थि,
जोड़ एवं शल्य चिकित्सा पत्रिका, संयुक्त अमेरिका

संपादकीय कार्यालय
राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)
महात्मा गांधी मार्ग,
रिंग रोड, अंसारी नगर,
नई दिल्ली-110029, भारत

क. संगठनात्मक शैक्षणिक गतिविधियाँ

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

वार्षिक रिपोर्ट 2024-2025

अकादमी के नियमानुसार अकादमी के सामान्य सरोकार, उसकी पिछले वर्ष की आय और व्यय तथा वर्ष के लिए अनुमान और अकादमी की समृद्धि या अन्यथा स्थिति पर एक रिपोर्ट, अकादमी की आम सभा के समक्ष उसकी वार्षिक बैठक में प्रस्तुत करनी होती है।

वार्षिक बैठक

अकादमी का 64 वाँ दीक्षांत समारोह और वार्षिक सम्मेलन 22 से 24 नवम्बर, 2024 तक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर में आयोजित किया गया था। अकादमी का दीक्षांत समारोह 23 नवंबर, 2024 को आयोजित किया गया था। "एक स्वास्थ्य: आइए हम अपने स्वास्थ्य की देखभाल के लिए सहयोग करें", "स्वास्थ्य सेवा में विश्वसनीय प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने के लिए व्यवस्थित मूल्यांकन और कार्यप्रणाली"; और "बेसिक इमरजेंसी ऑब्स्टेट्रिक केयर (BEmOC)" के विषयों पर पूर्व-सम्मेलन कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

प्रख्यात चिकित्सा पेशेवरों को विभिन्न पूर्ण सत्रों के लिए आमंत्रित किया गया था। मुख्य आकर्षण थे: नव निर्वाचित नैम्स अध्येताओं द्वारा वैज्ञानिक कार्यों और उपलब्धियों की प्रस्तुति; व्यक्तिगत चिकित्सा की भविष्य की भूमिका; आंत माइक्रोबायोटा; शल्य चिकित्सक वाइस एडमिरल आरती सरीन, एवीएसएम, वीएसएम, महानिदेशक सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा द्वारा स्वास्थ्य देखभाल में महिला उद्यमी प्रस्तुत की गई; एनबीई के अध्यक्ष डॉ. अभिजात सेठ द्वारा स्नातकोत्तर चिकित्सा परीक्षा में रणनीतियां और सुधार; राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के पीजी बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. विजय ओझा द्वारा स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा में सुधार; रिलायंस न्यू एनर्जी काउंसिल के अध्यक्ष डॉ. आर. ए. माशेलकर द्वारा विघटनकारी समावेशी नवाचार के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा का पुनर्निर्माण। "चिकित्सा शिक्षा में कौशल और प्रशिक्षण" विषय पर नैम्स - एम्स सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न एम्स के निदेशकों ने चिकित्सा शिक्षा में वर्तमान प्रशिक्षण पर चर्चा की और भविष्य के लिए सिफारिशें दीं।

भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ मुख्य अतिथि थे, और सुश्री पुण्य सलिला श्रीवास्तव, आईएएस, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, भारत सरकार और डॉ. राजेश सुधीर गोखले, सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार ने सम्मानित अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई। भारत के उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने अपने अभिभाषण में राष्ट्रीय स्तर पर नीति निर्माण और निर्णय लेने में नैम्स अध्येताओं के योगदान की सराहना की। उन्होंने अपनी शुभकामनाएं दीं और अकादमी अध्येताओं और सदस्यों के बौद्धिक बैंक से देश की स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने के लिए अपना सहयोग बढ़ाने की आशा व्यक्त की।

देश भर के प्रख्यात चिकित्सा और जैव चिकित्सा वैज्ञानिकों को नैम्स के अध्यक्ष द्वारा नैम्स अध्येतावृति, उप अध्येतावृति और सदस्यता से सम्मानित किया गया।

नैम्स के अध्यक्ष डॉ. शिव के. सरीन ने अपने अध्यक्षीय भाषण में विशिष्ट अतिथियों, अकादमी के अध्येताओं और सदस्यों का स्वागत किया। अध्यक्ष के अभिभाषण का पूरा पाठ अनुलग्नक I के रूप में दिया गया है।

भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने मुख्य अतिथि दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। अभिभाषण का पूरा पाठ अनुलग्नक II के रूप में दिया गया है।

परिषद की बैठकें

वर्ष 2024-25 के दौरान, परिषद की छह बैठकें आयोजित की गई थीं।

परिषद की ये बैठकें 21 अप्रैल 2024, 1 जुलाई 2024, 29 अगस्त 2024, 15 अक्तूबर 2024, 23 नवम्बर 2024 और 24 फरवरी, 2025 को नैम्स भवन, नई दिल्ली में राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) के परिसर में आयोजित की गई थी।

सेवानिवृत्त होने वाले परिषद् के सदस्यों की रिक्तियां भरना - 2024

निम्नलिखित उन सदस्यों की सूची है जो वर्ष 2024 के दौरान अपने कार्यकाल के पूरा होने पर सेवानिवृत्त हुए और जो परिषद के सदस्यों के रूप में निर्वाचित हुए हैं:

सेवानिवृत्त सदस्य

1. डॉ. उषा कांत मिश्रा
2. डॉ. संजय कुमार अग्रवाल
3. डॉ. अनिता पांडा
4. डॉ. भगवंत राय मित्तल
5. डॉ. अनिल कुमार जैन

निर्वाचित सदस्य

6. डॉ. अनिता सक्सेना
7. डॉ. योगेन्द्र कुमार गुप्ता
8. डॉ. संजय कुमार अग्रवाल
9. डॉ. अशोक कुमार गुप्ता
10. डॉ. अनिल कुमार जैन

परिषद् ने सेवानिवृत्त हो रहे सदस्यों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं की प्रशंसा करते हुए इसे अपने रिकार्ड पर रखा।

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के अध्येताओं (एफएएमएस) का निर्वाचन - 2024

साख समिति ने वर्ष 2024 की अध्येतावृत्ति के लिए निर्वाचन हेतु 313 चिकित्सा एवं जैवचिकित्सा वैज्ञानिकों पर विचार किया। साख समिति ने अध्येतावृत्ति प्रदान करने के लिए 54 चिकित्सा एवं जैवचिकित्सा वैज्ञानिकों की सिफारिश की। अध्येतावृत्ति के लिए साख समिति की सिफारिशों को परिषद् सदस्यों द्वारा अनुमोदित किया गया। उन्हें, नियमों में निर्धारित कार्यविधि के अनुसार, अध्येताओं के आम निकाय द्वारा मतदान करके अध्येताओं के रूप में निर्वाचित किया गया।

निर्वाचित किये गये अध्येताओं के नाम नीचे दिए गए हैं:

1. **डॉ. गौरव अग्रवाल**

   आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, अंतःस्त्राविकी शल्य चिकित्सा विभाग, संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226014। उनकी विशेषज्ञता अंतःस्त्राविकी एवं स्तन शल्य चिकित्सा है।

2. **डॉ. आदित्य कुमार अग्रवाल**

   आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, अस्थिरोग विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पीजीआईएमईआर), चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता अस्थिरोग शल्य चिकित्सा है।

3. **डॉ. अमितेश अग्रवाल**

   आचार्य एवं इकाई अध्यक्ष, काय चिकित्सा विभाग, विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान कॉलेज एवं गुरू तेग बहादुर अस्पताल, दिल्ली - 110095। उनकी विशेषज्ञता काय चिकित्सा है।

4. **डॉ. संदीप अग्रवाल**

   आचार्य, कमरा नंबर 411, शल्य चिकित्सा ब्लॉक, शल्य चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता सामान्य शल्य चिकित्सा है।

5. **डॉ. मोहम्मद जावेद अली**

   निदेशक, चिकित्सक - वैज्ञानिक विकास कार्यक्रम, नेत्र विज्ञान के प्रतिष्ठित पूर्व अध्यक्ष, अध्यक्ष, जीएस डैक्रियोलॉजी संस्थान, एलवी प्रसाद नेत्र संस्थान, रोड नंबर 2, बंजारा हिल्स, हैदराबाद - 500034। उनकी विशेषज्ञता नेत्र विज्ञान है।

6. **डॉ. बुशरा अतीक**

   आचार्य और जॉय गिल सभापति, अंतर्राष्ट्रीय संबंध संकायाध्यक्ष, जैव विज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, उत्तर प्रदेश - 208016। उनकी विशेषज्ञता आणविक

जीव विज्ञान है।

7. डॉ. रीमा बंसल

आचार्य, कमरा नंबर 503, लेवल 5, उन्नत नेत्र केंद्र, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पीजीआईएमईआर), सेक्टर -12, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता नेत्र विज्ञान है।

8. डॉ. अरुण कुमार बरनवाल

मुख्य संरक्षक, बाल चिकित्सा हृदय देखभाल विभाग, श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल, नवा रायपुर, रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001। उनकी विशेषज्ञता बाल चिकित्सा है।

9. डॉ. मुरली धरन बश्याम

स्टाफ वैज्ञानिक, डीएनए फिंगरप्रिंटिंग एवं निदान केंद्र, इनर रिंग रोड, उप्पल, हैदराबाद - 500039। उनकी विशेषज्ञता कैंसर आनुवंशिकी और जीनोमिक्स है।

10. डॉ. दीपश्री भट्टाचार्य

प्राचार्य, त्रिपुरा शांतिनिकेतन मेडिकल कॉलेज, त्रिपुरा - 799003। उनकी विशेषज्ञता संज्ञा हरण विज्ञान है।

11. डॉ. रमेश चंद्र

कुलपति, महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर, राजस्थान-321001। निवास: 38/01, प्रोबिन रोड, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन विज्ञान है।

12. डॉ. पूडीपेडी शरत चंद्र

वरिष्ठ आचार्य और अध्यक्ष, एकक I, तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग, कमरा नंबर 7, 6 वीं मंजिल, सीएन सेंटर, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका शल्य चिकित्सा है।

13. डॉ. रमा चौधरी

एमेरिटस वैज्ञानिक, पूर्व अनुसंधान संकायाध्यक्ष और अध्यक्ष, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

14. डॉ. हरविंदर सिंह छाबड़ा

निदेशक, मेरुदंड एवं पुनर्वास केंद्र, श्री बालाजी एक्शन चिकित्सा संस्थान, पश्चिम विहार, नई दिल्ली - 110063। उनकी विशेषज्ञता अस्थिरोग शल्य चिकित्सा है।

15. डॉ. मृदुल कुमार डागा

वरिष्ठ आचार्य, आंतरिक काय चिकित्सा प्रभाग, मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, वैशाली, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश - 201019। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक काय चिकित्सा है।

16. डॉ. गौरी दोराईराजन

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग, महिला एवं बाल ब्लॉक, जेआईपीएमईआर, धनवंतरि नगर, पुडुचेरी - 605006। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान है।

17. डॉ. अनुराधा दुबे

एमेरिटस वैज्ञानिक और पूर्व जेसी बोस फेलो, केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226031 उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

18. डॉ. उषा दत्ता

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, जठरांत्र रोग विज्ञान विभाग, नेहरू अस्पताल, एफ - ब्लॉक, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पीजीआईएमईआर), सेक्टर -12, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता जठरांत्र रोग विज्ञान है।

19. डॉ. भागीरथी द्विबेदी

सह संकायाध्यक्ष और आचार्य, एकक अध्यक्ष, बाल रोग विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर, ओडिशा - 751019। उनकी विशेषज्ञता बाल चिकित्सा है।

20. डॉ. दीपमान गांगुली

वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर - भारतीय रासायनिक जीव विज्ञान संस्थान, कोलकाता, पश्चिम बंगाल - 700032। उनकी विशेषज्ञता जैव प्रौद्योगिकी है।

21. डॉ. विकास गौतम

आचार्य, चिकित्सा सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पीजीआईएमईआर), सेक्टर -12, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

22. डॉ. महेश कुमार गोयनका

निदेशक एवं अध्यक्ष, अपोलो मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल, 58 कैनाल सर्कुलर रोड, कोलकाता, पश्चिम बंगाल - 700054। उनकी विशेषज्ञता जठरांत्र रोग विज्ञान है।

23. डॉ. चंदर ग्रोवर

निदेशक आचार्य, त्वचाविज्ञान और एसटीडी विभाग, विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान कॉलेज एवं गुरू तेग बहादुर अस्पताल, दिल्ली - 110095। उनकी विशेषज्ञता त्वचाविज्ञान और रतिजरोग विज्ञान है।

24. डॉ. मोहित दयाल गुप्ता

निदेशक और आचार्य, हृद्य रोग विज्ञान विभाग, जीबी पंत उत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली - 110002। उनकी विशेषज्ञता हृद्य रोग विज्ञान है।

25. डॉ. रितु गुप्ता

आचार्य और प्रभारी अधिकारी, कमरा नंबर 239, दूसरी मंजिल, प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान एकक, डॉ. बीआरए - आईआरसीएच, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता नैदानिक रुधिर विज्ञान है।

26. डॉ. दीपाली जैन

आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

27. डॉ. प्रमिला कालरा

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, अंतःस्त्राविकी विज्ञान विभाग, रमैया मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, बेंगलुरु, कर्नाटक - 560054। उनकी विशेषज्ञता अंतःस्त्राविकी विज्ञान है।

28. डॉ. तनुज कंचन

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, न्यायिक चिकित्सा विभाग, कमरा नंबर 3040, मेडिकल कॉलेज बिल्डिंग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर, राजस्थान - 342005। उनकी विशेषज्ञता न्यायिक चिकित्सा एवं विष विज्ञान है।

29. डॉ. राकेश कपूर

आचार्य और एकक अध्यक्ष, विकिरण उपचार और अर्बुद विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पीजीआईएमईआर), सेक्टर -12, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता विकिरण अर्बुद विज्ञान है।

30. डॉ. अशोक कुमार

आचार्य, जैविक विज्ञान और जैव अभियांत्रिकी विभाग, एलएबी-15, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, उत्तर प्रदेश - 208016। उनकी विशेषज्ञता जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी है।

31. डॉ. आशीष कुमार

आचार्य और वरिष्ठ सलाहकार, जठरांत्र रोग विज्ञान विभाग, कमरा नंबर 1192, सर गंगा राम अस्पताल, राजिंदर नगर, नई दिल्ली - 110060। उनकी विशेषज्ञता जठरांत्र रोग विज्ञान है।

32. डॉ. गोविंद कुमार मखरिया

आचार्य, जठरांत्र रोग विज्ञान और मानव पोषण विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,

अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता जठरांत्र रोग विज्ञान है।

33. डॉ. अमित कुमार मिश्रा

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, जैव विज्ञान और जैव अभियांत्रिकी विभाग, कमरा नंबर: 307, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर, निफ्ट के पास, जोधपुर, राजस्थान - 342037। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका विज्ञान है।

34. डॉ. आशीष कुमार मुखर्जी

निदेशक, विज्ञान और प्रौद्योगिकी उन्नत अध्ययन संस्थान, विज्ञान पथ, गरचुक, पश्चिम बोरागांव, गुवाहाटी, असम - 781035। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन विज्ञान है।

35. डॉ. अर्चना बेहराम पटेल

कार्यक्रम निदेशक और सीएफओ, एलएमआरएफ, लता मेडिकल रिसर्च फाउंडेशन, 9/1, किंकिन कुटीर, हनुमान मंदिर के सामने, वसंत नगर, नागपुर, महाराष्ट्र - 440022। उनकी विशेषज्ञता बाल चिकित्सा है।

36. डॉ. मंजू राही

निदेशक, आईसीएमआर - वेक्टर नियंत्रण अनुसंधान केंद्र, पुडुचेरी, तमिलनाडु - 605006। उनकी विशेषज्ञता सार्वजनिक स्वास्थ्य है।

37. डॉ. डी श्री भूषण राजू

वरिष्ठ आचार्य और विभागाध्यक्ष, वृक्क विज्ञान विभाग, निजाम आयुर्विज्ञान संस्थान, पंजगुट्टा, हैदराबाद, तेलंगाना - 500082। उनकी विशेषज्ञता वृक्क विज्ञान है।

38. डॉ. सुषमा सागर

आचार्य, शल्य चिकित्सा विभाग, कमरा नंबर 229, दूसरी मंजिल, जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता शल्य चिकित्सा है।

39. डॉ. नवीन संख्यान

आचार्य, बाल रोग तंत्रिका विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पीजीआईएमईआर), सेक्टर - 12, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता बाल चिकित्सा तंत्रिका विज्ञान है।

40. डॉ. अंगमुथु सेल्वापांडियन

आचार्य, आणविक चिकित्सा विभाग, जामिया हमदर्द (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली - 110062। उनकी विशेषज्ञता आणविक जीव विज्ञान है।

41. डॉ. रचना सेठ

आचार्य, बाल रोग विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता बाल चिकित्सा है।

42. डॉ. संदीप सेठ

आचार्य, हृद्य रोग विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता हृद्य रोग विज्ञान है।

43. डॉ. जी तारु शर्मा

निदेशक, राष्ट्रीय पशु जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, सर्वे नंबर 37, एक्सटेंडेड क्यू सिटी रोड, जर्नलिस्ट कॉलोनी के सामने, न्यू गौलीडोडी, गाचीबोवली, हैदराबाद, तेलंगाना - 500032। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

44. डॉ. साधना शर्मा

आचार्य, जैव रसायन विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश - 174001। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन है।

45. डॉ. बालेंद्र प्रताप सिंह

आचार्य, प्रोस्थोडॉन्टिक्स विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226003। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

46. डॉ. चंद्रमणि सिंह

निदेशक, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, गोमती नगर, विभूति खंड, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226010। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक चिकित्सा है।

47. डॉ. दलजीत सिंह

निदेशक आचार्य, तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग, गोविंद बल्लभ पंत स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, दिल्ली - 110002। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका शल्य चिकित्सा है।

48. लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) दलजीत सिंह

महानिदेशक, सशस्त्र बल चिकित्सा सेवाएं, रक्षा मंत्रालय, डीजीएएफएमए कार्यालय, रक्षा मंत्रालय, कमरा नंबर 410, चौथी मंजिल, 'ए' ब्लॉक, रक्षा कार्यालय परिसर, अफ्रीका एवेन्यू रोड, नई दिल्ली - 110023। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका शल्य चिकित्सा है।

49. डॉ. सीमा सूद

आचार्य, जैव सूक्ष्म विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029।

उनकी विशेषज्ञता जैव सूक्ष्म विज्ञान है।

50. डॉ. राजराजन स्वामीनाथन

आचार्य और पूर्व कुलपति, एसआरएम विश्वविद्यालय, सोनीपत, हरियाणा - 131029। उनकी विशेषज्ञता जैव सूक्ष्म विज्ञान है।

51. डॉ. रुपियाती तालुकदार

निदेशक, अग्नाशय विज्ञान विभाग, अग्न्याशय अनुसंधान समूह और आंत जीवोम अनुसंधान प्रभाग, तेलंगाना - 500032 । उनकी विशेषज्ञता जठरांत्र रोग विज्ञान है।

52. डॉ. विशाल आर. टंडन

आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, निदानात्मक, प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया निगरानी केंद्र, शासकीय मेडिकल कॉलेज, जम्मू और कश्मीर - 190010। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

53. डॉ. निरुपमा त्रेहनपति

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, यकृत और पित्त विज्ञान संस्थान, डी-1, वसंत कुंज, नई दिल्ली - 110070। उनकी विशेषज्ञता नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान है।

54. डॉ. अमन बबनराव सुबे-गनलावर

उप प्राचार्य एवं विभागाध्यक्ष, एसएनजेबी श्रीमान सुरेशदादा जैन भेषज गुण विज्ञान महाविद्यालय, चंदवाड़, महाराष्ट्र - 423101। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के सदस्यों (एमएएमएस) का निर्वाचन - 2024

सदस्यता के लिए निर्वाचन हेतु 100 उम्मीदवारों के नाम पर विचार किया गया। साख समिति ने सदस्यता प्रदान करने के लिए 92 उम्मीदवारों की सिफारिश की। साख समिति की इन सिफारिशों को परिषद् सदस्यों द्वारा अनुमोदित किया गया। उन्हें, नियमों में निर्धारित कार्यविधि के अनुसार, अध्येताओं के आम निकाय द्वारा सदस्यों के रूप में मतदान करके निर्वाचित किया गया।

भर्ती किए गए सदस्यों के नाम नीचे दिए गए हैं:

1. **डॉ. रचना अग्रवाल**

   आचार्य, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एसएन चिकित्सा महाविद्यालय, आगरा - 282003। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान है।

2. **डॉ. इसरार अहमद**

   सहायक आचार्य, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, इरा विश्वविद्यालय, सरफराजगंज, हरदोई रोड, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226003। उनकी विशेषज्ञता आणविक जीव विज्ञान है।

3. **डॉ. वाहिद अली**

   आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226003। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन विज्ञान है।

4. **डॉ. उपेन्द्र बैठा**

   अपर आचार्य, काय चिकित्सा विभाग, कमरा नंबर 4097, चौथी मंजिल, शैक्षणिक खंड, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

5. **डॉ. सदाजीत बनर्जी**

   चिकित्सक, सीडी 278, पहली मंजिल, साल्ट लेक सिटी, सेक्टर - 1 बिधाननगर, कोलकाता - 700064। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

6. **डॉ. सौरव भगत**

   सहायक आचार्य, विकिरण निदान विभाग, आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान विद्यालय, शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश - 201306। उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

7. **डॉ. मुडेरा पोनप्पा चरियप्पा**

   सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ, ए-1/701, ऑरा सोलिस, नरेन हिल्स के पीछे, एसआरपीएफ पीओ, पुणे, महाराष्ट्र - 411022। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक स्वास्थ्य है।

8. **डॉ. मोना असनानी**

आचार्य, बाल रोग विभाग, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, सरिता विहार, नई दिल्ली - 110076। उनकी विशेषज्ञता बाल चिकित्सा है।

9. डॉ. अशोक कुमार चौहान

वरिष्ठ आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, विकिरण चिकित्सा विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा विज्ञान संस्थान, रोहतक, हरियाणा - 124001। उनकी विशेषज्ञता विकिरण चिकित्सा है।

10. डॉ. पवित्रा चेलुवराज

सहायक आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, रमैया चिकित्सा महाविद्यालय, एमएसआर नगर, बैंगलोर, कर्नाटक - 560054। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक स्वास्थ्य है।

11. डॉ. अरबिंद कुमार चौधरी

सहायक आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, मुंशीगंज, रायबरेली, उत्तर प्रदेश - 229405। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

12. डॉ. पुष्पा दहिया

वरिष्ठ आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, रोहतक, हरियाणा - 124001. उनकी विशेषज्ञता प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान है।

13. डॉ. विकास धिकाव

वरिष्ठ चिकित्सा वैज्ञानिक/ उप निदेशक, कमरा नंबर 106, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, रेड क्रॉस रोड, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली - 110001। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका विज्ञान है।

14. डॉ. संजीव कुमत डिग्रा

आचार्य, बाल रोग विभाग, एसएमजीएस अस्पताल, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय जम्मू, जम्मू और कश्मीर - 180001। उनकी विशेषज्ञता बाल चिकित्सा है।

15. डॉ. गरिमा डंडी

आचार्य, एसएन चिकित्सा महाविद्यालय, आगरा, उत्तर प्रदेश - 282002। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

16. डॉ. फारुख फराज

आचार्य, पेरियोडोंटिक्स विभाग, मौलाना आजाद दंत चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

17. डॉ. देवेंद्र गुप्ता

आचार्य, संज्ञा हरण विज्ञान विभाग, संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226014। उनकी विशेषज्ञता संज्ञा हरण विज्ञान है।

18. डॉ. धन प्रकाश गुप्ता

आचार्य, इरा लखनऊ चिकित्सा महाविद्यालय, इरा विश्वविद्यालय, टंडन मार्ग, सरफराजगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226003। उनकी विशेषज्ञता बाल चिकित्सा विकिरण निदान है।

19. डॉ. तबरेज जाफर

सह आचार्य एवं अध्यक्ष, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, इरा विश्वविद्यालय, टंडन मार्ग, सरफराजगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226003। उनकी विशेषज्ञता जैव प्रौद्योगिकी है।

20. डॉ. सागर जयंतीलाल धोलारिया

सहायक आचार्य, जैव रसायन विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, खंडेरी, पारा पिपलिया, राजकोट, गुजरात - 360110। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन विज्ञान है।

21. डॉ. अर्जुनलाल ककरानी

आचार्य, नैदानिक उत्कृष्टता विभाग (चिकित्सा) और निदेशक, अकादमिक सहयोग, डॉ. डी वाई पाटिल चिकित्सा महाविद्यालय, पुणे, महाराष्ट्र - 411018। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

22. डॉ. कनिष्का उठानसिंह

सह शोधकर्ता, जठरांत्र रोग विज्ञान और हेपेटोबिलरी विज्ञान विभाग, आयुर्विज्ञान संस्थान एवं सम अस्पताल, शिक्षा ओ अनुसंधान मानित विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओडिशा - 751003। उनकी विशेषज्ञता जैव प्रौद्योगिकी है।

23. डॉ. एस कार्तिक

सहायक आचार्य, ऑर्थोडॉन्टिक्स विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, विजयपुर, जम्मू और कश्मीर - 184120। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

24. डॉ. गुरलीन कौर

आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, आदेश चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल, हरियाणा - 133004। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

25. डॉ. तरनप्रीत कौर

सहायक आचार्य, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, विजयपुर, जम्मू और कश्मीर - 184120। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

26. डॉ. उरवेरशी कोतवाल

सहायक आचार्य, रक्ताधान चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, विजयपुर, जम्मू और कश्मीर - 180001। उनकी विशेषज्ञता रक्ताधान चिकित्सा है।

27. डॉ. हरे कृष्णा

सह आचार्य, शरीर रचना विज्ञान विभाग, कमरा नंबर सी -12, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर बसनी फेज -2, राजस्थान - 342005। उनकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

28. डॉ. अंकित कुमार

सहायक आचार्य, श्वसन चिकित्सा विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226003। उनकी विशेषज्ञता श्वसन चिकित्सा है।

29. लेफ्टिनेंट कर्नल (डॉ.) वासनिक कुमार गौतम

महानिदेशक सशस्त्र बल चिकित्सा का कार्यालय, रक्षा मंत्रालय, अफ्रीका एवेन्यू, नई दिल्ली-110023। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

30. डॉ. मनोज कुमार गुप्ता

अपर आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा एंड परिवार चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर, राजस्थान - 342005। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक चिकित्सा है।

31. डॉ. मृत्युंजय कुमार

सह आचार्य, बाल रोग विभाग, कमरा नंबर 624, अस्पताल भवन, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली, मुंसीगंज, रायबरेली, उत्तर प्रदेश - 229405। उनकी विशेषज्ञता बाल चिकित्सा है।

32. डॉ. राहुल कुमार

सहायक आचार्य, हृद् वाहिका एवं वक्ष शल्य चिकित्सा विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226003। उनकी विशेषज्ञता हृद् वाहिका एवं वक्ष शल्य चिकित्सा है।

33. डॉ. राजीव कुमार

सहायक आचार्य, प्रयोगात्मक चिकित्सा एवं शल्य चिकित्सा केंद्र, आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश - 221005। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन विज्ञान है।

34. डॉ. रजनीश कुमार अरोरा

अपर आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश, उत्तराखंड - 249203। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका शल्य चिकित्सा है।

35. डॉ. रमेश कुमार

अपर आचार्य, जठरांत्र रोग विज्ञान विभाग, ओपीडी ब्लॉक-डी, चौथी मंजिल, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, फुलवारी शरीफ, पटना, बिहार - 801507। उनकी विशेषज्ञता जठरांत्र रोग विज्ञान है।

36. डॉ. रितेश कुमार

सहायक आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जम्मू और कश्मीर - 184120। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

37. डॉ. सतीश कुमार

सहायक आचार्य, काय चिकित्सा विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226003। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

38. डॉ. शालिनी कुमार

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, शरीर रचना विज्ञान विभाग, हमदर्द आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली - 110062। उनकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

39. डॉ. सुमित कुमार

अपर आचार्य, लोक स्वास्थ्य दंत विभाग, ओल्ड डेंटल पब्लिक बिल्डिंग, दूसरी मंजिल, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226003। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

40. डॉ. तरुण कुमार सिंह

सह आचार्य, दंत चिकित्सा विभाग, कमरा नंबर 3027, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बठिंडा, पंजाब - 151001। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

41. डॉ. प्रशांत कुंभज

आचार्य, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान विभाग, महात्मा गांधी चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल, रीको इंस्टीट्यूशनल एरिया, सीतापुरा, टोंक रोड, जयपुर, राजस्थान - 302022। उनकी विशेषज्ञता चिकित्सा अर्बुद विज्ञान है।

42. डॉ. बाबू लाल

सहायक आचार्य, आघात एवं आपात चिकित्सा, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल, मध्य प्रदेश - 462020। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

43. डॉ. दीप्ति मगन

सह आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बठिंडा, पंजाब - 151001। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

44. डॉ. सुप्रिया मलिक

अपर आचार्य, मुख चिकित्सा एवं विकिरण विज्ञान विभाग, दंत विज्ञान संकाय, केजीएमयू, लखनऊ

- 226003। उनकी विशेषज्ञता विकिरण उपचार है।

45. **डॉ. सुशांत कुमार मेनिया**

सहायक आचार्य, रक्ताधान चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, विजयपुर, जम्मू और कश्मीर - 184120। उनकी विशेषज्ञता रक्ताधान चिकित्सा है।

46. **डॉ. अजय कुमार मिश्रा**

सहायक आचार्य, यकृत विज्ञान विभाग, एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226014। उनकी विशेषज्ञता यकृत विज्ञान है।

47. **डॉ. अमर कुमार मिश्रा**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, तंत्रिका विज्ञान विभाग, नीलरतन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल, 138, एजेसी बोस रोड, कोलकाता - 700014। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका विज्ञान है।

48. **डॉ. गौरव मिश्रा**

अपर आचार्य, लोक स्वास्थ्य दंत विभाग, दूसरी मंजिल, ओल्ड डेंटल बिल्डिंग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, चौक, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226003। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

49. **डॉ. नितेश मनोहर गोन्नाडे**

अपर आचार्य, पीएमआर विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर, राजस्थान - 342005। उनकी विशेषज्ञता शारीरिक चिकित्सा है।

50. **डॉ. अनीता नांगिया**

निदेशक आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, लेडी हार्डिंग चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबंद्ध अस्पताल, नई दिल्ली - 110001। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

51. **डॉ. नेहा**

सह आचार्य, दंत चिकित्सा विभाग, आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय महाविद्यालय, दिल्ली - 110095। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

52. **डॉ. अमित गजानन नेरकर**

आचार्य एवं अनुसंधान अध्यक्ष, केमेट सिद्धांत भेषज गुण महाविद्यालय, एटी/पीओ, सुदुंबरे, तलमावल, पुणे, महाराष्ट्र - 412109। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

53. **डॉ. नीतू निगम**

अपर आचार्य, कोशिका-आनुवंशिकी प्रयोगशाला, उन्नत अनुसंधान केंद्र, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, शाहमीना रोड, चौक, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226003। उनकी विशेषज्ञता

आनुवंशिकी है।

54. **डॉ. सोबिया निसार**

सह आचार्य, काय चिकित्सा विभाग, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एंड एसोसिएटेड हॉस्पिटल्स, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर - 190010। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

55. **डॉ. पूजा ओझा**

सह आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर, राजस्थान - 342005। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

56. **डॉ. संध्या पांडे**

सहायक आचार्य, प्लास्टिक सर्जरी विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश -226003। उनकी विशेषज्ञता प्लास्टिक सर्जरी है।

57. **डॉ. शिखा प्रकाश**

सह आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, सरोजिनी नायडू चिकित्सा महाविद्यालय, आगरा, उत्तर प्रदेश - 282002। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

58. **डॉ. प्रीति**

आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, लेडी हार्डिंग चिकित्सा महाविद्यालय, 1, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली - 110001। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

59. **डॉ. चित्रा रंजन साहू**

आईसीएमआर - शताब्दी पोस्ट-डॉक्टरल अध्येता, केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, आयुर्विज्ञान संस्थान और सम अस्पताल, भुवनेश्वर - 751029। उनकी विशेषज्ञता जैव प्रौद्योगिकी है।

60. **डॉ. संदीप टी.**

सह आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, बीजीएस चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल, दासनपुरा, बेंगलुरु, कर्नाटक - 562123। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

61. **डॉ. संजय सिंघल**

सह आचार्य, श्वसन चिकित्सा विभाग, टीएसएम चिकित्सा महाविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226008। उनकी विशेषज्ञता श्वसन चिकित्सा है।

62. **डॉ. मिली सेंगर**

सह आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, टीएस मिश्रा चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226009। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक स्वास्थ्य है।

63. **डॉ. निवेदिता शर्मा**

सह आचार्य, शल्यक अर्बुद विज्ञान विभाग, ए ब्लॉक, 5 वीं मंजिल, ओपीडी ब्लॉक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर, राजस्थान - 342005। उनकी विशेषज्ञता शल्यक अर्बुद विज्ञान है।

64. डॉ. अनीता मोहन शेटे

वैज्ञानिक ई, आईसीएमआर एनआईवी, आईसीएमआर जीवोम विज्ञान राष्ट्रीय संस्थान, 130, एमसीसी-1, पाषाण-सुस रोड, पाषाण, पुणे, महाराष्ट्र - 411021। उनकी विशेषज्ञता आणविक जीव विज्ञान है।

65. डॉ. आदेश श्रीवास्तव

अपर आचार्य, तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल, मध्य प्रदेश - 462020। उनकी खासियत तंत्रिका शल्य चिकित्सा है।

66. डॉ. शैली श्रीवास्तव

सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, विकिरण अर्बुद विज्ञान विभाग, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, तिरवागंज, कन्नौज, उत्तर प्रदेश - 209732। उनकी विशेषज्ञता विकिरण चिकित्सा है।

67. डॉ. हिफजुर रहमान सिद्दीकी

वरिष्ठ सहायक आचार्य, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश - 202002। उनकी विशेषज्ञता आणविक जीव विज्ञान है।

68. डॉ. सपना सिंह

सहायक आचार्य, मुख स्वास्थ्य केंद्र, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, चंडीगढ़ - 160030। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

69. डॉ. देवेंद्र सिंह

वैज्ञानिक, भेषज गुण विज्ञान विभाग, कमरा नंबर 4012, शैक्षणिक खंड, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

70. डॉ. दीक्षा सिंह

अपर आचार्य, मुख विकृति विज्ञान विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, शाहमीना रोड, चौक, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226003। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

71. डॉ. जसप्रीत सिंह

सहायक आचार्य, अस्थि रोग विभाग, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, पटियाला, पंजाब-147001। उनकी विशेषज्ञता अस्थि रोग शल्य चिकित्सा है।

72. डॉ. कमलप्रीत सिंह

सह आचार्य, ईएनटी विभाग, एएफएमसी, वानोवारी, पुणे, महाराष्ट्र - 411040। उनकी विशेषज्ञता

कान, नाक एवं गला विज्ञान है।

73. डॉ. मनीष कुमार सिंह

सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, जैव रसायन विभाग, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, बदायूं, उझानी रोड, उत्तर प्रदेश - 243601। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन विज्ञान है।

74. डॉ. निशि सिंह

अपर आचार्य, मुख विकृति विज्ञान एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, दंत विज्ञान संकाय, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, शाहमीना रोड चौक, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226003। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

75. डॉ. प्रियंका सिंह

अपर आचार्य, मुख विकृति विज्ञान एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, दंत विज्ञान संकाय, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, शाहमीना रोड चौक, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226003। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

76. डॉ. सुधीर सिंह

आचार्य, विकिरण चिकित्सा विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226003। उनकी विशेषज्ञता विकिरण चिकित्सा है।

77. डॉ. तरुण कुमार

आचार्य, हृद् रोग विज्ञान विभाग, एबीवीआईएमएस और डॉ. आरएमएल अस्पताल, दिल्ली - 110001। उनकी विशेषज्ञता हृद् रोग विज्ञान है।

78. डॉ. कुशल कुमार सिंह

सलाहकार, आईआर विभाग, चंदन अस्पताल, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226010। उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

79. डॉ. सिद्धार्थ सिन्हा

सहायक आचार्य, अस्थि रोग विभाग, हमदर्द आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, ब्लॉक डी, हमदर्द नगर, गुरु रविदास मार्ग, नई दिल्ली - 110062। उनकी विशेषज्ञता अस्थि रोग शल्य चिकित्सा है।

80. डॉ. पी. पी. श्रीनिवासन

सहायक आचार्य, बाल रोग विभाग, रुधिर विज्ञान - अर्बुद विज्ञान, 5118, एपीसी 5 ए, उन्नत बाल चिकित्सा केंद्र, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, सेक्टर -12, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता बाल चिकित्सा है।

81. डॉ. अमित श्रीवास्तव

सह आचार्य, अस्थि रोग विभाग, आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय महाविद्यालय एवं गुरु तेग बहादुर अस्पताल, दिलशाद गार्डन, दिल्ली - 110095। उनकी विशेषज्ञता अस्थि रोग शल्य चिकित्सा है।

82. डॉ. बी. सुनीता

चिकित्सा निदेशक और वरिष्ठ सलाहकार, मिलान, प्रजनन शक्ति विशेषज्ञ, बैंगलोर, कर्नाटक - 560062। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान है।

83. डॉ. विजय कुमार ताडिया

सहायक आचार्य एवं उप चिकित्सा अधीक्षक, अस्पताल प्रशासन विभाग, पीजीआईएमईआर, सेक्टर - 12, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता अस्पताल प्रशासन है।

84. डॉ. नीमा तिवारी

सहायक आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, बाल स्वास्थ्य स्नातकोत्तर संस्थान, सेक्टर - 30, नोएडा, उत्तर प्रदेश - 201303। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

85. डॉ. प्रीति त्रिपाठी

आचार्य, रुधिर विकृति विज्ञान विभाग, सैन्य अनुसंधान एवं सलाह अस्पताल, दिल्ली - 110010। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

86. डॉ. कविराज उडुपा

आचार्य, तंत्रिका शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निमहांस), होसुर रोड, बेंगलुरु, कर्नाटक - 560029। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका शरीर क्रिया विज्ञान है।

87. डॉ. रुचि वर्मा

अपर आचार्य, संज्ञा हरण विज्ञान विभाग, ए - ब्लॉक, संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआईएमएस), रायबरेली, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226014। उनकी विशेषज्ञता संज्ञा हरण विज्ञान है।

88. डॉ. मृणालिनी वर्मा

सह आचार्य, विकिरण चिकित्सा विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226003। उनकी विशेषज्ञता विकिरण चिकित्सा है।

89. डॉ. रमा वालिया

अपर आचार्य, अंतःस्त्राविकी विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, सेक्टर - 12, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता अंतःस्त्राविकी है।

90. डॉ. ईशा यादव

सहायक आचार्य, आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय महाविद्यालय एवं गुरु तेग बहादुर अस्पताल, नई दिल्ली - 110095। उनकी विशेषज्ञता संज्ञा हरण विज्ञान है।

91. डॉ. राज कंवर यादव

अपर आचार्य, वृक्क विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता वृक्क विज्ञान है।

92. डॉ. दीपक युवराज

वैज्ञानिक बी, अधिकतम रोकथाम सुविधा, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद - राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान, सुस रोड, पाषाण, पुणे, महाराष्ट्र - 411021। उनकी विशेषज्ञता आणविक जीव विज्ञान है।

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के सह अध्येताओं (ए-एफएएमएस) का निर्वाचन - 2024

जिन उम्मीदवारों ने डीएम/ एमसीएच उत्तीर्ण किया है और उनकी आयु 45 वर्ष तक है, उन्हें एनएएमएस के सह फेलो के रूप में चुना जाता है। कुल 23 आवेदन प्राप्त हुए। मानदंड के अनुसार, 19 उम्मीदवारों को सह अध्येता के पुरस्कार के लिए चुना गया था।

निर्वाचित सह अध्येताओं के नाम नीचे दिए गए हैं:

1. **डॉ. शिल्पा खन्ना अरोड़ा**

   आचार्य, बाल रोग विभाग, एबीवीआईएमएस और डॉ. आरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता बाल चिकित्सा है।

2. **डॉ. अविवर अवस्थी**

   सहायक आचार्य, सी-29, सेक्टर सी, चेतन विहार, अलीगंज, लखनऊ - 226024। उनकी विशेषज्ञता नैदानिक अंतःस्त्राविकी है।

3. **डॉ. बालामुरुगन टी.**

   सहायक आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

4. **डॉ. निधि चौहान**

   सहायक आचार्य, मनोचिकित्सा विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 110016। उनकी विशेषज्ञता मनोचिकित्सा है।

5. **डॉ. अनन्य गुप्ता**

   सलाहकार, जठरांत्र रोग विज्ञान, विवेकानंद अस्पताल, लखनऊ। उनकी विशेषज्ञता जठरांत्र रोग विज्ञान है।

6. **डॉ. गौरव गुप्ता**

   सह आचार्य, बाल रोग विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, गुवाहाटी - 781101। उनकी विशेषज्ञता बाल चिकित्सा है।

7. **डॉ. आशुतोष कौशल**

   सह आचार्य, संज्ञा हरण विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल - 462026। उनकी विशेषज्ञता संज्ञा हरण विज्ञान है।

8. **डॉ. हरित कोठारी**

वरिष्ठ सलाहकार, यशोदा अस्पताल, कौशाम्बी, उत्तर प्रदेश। उनकी विशेषज्ञता जठरांत्र रोग विज्ञान है।

9. **डॉ. नेरेदुमिली प्रसन्ना कुमार**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, बाल और किशोर मनोचिकित्सा सुपर स्पेशियलिटी विभाग, आंध्र मेडिकल कॉलेज और जीएचएमसी - सीओई, विशाखापत्तनम। उनकी विशेषज्ञता मनोचिकित्सा है।

10. **डॉ. महाबलेश्वर मामादापुर**

सहायक आचार्य, नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान और संधिवात विज्ञान विभाग, जेएसएस अस्पताल, एमजी रोड, मैसूर - 570004। उनकी विशेषज्ञता संधिवात विज्ञान है।

11. **डॉ. संजीब मंडल**

सहायक आचार्य, बाल रोग विभाग, केपीसी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, जादवपुर, कोलकाता - 700032। उनकी विशेषज्ञता बाल चिकित्सा है।

12. **डॉ. मोहम्मद मुस्तसिन**

सह आचार्य और गहन चिकित्सा एकक अध्यक्ष, इरा लखनऊ मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता संज्ञा हरण विज्ञान है।

13. **डॉ. रंगाराजन राजगोपाल**

सह आचार्य, नैदानिक एवं इंटरवेंशनल विकिरण विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर। उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

14. **डॉ. तनुश्री साहू**

सह आचार्य, नवजात विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर। उनकी विशेषज्ञता नवजात विज्ञान है।

15. **डॉ. अपूर्वकुमार सुधीरभाई शाह**

वरिष्ठ सलाहकार, अपोलो अस्पताल अंतर्राष्ट्रीय लिमिटेड, गांधीनगर - 382428। उनकी विशेषज्ञता जठरांत्र रोग विज्ञान है।

16. **डॉ. अमरिंदर सिंह**

सहायक आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

17. डॉ. विक्रम सिंह

वर्गीकृत विशेषज्ञ (विकृति) और अर्बुद विकृति विज्ञानी, सहायक आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, सशस्त्र बल मेडिकल कॉलेज, पुणे - 411040। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

18. डॉ. श्रीनिवासन पी. पी.

सहायक आचार्य, बाल रोग विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता बाल चिकित्सा है।

19. डॉ. ऋचा त्रिपाठी

सह आचार्य, मनोचिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, गोरखपुर। उनकी विशेषज्ञता मनोचिकित्सा है।

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के अंतर्राष्ट्रीय अध्येताओं एवं सदस्यों का निर्वाचन - 2024

अंतर्राष्ट्रीय अध्येताओं/ सदस्यों के लिए आवेदन करने वाले निम्नलिखित प्रख्यात वैज्ञानिकों को अंतर्राष्ट्रीय अध्येताओं के रूप में चुना गया है:

1. **डॉ. ममता भट्ट**

   सह आचार्य, चिकित्सा विभाग, टोरंटो विश्वविद्यालय, चिकित्सक-वैज्ञानिक, अजमेरा आरोपण केंद्र, विश्वविद्यालय स्वास्थ्य नेटवर्क, 585 यूनिवर्सिटी एवेन्यू, टोरंटो, कनाडा। उनकी विशेषज्ञता काय चिकित्सा, जठरांत्र रोग विज्ञान है।

2. **डॉ. जयंत रॉय चौधरी**

   आचार्य, काय चिकित्सा विभाग (यकृत विज्ञान) और आनुवंशिकी, अल्बर्ट आइंस्टीन चिकित्सा महाविद्यालय, ब्रोंक्स, न्यूयॉर्क 10461, यूएसए। उनकी विशेषज्ञता काय चिकित्सा है।

3. **डॉ. नागा** पी. **चलसानी**

   आचार्य, इंडियाना यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन; अकादमिक मामलों के लिए उपाध्यक्ष। इंडियाना स्वास्थ्य विश्वविद्यालय । 340 वेस्ट 10 वीं स्ट्रीट, इंडियानापोलिस, आईएन, यूएसए 46202। उनकी विशेषज्ञता जठरांत्र रोग विज्ञान है।

4. **डॉ. रजनी दुबे**

   आचार्य, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान, विभागाध्यक्ष, राक आयुर्विज्ञान महाविद्यालय, राक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, अल कुसैदत, आरएएस अल खैमाह, संयुक्त अरब अमीरात - 971, पीओ बॉक्स - 11172। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान है।

5. **डॉ. श्यामसुंदरन कोट्टिलिल**

   निदेशक, विषाणु विज्ञान संस्थान, मैरीलैंड विश्वविद्यालय, 725 डब्ल्यू लोम्बार्ड सेंट, बाल्टीमोर एमडी 21021। उनकी विशेषज्ञता जठरांत्र रोग विज्ञान है।

6. **डॉ. आनंद मारया**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, ऑर्थोडॉन्टिक्स विभाग, दंत चिकित्सा संकाय, पुथिशास्त्र विश्वविद्यालय, #55, सेंट 180, खान दौन पेन्ह, नोम पेन्ह, कंबोडिया - 12211। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

7. **डॉ. जगत नरूला**

कार्यकारी उपाध्यक्ष एवं मुख्य शैक्षणिक अधिकारी, टेक्सास विश्वविद्यालय स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र, ह्यूस्टन के. लांस प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय, गोल्ड कोरोनरी विकृति शरीर क्रिया विज्ञान अध्यक्ष, जॉन पी. एवं कैथरीन जी. मैकगवर्न मेडिकल स्कूल, ह्यूस्टन। उनकी विशेषज्ञता हृद् रोग विज्ञान है।

8. **डॉ. अरुण जे. सान्याल**

निदेशक, स्ट्रैविट्ज़ - सान्याल यकृत रोग एवं उपापचय स्वास्थ्य संस्थान, 1200 ई, ब्रॉड सेंट, रिचमंड वीए, 23298। उनकी विशेषज्ञता यकृत रोग है।

9. **डॉ. अश्विन के. सिंगल**

काय चिकित्सा आचार्य, लुइसविले विश्वविद्यालय, लुइसविले, केवाई, 40202, यूएसए। उनकी विशेषज्ञता जठरांत्र रोग विज्ञान है।

अंतर्राष्ट्रीय सदस्य

1. **डॉ. रोहित कोहली**

आचार्य, बाल चिकित्सा विभाग, केक चिकित्सा विद्यालय यूएससी और विभागाध्यक्ष, जठरांत्र रोग विज्ञान, बाल अस्पताल, लॉस एंजिल्स। उनकी विशेषज्ञता बाल चिकित्सा है।

उम्मीदवारों की सूची जिन्हें एमएनएएमएस सदस्यता प्रदान की गई - 2024

उन उम्मीदवारों, जिन्होंने उपर्युक्त अकादमी की सदस्यता (एमएनएएमएस) के लिए आवेदन किया था और जिन्हें विनियमन-V के अधीन यथानिर्दिष्ट कम से कम एक अध्येता (फेलो) द्वारा विधिवत प्रस्तावित किया गया था, के नामों को परिषद् के समक्ष विचारार्थ बैठक में रखा गया। परिषद ने एमएनएएमएस के लिए 793 आवेदकों को अनुमोदित किया।

1. डॉ. सुभाष जाट
2. डॉ. बिजिन जोसेफ
3. डॉ. पांडे सचिन चंद्रभान
4. डॉ. अर्चित तिवारी
5. डॉ. विनीश जोसेफ
6. डॉ. शारन्या
7. डॉ. गांधी किरण प्रकाश
8. डॉ. किरण कुमार शेट्टी
9. डॉ. सालोट जैनम अल्पेशकुमार
10. डॉ. अतुल शर्मा
11. डॉ. अजय एडविन
12. डॉ. ध्रुव पॉल
13. डॉ. मीनाक्षी मान
14. डॉ. प्रिया बंसल
15. डॉ. मिथुन जोसे
16. डॉ. हेमंत शर्मा
17. डॉ. रंजीत कुमार जी
18. डॉ. हरीश आर
19. डॉ. सूरज वाई एस
20. डॉ. अर्जुन परिहार
21. डॉ. ग़ज़ाला शहनाज़
22. डॉ. प्रतिष्ठा यादव
23. डॉ. प्रमुख कुलकर्णी
24. डॉ. जे. विवेका राज
25. डॉ. वाघ पंकज बांदुराव
26. डॉ. रोहित राय
27. डॉ. जस्टिन थॉमस
28. डॉ. लता

29. डॉ. उर्वशी कला

30. डॉ. ज़ुबैर अहमद डंड

31. डॉ. जाधव सौरभ मदनराव

32. डॉ. संगीता भद्रा

33. डॉ. आशुल चावला

34. डॉ. अशोक कुमार एम

35. डॉ. साजिथ एस

36. डॉ. नीरज अग्रवाल

37. डॉ. प्रिया तिवारी

38. डॉ. बिस्वजीवन साहू

39. डॉ. मानो लियोनी दिव्या

40. डॉ. केतकी

41. डॉ. श्रीराज के वी

42. डॉ. सृजन सिंह

43. डॉ. ऋत्विक जनार्दनन

44. डॉ. मुबीनारा क़ाज़ी

45. डॉ. मोहम्मद सोहेल सिद्दीकी

46. डॉ. जोशी अदिति मोहन

47. डॉ. स्नेहश्री सधानाला

48. डॉ. प्रिया सिंगला

49. डॉ. क्लिंटन थॉमस

50. डॉ. भोलिर भाग्यश्री मिलिंद

51. डॉ. कमला मनोग्ना एन

52. डॉ. तनमय अग्रवाल

53. डॉ. एस. के. अज़हरुद्दीन

54. डॉ. जोसेफ विमल राजदॉस एस

55. डॉ. हरिता मड्डिराला

56. डॉ. रूपाश्री सीआर

57. डॉ. नवीन कुमार के

58. डॉ. रमन शर्मा

59. डॉ. अनुश्री एन

60. डॉ. संजीब मंडल

61. डॉ. सनी भल्ला

62. डॉ. ऋचू शर्मा

63. डॉ. यारागनी साई रूपा

64. डॉ. निशांत कुमार नीरज

65. डॉ. फ़सना आसफ़अली एम

66. डॉ. दिव्या एम बी

67. डॉ. अयान बसक
68. डॉ. लाडके अमृता बाबराव
69. डॉ. टी. मात्थीसेकरन
70. डॉ. विनीता
71. डॉ. पी. ए. महेश
72. डॉ. प्रियंका सिन्हा
73. डॉ. लवलीन मंगला
74. डॉ. हृषिकेश कुमार बकोड़े
75. डॉ. देविंदर कुमार सुहाग
76. डॉ. प्रीति रंजन सिन्हा
77. डॉ. ऐश्वर्या सुरेश
78. डॉ. वरुण रमेश
79. डॉ. एम.डी. अशरफ़ जमाल
80. *डॉ. अमित सूद
81. डॉ. सलीनी एम
82. डॉ. नितिन कुमार
83. डॉ. दीपिका प्रकाश
84. डॉ. अर्चना सुनेजा
85. डॉ. अब्बास शब्बीरभाई भाटिया
86. डॉ. नेहा सिंह चौहान
87. डॉ. अफ़रा टी पी
88. डॉ. संध्या रवि
89. डॉ. अब्राहम एलेक्स कोडियट्टे
90. डॉ. राहुल बाबू सी
91. डॉ. अंशुल सेठी
92. डॉ. ए. अज़ीम सिराज
93. डॉ. विकास नायक
94. *डॉ. भरत दुआ
95. डॉ. गीथू गोपीनाथ
96. डॉ. शिल्पी लोहानी
97. डॉ. जितिन रामकृष्णन
98. डॉ. अज़ीज़ एम
99. डॉ. अमित भास्कर खेड़कर
100. डॉ. अरुणिमा अग्रवाल
101. डॉ. हीरा आर
102. डॉ. रोहन मेहता
103. डॉ. सचिन एस
104. डॉ. राजेंद्र देसाई

105. डॉ. मनीषा साहू
106. डॉ. किरण प्रीत ग्रोवर
107. डॉ. प्रवीन एस लाल
108. डॉ. केशरवानी प्रियंका नन्हा लाल
109. डॉ. उपाध्याय मुकुंद श्रीप्रकाश
110. डॉ. राजेश कुमार मिश्रा
111. डॉ. दीपक
112. डॉ. जे. यवना सुरिया
113. डॉ. संतोष कुमारी
114. डॉ. चक्रवर्ती टी
115. डॉ. प्रसंथ जे
116. डॉ. विवेक कुमार
117. डॉ. रंजीथ कुमार एस
118. डॉ. मोनिका वर्मा
119. डॉ. रीशमा जोस
120. डॉ. दिप्ताजित पॉल
121. डॉ. ममता गुप्ता
122. डॉ. गरिमा अग्रवाल
123. डॉ. सुवेश सिंह
124. डॉ. जॉन्स टी जॉनसन
125. डॉ. एन. आर. रविकुमार
126. डॉ. प्रभाकरण के
127. डॉ. शिल्पा एन्न बेबी
128. डॉ. अविजीत प्रसाद
129. डॉ. लक्ष्मी राधाकृष्णन
130. डॉ. राजपूत प्राचीसिंह प्रकाशसिंह
131. डॉ. अभिषेक सोनी
132. डॉ. प्रभु एम
133. डॉ. निती भाटवाल
134. डॉ. नागवेणी म्यदुर कल्लीमतादा
135. डॉ. केडिया पलक संजय
136. डॉ. नवजोत कौर
137. डॉ. केडिया यश संजय
138. डॉ. आदित्य मंगल
139. डॉ. प्रीथा सुधाकरण
140. डॉ. अपर्णा कृष्णन
141. डॉ. राजेश कुमार वी
142. *डॉ. अमन गौड़

143. डॉ. स्मिता रामदास
144. डॉ. प्रखर अग्रवाल
145. डॉ. देवराला सागरिका
146. डॉ. अश्विन रवि
147. डॉ. रमेश कुमार पी पी
148. डॉ. सुरभि संदिल्ल
149. डॉ. सैय्यद महिबूब नजबुद्दीन
150. डॉ. निशा गुसाईं
151. डॉ. राजेश सिंह
152. डॉ. नेहला हारून के एम
153. डॉ. रितुषा मिश्रा
154. डॉ. सुनील कुमार एस आर
155. डॉ. आदित्य वर्मा
156. डॉ. आस्था अग्रवाल
157. डॉ. मिनिटा मारिया रेगी
158. डॉ. मोर श्रेया शरद
159. डॉ. बी युव प्रिया
160. डॉ. सौम्या
161. डॉ. स्टेफी मारिया टॉम
162. डॉ. कैरोलिन वी
163. डॉ. सुधाक्षिणा पांजा
164. डॉ. डेर्शिक वेलेंटाइन
165. डॉ. गुलाब सिंह सरोहा
166. डॉ. विनोद कुमार
167. डॉ. मनीष खन्ना
168. डॉ. हरीकृष्णन एस
169. डॉ. अपूर्वा जैन
170. डॉ. जोसेफ शिबु
171. डॉ. प्रीयेश कांत
172. डॉ. पचुरी पर्धसारथी
173. डॉ. विजय कुमार
174. डॉ. साहना श्रीनिवास
175. डॉ. नलिनी कांत घोष
176. डॉ. पूजा शिवाजी शिंदे
177. डॉ. नीरज पवार
178. डॉ. बविश्रा एस
179. डॉ. देबदत्ता बनर्जी
180. डॉ. मंजुनाथ निशानी

181. डॉ. शिप्रा राउत
182. डॉ. विवेक पी क्षीरसागर
183. डॉ. मैथ्यू जॉब वाचापाराम्पिल
184. डॉ. संदीप हेमंत चर्मोडे
185. डॉ. शिवाली कैलास पाटेकर
186. डॉ. प्रशांत रेड्डी अडला
187. डॉ. पुनीत पुष्कर महाजन
188. डॉ. हरिप्रसाद
189. डॉ. सौम्या गजापति
190. डॉ. थॉमस कुरियन
191. डॉ. सोहम भट्टाचार्य
192. डॉ. निधिन रहमान
193. डॉ. अयन कुंडू
194. डॉ. रोहन शर्मा
195. डॉ. हेमा रावल
196. डॉ. गोपालकृष्ण पत्तर
197. डॉ. रिया उत्पल मजूमदार
198. डॉ. बी. प्रियंका
199. डॉ. सचिन एस कर्जोल
200. डॉ. एम. मीना
201. डॉ. श्रीहरी राजकुमार
202. डॉ. अरुण एस मेनन
203. डॉ. आनंद राजू
204. डॉ. नीति एस
205. डॉ. चिन्मय श्रीकृष्ण पेंढारकर
206. डॉ. लिजी के सी
207. डॉ. दुर्गेश मणि उपाध्याय
208. डॉ. थलक्कोट्टूर कैथरीन जोजो
209. डॉ. विजय किरण किरण एस
210. डॉ. विशुध एम एस
211. डॉ. आदित्य वर्श्नेय
212. डॉ. मिलिंद के
213. डॉ. वंदना तिवारी
214. *डॉ. ऋचा अग्रवाल
215. डॉ. गौराव गोयल
216. डॉ. श्रेया बनर्जी
217. डॉ. हिमांशु शर्मा
218. डॉ. गीत्तिका शर्मा

219. डॉ. सारिका प्रेमराजन
220. डॉ. स्नेहल निखिल पाटिल
221. डॉ. प्रवीना श्याम
222. डॉ. दिशांत दिनेश ओसवाल
223. डॉ. जीवर्गीस प्रजीत प्रसाद
224. डॉ. सौरिश दत्ता
225. डॉ. किशोर वी
226. डॉ. लबीबा हम्सा
227. डॉ. उदय अग्रवाल
228. डॉ. एमडी ज़ैद यूसुफ़ शेख
229. डॉ. सुमन्यु सक्सेना
230. डॉ. मन मोहन यू एस
231. डॉ. सिद्धार्थ जैन
232. डॉ. पारुल गुप्ता
233. डॉ. मिहिका सिन्हा
234. डॉ. मिहिर सुरेंद्र चौधरी
235. डॉ. संजय यादव
236. डॉ. पूजा उनियाल
237. डॉ. बालाजी एस
238. डॉ. ग्रैशमी चरिष्मा बोंडाडा
239. डॉ. अविनाश बज्जुरी
240. डॉ. लिया एम
241. डॉ. आशुतोष कर्ण
242. डॉ. स्वर्णलता जामजनम
243. डॉ. गिथिन बेनोय जॉर्ज
244. डॉ. अब्दुस सामेद पी पी
245. डॉ. अतुल्या आनंद
246. डॉ. मीरा आर
247. डॉ. एस. रघुल राज
248. डॉ. अभिषेक एम एस
249. डॉ. बिनी बालन थोट्टिंगल
250. डॉ. पलक गुप्ता
251. डॉ. आरडॉ. आनंद
252. डॉ. जितिन पी के
253. डॉ. निशाद विपुल सितुत
254. डॉ. कार्तिका पी जयन
255. डॉ. आदित्य शर्मा
256. डॉ. निहाल सिंह

257. डॉ. फिंसी मरियम जॉर्ज
258. डॉ. गोपी शंकर एस
259. डॉ. रवि कुमार जैन
260. डॉ. आदर्श पी
261. डॉ. अंकुश रतनपाल
262. डॉ. कुलदीप राठौर
263. डॉ. निरंजन सुनील घग
264. डॉ. विमल प्रकाश
265. डॉ. गायत्री भास्करन
266. डॉ. प्रतीक कुमार सिंह
267. डॉ. लक्ष्मी आर
268. डॉ. विलक्ष नरेंद्र जैन
269. डॉ. विकास खिम्पल महेश्वरी
270. डॉ. राहुल बेबी जोसेफ
271. डॉ. दीपा एम जोसेफ
272. डॉ. दीपक सुरेश बाते
273. डॉ. गोपिका वी जी
274. डॉ. सिम्या टी आर
275. डॉ. एबी डियस कंडाचम्कुलम
276. डॉ. प्रणाम एच जे
277. डॉ. शिवानी सुरेश पिदुरकर
278. डॉ. सौम्या के एस
279. डॉ. उवाईस पी
280. डॉ. अश्विनी डी एस
281. डॉ. प्रतीक निशांत
282. डॉ. अभिषेक कुमार
283. डॉ. मुदिगोंडा साई विष्णुनाथ
284. डॉ. पूजा सिंह
285. डॉ. अखिला कूरियन
286. डॉ. आबिदा सबरीन
287. डॉ. हर्षल दशरथ सहारे
288. डॉ. मिधुन मनोहर
289. डॉ. जोसेफ बाबू
290. डॉ. अनुप्रिया एस
291. डॉ. अनमोल आनंद
292. डॉ. शिल्पा लेनस
293. डॉ. प्रशस्थ बी एस
294. डॉ. कल्पना जी

295. डॉ. सितारा नसार टी पी
296. डॉ. अपराजिता प्रधान
297. डॉ. सुनील मैथ्यू जोसेफ
298. डॉ. सौम्या नरूला
299. डॉ. रुपेश
300. डॉ. अखिल वी पी
301. डॉ. जैसन थॉमस
302. डॉ. गौतम कुमार अरोड़ा
303. डॉ. श्वेता पंवार
304. डॉ. सुतिंद्र सरकार
305. डॉ. फ़ासलुल अबिदीन पलप्पेट्टा
306. डॉ. संदीप रॉय
307. डॉ. साक्षी राजेश गट्टानी
308. डॉ. आयुष लक्कन्ना
309. डॉ. अरुण श्री परमेश्वरन
310. डॉ. अमोघ श्रीकांत किट्टूर
311. डॉ. सृजन वल्लूर
312. डॉ. वेंकटेश नथिया
313. डॉ. अनंत शर्मा
314. डॉ. ऐश्वर्या महेश राठौड़
315. डॉ. मोरिगड़ी नवीन कुमार गौड़
316. डॉ. उमा भारती यामा
317. डॉ. जीना पवित्रन
318. डॉ. यज्ञा मुनेश गली
319. डॉ. नैनिका गोयल
320. डॉ. प्रतीककुमार विठ्ठल खूणे
321. डॉ. ईशान गर्ग
322. डॉ. अनीला जोस
323. डॉ. जेरिन मोनिशा पॉल
324. डॉ. रमेश आर
325. डॉ. विजयरकुमार एस
326. डॉ. रोशन लाल गोयल
327. डॉ. गौरव भाऊसिंग पवार
328. डॉ. विकास एन
329. डॉ. अखिल मैथ्यू जैकब
330. डॉ. मनु डायस कंडाचमकुलम
331. डॉ. सुरूमी ए रहिम
332. डॉ. स्वानंद शैलेश प्रधान

333. डॉ. मारिया डेविस
334. डॉ. हसना इब्राहिम
335. डॉ. पल्लवी परुथी
336. डॉ. साईकृष्ण बजैया रेंगेरला
337. डॉ. सजल मैंगी
338. डॉ. रोहित सैनी
339. डॉ. जेसी अलेयम्मा जोस
340. डॉ. स्पंदन बिस्वास
341. डॉ. कोमल प्रसाद गोला
342. डॉ. अविनाशदेव देवमणि उपाध्याय
343. डॉ. पूर्णिमा सिंह
344. डॉ. अनिल कुमार पी
345. डॉ. शीबा मारवाह
346. डॉ. मिनु श्वेता मसिलामनी
347. डॉ. यामी मैथ्यू
348. डॉ. रोहित कौशल
349. डॉ. अजीत जॉली
350. डॉ. बिटन मैती
351. *डॉ. सलिल गर्ग
352. डॉ. कल्पेश लीलाचंद पाटिल
353. डॉ. लक्ष्मी एस एस
354. डॉ. भारत सत्यन
355. डॉ. शिनोज ससीचंद्रन
356. डॉ. वैभव मारुति शिर्के
357. डॉ. मोनिका राजपूत
358. डॉ. सुप्रिया कुमारी
359. डॉ. श्रीनिवास कार्तिक राठीपेली
360. डॉ. जर्सन जोसेफ रोड्रिग्ज़
361. डॉ. तनुज कुमार वर्मा
362. डॉ. प्रखर श्रीवास्तव
363. डॉ. प्रीति गौतम
364. डॉ. स्वाति त्यागी
365. डॉ. नरेंद्र कुमार बैरवा
366. डॉ. जयमाला संजयराव मालभोघे
367. डॉ. जितिन जोस
368. डॉ. प्रवीण मनोहर स्वामी
369. डॉ. अथुल गोविंद ए पी
370. डॉ. हन्नान शेख कबीर

371. *डॉ. सिराज अली खानडाकर
372. डॉ. यश निलेश ठाक्कर
373. डॉ. अबीन मोहम्मद
374. डॉ. अशोक नारायण एस एच
375. डॉ. अभिन एस
376. डॉ. आदर्श सोमन
377. डॉ. मुहम्मद अल्ताफ के सी
378. डॉ. रेवती सुनील संतान
379. डॉ. अक्षय कुमार वी
380. डॉ. महक भारद्वाज
381. डॉ. अनीस सी ए
382. डॉ. जाहिद इक़बाल मीर
383. डॉ. शहाना एम
384. डॉ. सौरभ शिवकुमार रांजालकर
385. डॉ. देबलिना मजूमदार
386. डॉ. अरशद अकबर ए
387. डॉ. माया मेनन
388. डॉ. सुनील गोर्धनभाई पटेल
389. डॉ. रक्षित ए जी
390. डॉ. हिमांशु गुप्ता
391. डॉ. मोहम्मद अक़ीब शकील
392. डॉ. विदुला माधुकऱ मेस्त्री
393. डॉ. अनीस एम ए
394. डॉ. श्रीषा पर्थाजे
395. डॉ. आकाश चंद्रशेखर गुंडल्ली
396. डॉ. आशी अशोक सोनकुसले
397. डॉ. कल्याण कनुकुंतला
398. डॉ. श्रेया दोडेजा
399. डॉ. विनोध कुमार जे
400. डॉ. दिया बाजू परप्पट
401. डॉ. गौरव सिवास
402. डॉ. सरथलाल एस
403. डॉ. हरीकृष्ण आर
404. डॉ. दर्शन एस
405. डॉ. संजुला जेतवानी
406. डॉ. अंशिद एम एस
407. डॉ. पवन कृष्ण एच
408. डॉ. मलय कुमार

409. डॉ. कृष्णा वलेचा
410. डॉ. सिंशारा के
411. डॉ. सोमसुब्रा पाल
412. डॉ. सत्यनारायण कुम्मारी
413. डॉ. सुखदीप सिंह
414. डॉ. सफा कुन्हीन
415. डॉ. सौरभ काशीनाथ फुलेकर
416. डॉ. एस. के. शाहriar अहमद
417. डॉ. शर्मिला सोमयाजी
418. डॉ. बैसिल हुसैन पी एन
419. डॉ. कल्याण कुमार बैद्य
420. डॉ. शानू एस
421. डॉ. श्रुति अशोक जायसवाल
422. डॉ. राम्या राजपुरोहित
423. डॉ. विजेश वल्सालन
424. डॉ. ऐश्वर्या दुआ
425. डॉ. माधवी माला आर
426. डॉ. अशमीरा सी के
427. डॉ. अभिलाष जैसवाल
428. डॉ. कीर्धेगा के
429. डॉ. चित्रा सी नाथ
430. डॉ. अंकित गूलिया
431. डॉ. जिधिन डेविस
432. डॉ. उमेश
433. डॉ. दिब्येंदु बिस्वास
434. डॉ. अपेक्शा बाबुलाल पाल
435. *डॉ. नंदिनी बी कृष्णन
436. डॉ. बृजेश कुमार गुप्ता
437. डॉ. आयशा खान
438. डॉ. योगेंद्र शिरीष अगीवाल
439. डॉ. मोहम्मद अय्यूब खान
440. डॉ. दिव्यानी पटेल
441. डॉ. महेश बाबू वेमुरी
442. डॉ. गौथम सन्तोष
443. डॉ. अमरेश सीपी
444. डॉ. ईशा गुप्ता
445. डॉ. सिम्फोनिया अंगुराज
446. डॉ. अभिजित एस

447. डॉ. स्नेहा लिज़ जैकब

448. डॉ. अवनी अजय हरियानी

449. डॉ. अखिल सुनील

450. डॉ. अनीता चौहान

451. डॉ. विभा सिंह

452. डॉ. स्री एल

453. डॉ. नीतिका बेरी

454. डॉ. रेशमा पी आर

455. डॉ. नागेश टी एस

456. डॉ. सूर्या के एस

457. डॉ. जिग्नेश यशवंत टंडेल

458. डॉ. रवीना

459. डॉ. स्नेह तंवर

460. डॉ. चीरला मनोज कुमार

461. डॉ. अज़ीम इर्शाद

462. डॉ. रश्मि शर्मा

463. डॉ. टीना नेलसन

464. डॉ. सी पी शांतनु

465. डॉ. रिजवान बाशा

466. डॉ. मणिगंदन चंद्रशेखर

467. डॉ. विष्णु एस

468. डॉ. सबीथा एस

469. डॉ. जितेंद्र कुमार

470. डॉ. अंबिका प्रसाद मोहंती

471. डॉ. मिलिंद रामकांत कुलकर्णी

472. डॉ. शेरोन सरीता फर्नांडिस

473. डॉ. अभिषेक प्रताप सिंह

474. डॉ. निरजकुमार रसिकभाई पटेल

475. डॉ. श्रुति विजयरलक्ष्मी

476. डॉ. अंज़ ऐश्ली

477. डॉ. श्रीकांत वलसापल्ली

478. डॉ. विकास यादव

479. डॉ. सुधा शर्मा

480. डॉ. अगिल बाबू

481. डॉ. अरिंद्रजीत गांगुली

482. डॉ. महेश दैमा एम

483. डॉ. प्रशांत शर्मा

484. डॉ. अंदालिब मोहम्मद असद दैमाकुमार

485. डॉ. कल्याणी थान्काची जे एस
486. डॉ. रुत्वी अजयकुमार पटेल
487. डॉ. मृदुल सिंह
488. डॉ. मारिया फ्रांसिस
489. डॉ. दामिनी वर्मा
490. डॉ. लिक्हिन एस पी
491. डॉ. पल्लवी डोडा
492. डॉ. शारदा एम
493. डॉ. अमोल श्रीवास्तव
494. डॉ. अपर्णा एस निर्मल
495. डॉ. फ़ारसीन मुहम्मद टी वी
496. डॉ. श्रुति टंडन
497. डॉ. हितार्थ जितेन गठानी
498. डॉ. हर्ष यादव
499. डॉ. ऐश्वर्या नेचिकोट्टिल
500. डॉ. मोनिका एस
501. डॉ. सुकराती रंजन
502. डॉ. सलोमी प्रीथा
503. डॉ. रुतुजा मिलिंद नारवेकर
504. डॉ. मौसमी अग्रवाल
505. डॉ. विनय कुमार के जे
506. डॉ. अजमल के वी
507. *डॉ. अभय प्रताप सिंह
508. डॉ. राहुल कालुसिंह राठोड़
509. डॉ. जुनैद खुर्शीद
510. डॉ. नीलाश्मा सिंघल
511. डॉ. अंकिता मोहंती
512. डॉ. प्रिया तनवार
513. डॉ. देबाशीष सरकार
514. डॉ. दीक्षा गौड़
515. डॉ. परेश रमेश वडीले
516. डॉ. शुभम पारीक
517. डॉ. सिद्धि धनंजय शानबाग
518. डॉ. श्वेता प्रीति
519. डॉ. अंजना आर
520. डॉ. कल्पेशभाई राजूभाई सूर्यवंशी
521. डॉ. गीता सेतुरामन
522. डॉ. एन्नाबेल जोस

523. डॉ. विभूति महेश जोशी
524. डॉ. सैंड्रा शाजू
525. डॉ. देवेश देवराव हेडाऊ
526. डॉ. केविन कवलकट्
527. डॉ. उनाइस पी पी
528. डॉ. अनघा आर
529. डॉ. निहाल सुरेश
530. डॉ. अभिषेक ऐंटो
531. डॉ. ज्योति खन्ना
532. डॉ. आशीष चंद्र तिवारी
533. डॉ. फौसिन एम लतीफ
534. डॉ. राहुल सुबरमण्यम पी एस
535. डॉ. बिट्टी पॉल
536. डॉ. इंदरप्रीत कौर
537. डॉ. शैलता प्रीसी
538. डॉ. स्वाति जैन
539. डॉ. धनंजय सी
540. डॉ. गीथा एस
541. डॉ. अक्षया सी
542. डॉ. आशिक एन वी
543. डॉ. रामज़ी हमीद
544. डॉ. प्रद्विथ काकानी
545. डॉ. व्यासख के
546. डॉ. कपिल सिंगल
547. डॉ. रंजीत परक्कल कृष्णन
548. डॉ. ओम प्रकाश पंडित
549. डॉ. हर्षवर्धन बुद्धिस्ट
550. डॉ. कासीविश्वनाथन एम
551. डॉ. अभिषेक शर्मा
552. डॉ. शहाना के टी
553. डॉ. नयना टी
554. डॉ. विनायक एम एस
555. डॉ. रेहीना निशाथ के पी
556. डॉ. श्रेया साधु
557. डॉ. गौरव अरुण काले
558. डॉ. सौविक मन्ना
559. डॉ. जिगू एस कृष्ण
560. डॉ. समीमा वी वी

561. डॉ. शामना के
562. डॉ. संथिया गोविंदराज
563. डॉ. सुखन्या सुक्रमणि
564. डॉ. रक्षय कौल
565. डॉ. यश आज़ाद जैन
566. डॉ. शिवानी रामचंद्र हटगांवकर
567. डॉ. संजना एस
568. डॉ. अन्नू यादव
569. डॉ. श्रुति पी शंकरनारायणन
570. डॉ. बेबी शाना पी
571. डॉ. अखिल निसीम
572. डॉ. तिथी देबनाथ
573. डॉ. आदिल अरशद जावरे
574. डॉ. आशा त्रीसा जोसे
575. डॉ. रोशन पीके
576. डॉ. रोहित वर्मा
577. *डॉ. अभिनव अन्नामलाई डी
578. डॉ. दिव्या वी
579. डॉ. प्राची शुक्ला
580. डॉ. ग्रीष्मा बी जे
581. डॉ. मोहना पाल
582. डॉ. अपेक्षा घनश्यामलाल कच्छारा
583. डॉ. आरजू मिश्रा
584. डॉ. पॉलोमी रे
585. डॉ. संगीता के
586. डॉ. ऐश्वर्या रामचंद्रन
587. डॉ. दिलीप राजशेखरन
588. डॉ. मयूरी वामन ज़ेंडे
589. डॉ. एष्णा सिंह
590. डॉ. रविंद्र कुमार यादव
591. डॉ. वरुण के
592. डॉ. एबी सेबस्टियन
593. डॉ. नीथु अब्राहम
594. डॉ. अपूर्वा शर्मा
595. डॉ. यशोवर्धन विजयकुमार तोटाला
596. डॉ. सविता बी
597. डॉ. फ़ाहमी के
598. डॉ. देवेन्द्र प्रसाद कलवगुंटा जे

599. डॉ. अकबरा मम्मेल

600. डॉ. ऋचा मिश्रा

601. डॉ. अनुभूति धनुका

602. डॉ. राधिका ए. के.

603. डॉ. अनुकरण महाजन

604. डॉ. अभिजित वी. एस.

605. डॉ. स्तुति महाजन

606. डॉ. शिखा रूपलकुमार शाह

607. डॉ. दिशा रे

608. डॉ. शांति पी.

609. डॉ. मोहम्मद मेहबूब उल इस्लाम

610. डॉ. साहिल ठकराल

611. डॉ. प्रियंका कानवट

612. डॉ. बिल्हा साजू

613. डॉ. मधुलिका सिंह

614. डॉ. रोहित मेहरा

615. डॉ. सुषमा मनराल

616. डॉ. नरें चंद्रा वी.

617. डॉ. सूर्या एंटनी

618. डॉ. जॉर्ज एन. डी.

619. डॉ. दिव्या यातेन्द्रनाथन

620. *डॉ. विग्नेश्वरन मुरुगेसन

621. डॉ. अब्दुल्ला यूनूस के.

622. डॉ. संकेत वासुदेव अग्रवाल

623. डॉ. शाहिद मुनीरुद्दीन शेख

624. *डॉ. वंदना

625. डॉ. आकांक्षा झा

626. डॉ. मोहम्मद अशीक पी.

627. डॉ. गोवर्धन द्वारिका गुप्ता

628. डॉ. दिनेश मुथुलुरु

629. डॉ. सुमित ग्रोवर

630. डॉ. श्रुति पांडे

631. डॉ. सौरव दास

632. डॉ. राहिल अरोड़ा

633. डॉ. प्रार्थना टी.

634. डॉ. अनुपमा सुरेश

635. डॉ. मुकुल सिंघल

636. डॉ. अब्दुल जलील ए.

637. डॉ. स्पूर्ती बी.

638. डॉ. प्रतिभा पी. एस.

639. डॉ. स्नेहा मैरी सैम

640. डॉ. सचैता एम. एस.
641. डॉ. जेफ़ वॉल्टर राजदुरई ओर
642. डॉ. स्मिता संतोष चव्हाण
643. डॉ. ससीधरन ए.
644. डॉ. राघव एम. वी.
645. डॉ. पोन अरविंदन ए. एस.
646. डॉ. हरकीरत सिंह तलवार
647. डॉ. शिवेश ठाकुर
648. डॉ. रोशनर्रह
649. डॉ. ब्लेस्सी जॉन्स
650. डॉ. दीपक टी.
651. डॉ. नवनील बिस्वास
652. डॉ. चेतन गर्ग
653. डॉ. निशा
654. डॉ. प्रणव शर्मा
655. डॉ. अमिलू एल्सा वर्गीज़
656. डॉ. सविता अग्रवाल
657. डॉ. सुषमा चंद्रगिरि
658. डॉ. पद्मकुमार के.
659. डॉ. रितेश अशोक राउत
660. डॉ. सतीश कुमार
661. डॉ. आर्या वी. नायर
662. डॉ. निशिगंधा मनोज महाजन
663. डॉ. एलन जेम्स
664. डॉ. ब्रजेन्द्र सिंह
665. डॉ. शैलिन असितकुमार शाह
666. डॉ. राहुल कुमार
667. डॉ. अनस वी. पी.
668. डॉ. रचना सिंह
669. डॉ. ऋचा शर्मा
670. डॉ. राजेश्वरी आर. टी.
671. डॉ. अर्जुन गणेश
672. डॉ. आधिल एम.
673. डॉ. लताशा सिंह
674. डॉ. असलम शाह बी.
675. डॉ. हरिश्नी पी.
676. डॉ. ज़मील कूरियादन
677. *डॉ. महालक्ष्मी मनोहरन
678. डॉ. अश्वथी एम.
679. डॉ. फवास के.
680. डॉ. जीथु एस. जे.
681. डॉ. पूर्णिमा गुप्ता

682. डॉ. अखिल वाधवान

683. डॉ. प्रज्वल गुप्ता

684. डॉ. अश्वथी के. आर.

685. डॉ. रीबा जॉर्ज पुलिनिलकुन्नाथिल

686. डॉ. सुगंधी शर्मा

687. डॉ. जैकब जॉर्ज पुलिनिलकुन्नाथिल

688. डॉ. अजमल एस.

689. डॉ. मोना मिश्रा

690. डॉ. विपिन विजय

691. डॉ. धर्मिंदर सिंह

692. डॉ. ऋतु सिंह

693. डॉ. चाडा तेजस्वी

694. डॉ. अभिषेक कुमार

695. डॉ. वसंत असीरवथम ए.

696. डॉ. हर्षल नंदलाल अग्रवाल

697. डॉ. राजू कुमारन टी.

698. डॉ. फ़ातिमा भोपालवाला

699. डॉ. विवेका एम.

700. डॉ. हर्षिता एच. उडुपा

701. डॉ. विनुथना कोड़ी

702. डॉ. हितेशा भंडारी

703. डॉ. सुकांत कुमार गर्ग

704. डॉ. कुलकर्णी वरुण संतोषराव

705. डॉ. सौम्या सचदेवा

706. डॉ. संकेत साहेबठ◌ाव कटकर

707. डॉ. अबरना थंगाराज

708. डॉ. मोनंकिता शर्मा

709. डॉ. नसीब टी. के.

710. डॉ. दीपक कुमार

711. डॉ. दिव्या जायसवाल

712. डॉ. प्रतीति बरुआ

713. डॉ. आन्द्रेई जीवेंद्र झा

714. डॉ. अरुणकुमार एम.

715. डॉ. मनोज सिंह

716. डॉ. दीपक कुमार जगलान

717. डॉ. लककुला साई भार्गव

718. डॉ. विश्वस एल.

719. डॉ. गुरजीत सिंह विरदी

720. डॉ. भानुप्रिया एस. बी.

721. डॉ. हिमाल सिंगला

722. डॉ. योगेश कुमारी

723. डॉ. राहुल शर्मा

724. डॉ. पाटिल निलेश माणिकराव

725. डॉ. पारीख पंक्ति विद्युत

726. डॉ. इसाबेला प्रिंसेस बी.

727. डॉ. तन्वी सिंह

728. डॉ. अर्नब चक्रवर्ती

729. डॉ. बेगम रहीना

730. डॉ. मिताली अतुल मोकाशी

731. डॉ. कोर्डे भूषण भास्करराव

732. डॉ. शिखा मोदी

733. डॉ. यामिनी अरोड़ा

734. डॉ. शर्मा अंकितकुमार अशोक

735. डॉ. हितेश रामकृष्णन

736. डॉ. शुभम सिंह

737. डॉ. लेखा मोहनराज

738. डॉ. सोनी हर्षिल अमरीशकुमार

739. डॉ. रेनू वर्मा

740. डॉ. देशपांडे निखिल संजय

741. डॉ. लेख्मी ए.

742. डॉ. मोहम्मद थमीम पुथुक्कट्टू

743. डॉ. प्रवीनकुमार उदयकुमार

744. डॉ. ओइंद्रिला रॉय

745. डॉ. ऋषभ संजय वैद

746. डॉ. गौतम सिन्हा

747. डॉ. शेट्टी ऐश्वर्या सत्यनाथ

748. डॉ. वाणी विश्वनाथ

749. डॉ. मोरूस्कर आदित्य संबाजी

750. डॉ. नुसैबथ कोट्टादन

751. डॉ. नवीन ए. के.

752. डॉ. नलिन शुक्ला

753. डॉ. प्रदीपनन्द वैद्य

754. डॉ. स्वप्निल सिंह कुषवाहा

755. डॉ. आइरीन अलेयम्मा थॉमस

756. डॉ. नज़नीन अब्दुल कादर

757. डॉ. अंशु पंगरिया

758. डॉ. निधिश चंद्र एम.

759. डॉ. पैगुड़े पृथ्वीराज अनिल

760. डॉ. बी. आर. विक्रम कुमार गौड़

761. डॉ. शिवराम एम.

762. डॉ. कोवरी उमादेवी

763. डॉ. अजय ए.

764. डॉ. निशा

765. डॉ. कमल सिंह गौनिया

766. डॉ. बोकाडे सौरभ योगराज
767. डॉ. चौधरी कुनाल मनोज
768. डॉ. सुपंथ दे
769. डॉ. मुनिंद्र कुमार
770. डॉ. प्रशांत सिंह
771. डॉ. विनिका निमोडिया
772. डॉ. ज़हरा हैदर रिज़वी
773. डॉ. दीपिका यादव
774. डॉ. शालिनी वी.
775. डॉ. सूरज दीपक देसाई
776. डॉ. शेख अफ़शान अली
777. डॉ. बिनॉय अब्राहम
778. डॉ. अश्विन एंटनी जोस
779. डॉ. प्रतिष्ठा लाल
780. डॉ. अश्वथी राज
781. डॉ. अजमल हामीद
782. डॉ. कामाक्षी बक्षी
783. डॉ. ध्रुव गुप्ता
784. डॉ. भानु प्रकाश शर्मा
785. डॉ. पटेल प्रथित नवीनितभाई
786. डॉ. फ़वाज़ पी.
787. डॉ. एशानी सचदेवा
788. डॉ. अनुपम सिंह
789. डॉ. महेश एम.
790. डॉ. जसीला जमालुद्दीन
791. डॉ. खुशाल गुप्ता
792. डॉ. हरिदास निशिगंधा सदाशिव
793. डॉ. सुनेत्रा रॉय

* 14 आवेदन अपूर्ण थे।

परिषद ने यह भी सिफारिश की कि सभी वांछित दस्तावेजों के साथ आवेदन पूर्ण होने के बाद शेष उम्मीदवारों को एमएनएएमएस प्रदान किया जा सकता है।

उम्मीदवारों की सूची जिन्हें सह सदस्यता प्रदान की गई - 2024

1. डॉ. संजीब मंडल
2. डॉ. मनोज पत्रुनी
3. डॉ. प्रदोष कुमार सारंगी
4. डॉ. आलोकित गुलाटी
5. डॉ. वेंकटेश कार्तिकेयन
6. डॉ. आनंद नीलकांतन
7. डॉ. अशिता अग्रवाल
8. डॉ. राधिका कपिल
9. डॉ. मीनाक्षी मीनू
10. डॉ. अनुज सिंह
11. डॉ. पंकज कुमार मिश्रा
12. डॉ. सत्यम अरोड़ा
13. डॉ. अभिषेक यादव
14. डॉ. आशीष अरबिन्द
15. डॉ. सिबा
16. डॉ. नीलम चंदवानी बजाज
17. डॉ. वरुण डोगरा
18. डॉ. मोहम्मद शानिल प.
19. डॉ. इप्सिता मिश्रा
20. डॉ. एलेंकी विनीश
21. डॉ. संजीव कुमार
22. डॉ. मसर्राफ हुसैन
23. डॉ. रंजना सिंह
24. डॉ. अनविता खेतान
25. डॉ. दिनेश कुमार अहिरवार
26. डॉ. मोहित भारद्वाज
27. डॉ. मनीष बाबूराव श्रीगिरिवार
28. डॉ. नंदिनी सिंह तंवर
29. डॉ. पीयूष कुमार राय
30. डॉ. अहमद नजमी
31. डॉ. अशोक विश्वनाथ
32. डॉ. अशोक शर्मा
33. डॉ. ऋषिराज अशोक कुमार सिन्हा
34. डॉ. कुंतल कुमार सिन्हा
35. डॉ. कार्तिका सी.
36. डॉ. हर्ष यादव
37. डॉ. प्रवीण बी.के.
38. डॉ. प्रद्युमन वर्मा
39. डॉ. रजनी वर्मा
40. डॉ. गौरव कुमार जैन
41. डॉ. चंद्रेश जैसवारा
42. डॉ. नीरज कुमार धीमन
43. डॉ. गोविंद मधु
44. डॉ. सिद्धार्थ दत्ता
45. डॉ. वेंकटेश नथिया
46. डॉ. अभिषेक गुप्ता
47. डॉ. हर्षिता रानी
48. डॉ. दिव्या पी. कुमार
49. डॉ. अमनदीप कौर

31 मार्च, 2025 को अकादमी की सूची में अध्येताओं/ सदस्यों का सार

नैम्स परिवार	**कुल संख्या**
मानद अध्येता	5
अध्येता (एफएएमएस)	1114
सदस्य (एमएएमएस)	2762
सह अध्येता (ए - एफएएमएस)	139
सदस्य (एमएनएएमएस)	11121
कुल	**15141**

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के वर्ष वृत्तांत (एनल्स) का प्रकाशन

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) के वर्ष वृत्तांत, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में नैम्स (राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)) की आधिकारिक पत्रिका, 60 वर्ष पूर्व अपनी स्थापना के बाद से ही भारत की जैव चिकित्सा अनुसंधान बिरादरी की सेवा कर रहे हैं।

वर्ष 2016 में नैम्स ने डिजिटल परिवर्तन के लिए जाने का निर्णय किया और एएनएएमएस को अपनी ऑनलाइन उपस्थिति मिली। तब से, पत्रिका उत्तरोत्तर बढ़ रही है और इसने बहु-अनुशासनात्मक प्रारूप में उच्च गुणवत्ता वाले लेख प्रकाशित किए हैं। वर्ष 2024 पत्रिका का 60वां खंड है और इसे जनवरी-फरवरी 2024 अंक से शुरू होकर एक नए चेहरे और अपील के साथ प्रस्तुत किया गया था।

पत्रिका की नई वेबसाइट **https://editorialassist.com/#/login/ANAMS** है, जबकि पत्रिका की नई प्रविष्टी साइट **https://editorialassist.com/#/login/ANAMS है।**

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) के वर्ष वृत्तांत सभी सूचकांकों में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ गत वर्षों से उत्तरोत्तर विकसित हो रहे हैं।

सहकर्मी-समीक्षा समय:

पांडुलिपियों की सहकर्मी-समीक्षा का समय पिछले वर्षों में 164 से घटकर 99.5 दिन हो गया है, जो संपादकीय टीम की दक्षता को दर्शाता है।

• Peer review stats 2024

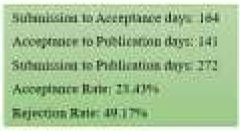

• Peer review stats 2025

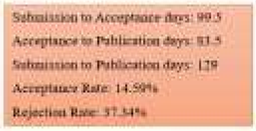

• Submission trend since Sept 2024 till Sept 2025

प्रकाशन की स्वीकृति के लिए प्रतिवर्तन समय भी 141 दिनों से काफी कम हो कर 83.5 दिनों तक हो गया है, समग्र प्रभाव के परिणामस्वरूप प्रकाशन समय 272 से घटकर 129 दिन हो गया। यह प्रविष्टी से प्रकाशन तक के कुल समय में 53% की कमी है।

दृश्यता-परास:

डाउनलोड: 2024 की तुलना में, 2025 में अब तक, पत्रिका के 32,77,563 अधिक डाउनलोड हैं! डाउनलोड और परिणामी दृश्यता के मामले में कुल मिलाकर 57% की वृद्धि दिखा रहा है।

उद्धरण: जनवरी, 2024 से अब तक, पत्रिका की वेबसाइट हिट 55000 हैं, 395 प्रकाशित पांडुलिपियों में कुल 348 उद्धरण प्राप्त हुए हैं; प्रति वर्ष औसत उद्धरण 38.67 है, अर्थात प्रति पांडुलिपि औसत उद्धरण 0.88 है।

प्रविष्टी और निर्णय: 2024 में, पत्रिका को 303 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं, जिनमें से 71 स्वीकार कर ली गईं और 149 को 23% स्वीकृति दर के साथ अस्वीकार कर दिया गया।

2025 में अभी तक, पत्रिका को 233 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 34 स्वीकार कर ली गईं और 87 अस्वीकार कर दी गईं और स्वीकृति दर 14% है।

कम स्वीकृति दर सराहनीय है, पत्रिका की समग्र प्रतिष्ठा में महत्वपूर्ण रूप से वृद्धि करती है, और एक मानक स्थापित करती है कि **अकादमी का वर्ष वृत्तांत** केवल उच्च-गुणवत्ता वाली सामग्री स्वीकार करता है।

अंक प्रकाशन आंकड़े:

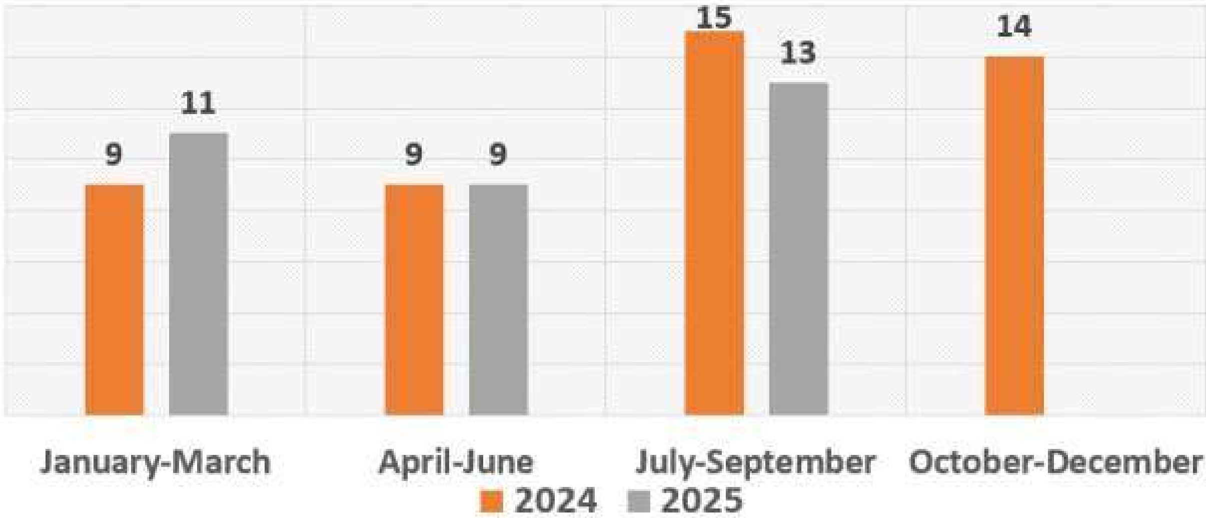

वर्ष	2021	2022	2023	2024	2025
प्रति खंड प्रकाशित पृष्ठों की संख्या	248	229	236	356	309*

* 2025 के 3 अंकों में प्रकाशित पृष्ठों की संख्या; 4वां अंक प्रकाशनाधीन है।

हम नियमित रूप से प्रति अंक 100 से अधिक पृष्ठों को प्रकाशित कर रहे हैं। 2024 में, हमने चार अंकों में 356 पृष्ठ प्रकाशित किए थे, जबकि 2025 में तीन अंकों में 309 पृष्ठ प्रकाशित किए गए थे।

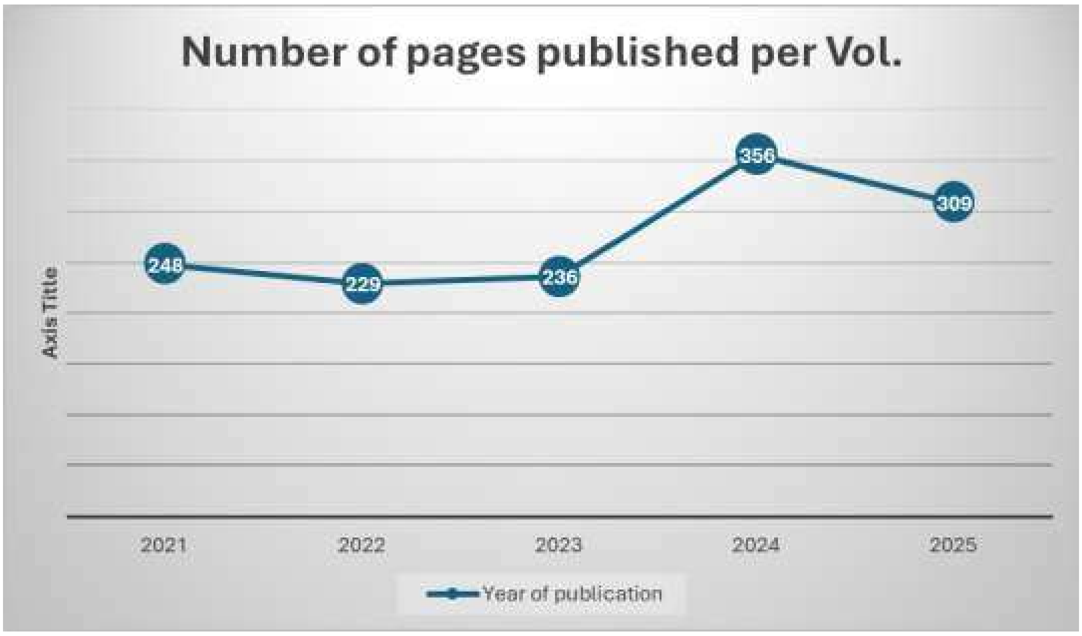

प्रकाशित कार्य दल रिपोर्ट:

विभिन्न अंकों में कुल प्रकाशित कार्य दल रिपोर्ट (संख्या = 9)

1. शिरा घनास्रता
2. अंग दान और प्रत्यारोपण
3. भारत में शराब, मादक द्रव्यों के सेवन के विकार और व्यवहार की लत
4. भारत में मोटापा और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां
5. भारत में स्वास्थ्य देखभाल के लिए साक्ष्य-आधारित पारंपरिक चिकित्सा
6. बंदूक की गोली और विस्फोट से घायल होने पर नैम्स - एएफएमएस संयुक्त कार्य बल
7. सर्वाइकल कैंसर पर कार्य दल की रिपोर्ट
8. एएफएमएस - नैम्स उच्च तुंगता
9. मानसिक तनाव पर कार्य दल की रिपोर्ट

आगामी अंकों में प्रकाशित की जाने वाली रिपोर्टें

1. मुंह के कैंसर पर कार्य दल की रिपोर्ट
2. रोगाणुरोधी प्रतिरोध
3. भारत में स्तन कैंसर
4. जनजातीय स्वास्थ्य पर नैम्स कार्य दल की रिपोर्ट
5. तंबाकू नियंत्रण पर नैम्स कार्य दल की रिपोर्ट
6. वेक्टर जनित रोगों पर नैम्स कार्य दल की रिपोर्ट
7. भारत में तंत्रिका नली दोषों (एनटीडी) की रोकथाम पर नैम्स कार्य दल की रिपोर्ट
8. भारत में क्षय रोग
9. स्वास्थ्य सेवा में कृत्रिम बुद्धिमता

हमारी वेबसाइट पर प्रकाशन पूर्व लेख (संख्या = 17):

1. कुष्ठ रोग के निदान में लसीका गांठ वायुप्रवाही की भूमिका
2. क्या हमें गैर-तपेदिक रोगियों में फ्लोरोक्विनोलोन का उपयोग बंद कर देना चाहिए? रिफैम्पिसिन-प्रतिरोधी फुफ्फुसीय तपेदिक के औषध प्रतिरोध प्रोफाइल का आकलन करने के लिए एक अध्ययन
3. ग्रामीण महिलाओं के बीच सर्वाइकल कैंसर की जांच के लिए ज्ञान और दृष्टिकोण को मान्य करना: एक रैश और कारक विश्लेषण दृष्टिकोण
4. चिकित्सीय गलत सूचना और दुष्प्रचार से लड़ना: भविष्य के लिए हस्तक्षेप के अवसर -एक महत्वपूर्ण समीक्षा
5. नैदानिक नमूनों से अलग ग्राम - नकारात्मक बैक्टीरिया में कार्बापेनेम एंटीबायोटिक दवाओं के लिए उभरते प्रतिरोध पर एक अध्ययन
6. "जठरीय जठरांत्र पीठिका अर्बुद का शल्य चिकित्सीय प्रबंधन: खुले और लेप्रोस्कोपिक शल्य

चिकित्सा के परिणामों की तुलना

7. ट्रिपल जेपार्डी: अंतहीन मूत्रवाहिनी पथरी, गंभीर हाइड्रोनफ्रोसिस के साथ मूत्रवाहिनी ट्यूमर
8. तंत्रिका विकास पर आयोडीन/ थायराइड हार्मोन की कमी के स्थानिक - अस्थायी प्रभाव और महत्वपूर्ण समय से परे प्रशंसनीय सुधार दृष्टिकोण
9. परिभाषित दैनिक खुराक, दवा उपयोग 90% और विश्व स्वास्थ्य संगठन दवा उपयोग संकेतकों का उपयोग करके अतिसंवेदना प्रतिरोधक औषधियों के दवा उपयोग पैटर्न का आकलन
10. आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत स्वास्थ्य लाभ पैकेजों का उपयोग पैटर्न
11. क्या इंजेक्टेबल प्लेटलेट बहुल फाइब्रिन इंट्राकैप्सुलर ऊरु गर्दन के फ्रैक्चर में उपचार को त्वरित करता है: एक प्रारंभिक अध्ययन
12. संबंधित कशेरुक शरीर के पूर्ववर्ती छाया मोटाई और एंटेरोपोस्टीरियर व्यास के अनुपात की सामान्य सीमाओं का अनुमान
13. "यकृत सिरोसिस वाले रोगियों में एसोफेजियल वैरिसेस के मार्कर के रूप में सीरम एल्ब्यूमिन अनुपात के लिए सही यकृत लोब व्यास का अध्ययन
14. अनुकूलित ओकुलर प्रोस्थेटिक पुनर्वास: आघात पश्च नेत्र दोष वाले रोगी में सौंदर्यशास्त्र को बहाल करने पर एक केस रिपोर्ट
15. अधिक वजन और मोटापे से ग्रस्त महिलाओं में कठिन वायुमार्ग के सूचकों के रूप में गर्दन की लंबाई और गर्दन की परिधि का सत्यापन
16. छोटे कदम, बड़ा प्रभाव: प्राप्त नमूनों की गुणवत्ता पर थूक संस्कृति प्रसंस्करण से पहले अनिवार्य थूक गुणवत्ता मूल्यांकन का प्रभाव
17. इचिथोसिस गर्भाशय के प्राथमिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में मेटास्टेटिक रोग

एओपी (नं. = 4) से पहले प्रकाशन के विभिन्न चरणों में पांडुलिपियां:

1. पांडुलिपि संख्या 232_2024 शीर्षक: तृतीयक देखभाल वातावरण में सर्वाइकल रीढ़ की हड्डी की चोट वाले रोगियों के लिए प्रारंभिक शल्य चिकित्सा के लिए बाधाएं - एक अवलोकन अध्ययन
2. पांडुलिपि संख्या 85_2025 शीर्षक: नैदानिक उत्कृष्टता से परे: नेतृत्व कौशल के साथ वरिष्ठ चिकित्सा संकाय को सशक्त बनाने की तत्काल आवश्यकता
3. पांडुलिपि संख्या 29_2025 शीर्षक: भारतीय अस्थिरोग का विकास और इसके अग्रदूतों की विरासत
4. पांडुलिपि संख्या 102_2024 शीर्षक: बाल चिकित्सा कैंसर में व्यापक आनुवंशिक परामर्श: चुनौतियों पर काबू पाना और मानक स्थापित करना

संपादकीय प्रक्रिया के विभिन्न चरण (संख्या = 35)

हमारे पास संपादकीय प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में 35 स्वीकृत पांडुलिपियां हैं।

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) का वर्ष वृत्तांत [एएनएएमएस] निरंतर प्रगति कर रहा है। नैम्स समुदाय के निरंतर विश्वास और समर्थन के साथ, हमारा लक्ष्य पत्रिका को राष्ट्रीय और वैश्विक मान्यता

में सबसे आगे रखना है। हम आपको उच्च गुणवत्ता वाले विज्ञान को आगे बढ़ाने के लिए लेखकों, समीक्षकों और संपादकों के रूप में हमारे साथ साझेदारी करने के लिए आमंत्रित करते हैं। साथ मिलकर, हम अधिक ऊंचाइयों तक पहुंच सकते हैं।

मृत्युलेख

अकादमी के निम्नलिखित विशिष्ट अध्येताओं/ सदस्यों की मृत्यु को गहन शोक की भावना के साथ दुखी हृदय से सूचित किया जाता है:

अध्येताः

1. डॉ. पेरूमलसामी नमपेरूमलसामी, एफएएमएस - 2000
2. डॉ. सुनील के. पांड्या, एफएएमएस - 1991
3. डॉ. गुरमुख सजनमल सैनानी, एफएएमएस - 1978
4. डॉ. संजीव वी. थॉमस, एफएएमएस - 2010

अनुलग्नक I

23 नवम्बर 2024 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर में 64वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में डॉ. शिव के. सरीन, अध्यक्ष, एनएएमएस द्वारा दिया गया अभिभाषण

मैं सर्वशक्तिमान परमेश्वर, अपने दिवंगत माता-पिता और अपने शिक्षकों को धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने मुझे इस ऐतिहासिक घटना को देखने में सक्षम बनाया। नैम्स को अति सौभाग्य प्राप्त है कि माननीय उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ जी ने 64वें वार्षिक दीक्षांत समारोह और सम्मेलन में भाग लिया है। एक प्रतिष्ठित वकील और एक मनमोहक मुस्कान, सादगी और विनम्रता के साथ दूरदर्शी, धनखड़ साहब को सभी प्रेम करते हैं। महोदय, इस कार्यक्रम को समायोजित करने के लिए मैं व्यक्तिगत रूप से आपका आभारी हूं। नैम्स को भी इस बात का सौभाग्य प्राप्त हुआ है कि श्रीमती धनखड़ हमारे साथ हैं। महोदया, भारत की महिला वैज्ञानिकों को अनुग्रह करने और सशक्त बनाने के लिए धन्यवाद। नैम्स को भारत सरकार की स्वास्थ्य सचिव महोदया पुण्य सलिला श्रीवास्तव का सानिध्य प्राप्त होने का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ है। हम स्टैनफोर्ड से पोस्ट डॉक्टरेट, भारतीय विज्ञान संस्थान में जीव विज्ञान के आचार्य डॉ. राजेश गोखले जी और जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव का भी स्वागत करते हैं। दोनों एक साथ विज्ञान और जीव विज्ञान का प्रतीक हैं, एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, और वे भारत में सह-अस्तित्व में हैं। भारत को संकर वैज्ञानिकों और संकर चिकित्सकों की आवश्यकता है। यह विषय आज के दीक्षांत समारोह में पर्याप्त रूप से परिलक्षित हुआ, जहां हमारे पास 54 नए अध्येता, 92 नए सदस्य, 19 सह अध्येता, 31 सह सदस्य और 460 एमएनएएमएस अकादमी में सम्मिलित किए गए हैं।

मैं राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के स्नातकोत्तर बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. विजय ओझा, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के अध्यक्ष प्रो अभिजात सेठ, विभिन्न अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों के निदेशकों, राजस्थान की प्रधान स्वास्थ्य सचिव मैडम गायत्री का भी स्वागत करता हूं। हम इस दीक्षांत समारोह में एम्स, जोधपुर के अध्यक्ष और संकाय सदस्यों, नवनिर्वाचित अध्येताओं, सदस्यों और उनके परिवार के सदस्यों का भी स्वागत करते हैं। आप सभी का स्वागत है।

हमारे योग्य परिषद सदस्यों और हमारे निर्वाचित अध्यक्ष प्रो. दिगंबर बेहरा की ओर से, मुझे आपको यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि अब हमारे पास 1064 अध्येता, 2670 सदस्य, डीएनबीई द्वारा 10328 एमएनएएमएस, 120 सह सदस्य हैं। हमने प्रवासी भारतीयों, एनआरआई के लिए अंतर्राष्ट्रीय अध्येतावृति और सदस्यता प्रारंभ की है और इस वर्ष के लिए हमारे द्वारा 9 अंतर्राष्ट्रीय अध्येतावृति और 1 अंतर्राष्ट्रीय सदस्यता स्वीकार की गई है।

महोदय, 2022 में, जब मुझे इस परिषद का नेतृत्व करने का सौभाग्य मिला, तो हमने परिषद के साथ मिलकर नैम्स विजन-2030 विकसित किया। मैं पिछले तीन वर्षों में अकादमी की प्रमुख गतिविधियों के

बारे में संक्षेप में बताऊंगा।

हमने नीति निर्माताओं के लिए नीति दस्तावेज तैयार किए, नैम्स ने स्वास्थ्य की नीतियों में महत्वपूर्ण बिंदुओं को शामिल करने पर विचार करने के लिए भारत सरकार को सहायता प्रदान करने के लिए नीति दस्तावेज तैयार करने के लिए प्रख्यात चिकित्सा पेशेवरों के 28 कार्य दलों का गठन किया। मैं आशा करता हूं कि मैडम पुण्या के नेतृत्व में इन्हें स्वीकार किया जाएगा और इन्हें महत्व भी दिया जाएगा। पिछले तीन वर्षों में, हमने 115 संस्थानों में, उच्च गुणवत्ता वाले सीएमई, संगोष्ठी और कार्यशालाएं की हैं। हमने देश में स्नातकोत्तर छात्रों की सहायता के लिए जनवरी 2023 में नेविगेट मेडिको सीएमई नामक एक राष्ट्रीय आभासी सीएमई शुरू किया। अब तक, 41 सत्र पूर्ण हो चुके हैं। हमने सितंबर 2023 में एम्स, नई दिल्ली के साथ, एम्स-नैम्स नेविगेट मेडिको सीएमई भी प्रारंभ की। एम्स के निदेशक डॉ. एम. श्रीनिवास को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद। इन सीएमई में भाग लेने वाले कई शिक्षकों ने स्वेच्छा से संरक्षक बनने और छात्रों का मार्गदर्शन करने के लिए उनका हाथ पकड़ने के लिए अपना समय दिया है।

महोदय, हमने संस्थानों के निदेशकों, संकायाध्यक्षों और अध्यक्षों के लिए पहली बार नेतृत्व कार्यशालाओं नामक एक नेतृत्व विकास कार्यक्रम शुरू किया है। हमने 3 नेतृत्व कार्यक्रम पूरे किए हैं और अखिल भारतीय संस्थानों, मेडिकल कॉलेजों, राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों और कई मेडिकल कॉलेजों के 76 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया है। मैं अध्येताओं को अगले नेतृत्व कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए भी प्रोत्साहित करता हूं।

महोदय, सीखने की विधियों में परिवर्तन को देखते हुए, नैम्स ने अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद (आईआईआईटी-एच) के साथ सहयोग किया और स्वास्थ्य में कृत्रिम बुद्धिमता पर स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए इस वर्ष सितंबर से एक ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स आरंभ किया।
डॉ. अभय करण, सचिव, डीएसटी और प्रो. पी. जे. नारायण, निदेशक, आईआईआईटी-एच को धन्यवाद। अब, 142 चिकित्सक एआई पेशेवरों में परिवर्तित हो गए हैं। हमारा अगला पाठ्यक्रम जनवरी, 2025 में आरंभ होगा और आप नामांकन कर सकते हैं। डॉ. अशोक गुप्ता द्वारा बॉम्बे में आयोजित मध्यावधि सम्मेलन भी एआई को चिकित्सा पाठ्यक्रम की मुख्यधारा में लाया।

जैव सांख्यिकी की आवश्यकता प्रत्येक एमडी, डीएम, एमसीएच छात्र को होती है, और 700 से अधिक मेडिकल कॉलेजों के साथ, जैव सांख्यिकीविदों की कमी है। महोदय, आईसीएमआर की सहायता से एक राष्ट्रीय जैव सांख्यिकी हेल्पलाइन आरंभ की गई थी और मुझे यह कहते हुए बहुत प्रसन्नता हो रही है कि आईसीएमआर के महानिदेशक ने इस हेल्पलाइन को आरंभ किया है।

नैम्स चिकित्सा में महिलाओं को भी मान्यता देता है और हमारे पास इसे एक वार्षिक कार्यक्रम के रूप में मनाया जाता है। हम बहुत नेटवर्किंग करते हैं और सभी मेडिकल कॉलेज दो बार राष्ट्रीय अकादमी से जुड़ जाते हैं। युवाओं को जोड़ने के लिए, हमने राष्ट्रीय चिकित्सा प्रश्नोत्तरी आरंभ की है। देश के 23 राज्यों के 62 मेडिकल कॉलेजों में नैम्स सेल स्थापित किए गए हैं।

परिषद के सदस्यों, पूर्व अध्यक्षों और हमारे निर्वाचित अध्यक्ष की ओर से, मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं डॉ. जी. डी. पुरी के नेतृत्व में आयोजन मंडल का बहुत आभारी हूं, और मुझे आशा है कि नैम्स बढ़ेगा, और आपका यहां आना एक बड़ा आशीर्वाद है।

धन्यवाद और इस दीक्षांत समारोह में आपका स्वागत है।

(डॉ. शिव के. सरीन)
अध्यक्ष, नैम्स

23 नवम्बर 2024 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर में 64वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि माननीय भारत के उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ द्वारा दिया गया अभिभाषण

आप सभी को शुभ संध्या,

डॉ. शिव सरीन, अध्यक्ष, नैम्स, मैं उन्हें जानता हूं, वे अपने मिशन के बारे में बहुत भावुक हैं, और वह है- 'स्वास्थ्य'। यह मेरा सौभाग्य था कि मैं इस अवसर पर सन सिटी जोधपुर और विशेष रूप से एम्स जोधपुर में आने के अनुरोध पर सहमत हो गया, ताकि मैं उन पेशेवरों के साथ बातचीत कर पाऊँ और अपने विचार साझा कर सकूँ जो समाज और मानवता के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

भारत सरकार की स्वास्थ्य और परिवार कल्याण सचिव डॉ. पुण्या सलिला श्रीवास्तव की उपस्थिति इस बात का संकेत है कि सरकार इस महत्वपूर्ण क्षेत्र पर कितना ध्यान दे रही है।

भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव डॉ. राजेश सुधीर गोखले की उपस्थिति भी शासन में हुए एक बड़े परिवर्तन का संकेत देती है। डॉ. जी डी पुरी, हम आपके अतिथि हैं, हम सभी के लिए इसे पूरी तरह से सुविधाजनक बनाने के लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद दिया जा रहा है।

निर्वाचित अध्यक्ष डॉ. दिगंबर बेहरा, और मुझे विश्वास है कि उनके लिए अगले तीन वर्ष बहुत चुनौतीपूर्ण होंगे और वे इस संस्थान और इसके मिशन को वृद्धिशील प्रक्षेपवक्र पर ले जाएंगे और घातीय मोड में होने के लिए अगले व्यक्ति को बैटन सौंपेंगे।

श्रोताओं में से प्रतिष्ठित व्यक्ति, अध्येता, सदस्य, सह सदस्य और विशिष्ट दर्शकगण, मेरे लिए, 64वें दीक्षांत समारोह और नैम्सकॉन 2024 से जुड़ना एक परम सम्मान की बात है और इसका एक समकालीन रूप से प्रासंगिक विषय है- "एक स्वास्थ्य, आइए हम अपने स्वास्थ्य की देखभाल के लिए सहयोग करें"।

साथियो, जब मैं यहां आया था, तो मुझे इस महान संस्थान के प्रतिष्ठित अध्येताओं की सूची देखने का अवसर मिला, जिसमें भारत के राष्ट्रपति डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम और हमारे अपने राज्य राजस्थान से डॉ. के. सी. गंगवाल, डॉ. एस. आर. धारकर, डॉ. गौतम शिव कुमार शर्मा और डॉ. शीतल राज मेहता शामिल हैं। इस कारण से, मुझे उन्हें व्यक्तिगत रूप से जानने और उनके परामर्श से लाभ प्राप्त करने का अवसर मिला।

विशिष्ट श्रोतागण, मैं सैनी स्कूल, चित्तौड़गढ़ के पूर्व छात्र, डॉ. सिद्धार्थ देव मानव की सराहना करने का

अवसर प्राप्त करना चाहता हूं, जिन्होंने अध्ययन और अनुसंधान के लिए इस संस्थान को अपना मृत शरीर दान कर दिया। साथियो, अभी कुछ माह पूर्व जयपुर में जैन सामाजिक समूह, केन्द्रीय संस्थान जयपुर और दधिती देहदान समिति, दिल्ली द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में मैंने संकेत दिया था कि अंगदान मानव स्वभाव का सर्वोच्च नैतिक उदाहरण है और नागरिकों को इसके लिए सचेत प्रयास करने चाहिए। हमें अंगदान को बढ़ावा देने की जरूरत है। यह उन लोगों को जीवन देता है जो जीवन की आशा खो देते हैं और इसलिए, मैंने यह पहचानना उचित समझा कि डॉ. सिद्धार्थ देव मानव द्वारा क्या किया गया है।

नए शामिल किए गए साथियों के लिए, आप भारत के चिकित्सा दिग्गजों में से एक हैं। यह अध्येतावृति सावधानीपूर्वक सहकर्मी समीक्षा पर आधारित है और सहकर्मी समीक्षा मित्रों के माध्यम से सबसे कठिन है क्योंकि यह वस्तुनिष्ठ है। इसे अपनी मंजिल नहीं अपितु मानवता की सेवा की अपनी यात्रा में एक मील का पत्थर मानें।

मित्रों, आइए इस समय हम अपने भारत को वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें। तेजी से आर्थिक उछाल आया है। मेरी पीढ़ी ने कभी इसके बारे में सपने में भी नहीं देखा, कभी इसकी कल्पना नहीं की, कभी इसके बारे में नहीं सोचा कि यह संभव होगा। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में हम तेजी से आर्थिक वृद्धि कर रहे हैं और बुनियादी ढांचे में अभूतपूर्व वृद्धि कर रहे हैं। इसने भारत को पांच बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में शामिल कर दिया है, जो अगले एक या दो साल में जापान और जर्मनी से आगे तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। और इससे देश में आशा और संभावना का वातावरण उत्पन्न हुआ है। हमारी आकांक्षाओं ने पंख लगाए हैं और हमने मिलकर एक कार्यक्रम तैयार किया है कि हमारा भारत 2047 में एक विकसित भारत होगा। लेकिन मित्रों, इस आकांक्षात्मक वस्तु, बहुत महत्वाकांक्षी, के लिए हमारी प्रति व्यक्ति आय में आठ गुना वृद्धि की आवश्यकता है। और यह मुझे उस वस्तु की ओर ले जाता है जो आपकी रुचि की है। यह तभी प्राप्त किया जा सकता है जब हमारी जनसंख्या स्वस्थ और फिट हो। कोई व्यक्ति प्रतिबद्ध, ईमानदार, बुद्धिमान, प्रतिभाशाली, समर्पित हो सकता है, लेकिन यदि वह व्यक्ति शारीरिक रूप से स्वस्थ नहीं है, तो अपने समर्पण और विशेषज्ञता के साथ बड़े पैमाने पर समाज की सहायता करने के स्थान पर, वह सहायता मांगेगा। और इसलिए देश में हर कोई स्वस्थ रहे, ये बहुत आवश्यक है। 2047 में हमारे गंतव्य, भारत, एक विकसित राष्ट्र में हमारी यात्रा को फलीभूत करने के लिए यही एकमात्र पासवर्ड है, स्वास्थ्य सर्वोपरि और प्राथमिक चिंता का विषय है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य न केवल व्यक्तियों के लिए, न कि हमारी गतिविधियों के लिए, बल्कि समाज के अच्छे स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक है। मोटे तौर पर, यह भी आपकी बात है।

साथियों, अच्छा स्वास्थ्य होना सीधे तौर पर आपकी उत्पादकता से संबद्ध है, जैसा मैंने कहा। यदि आप स्वस्थ नहीं हैं, तो आपकी उत्पादकता इष्टतम नहीं होगी। वास्तव में, यह अधोगामी हो सकता है। दूसरों की सहायता करने के स्थान पर, आप दूसरों की सहायता मांग सकते हैं। हमारे ऋषि मुनि कह गये, और वो सही बात कह गए- "पहला सुख निरोगी काया"। वे बाकी सभी वस्तुओं से पूर्व स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हैं। स्वास्थ्य, स्वस्थ होना समाज में योगदान देने के लिए मौलिक और सर्वोत्कृष्ट है। स्वास्थ्य केवल रोग का अभाव नहीं है, बल्कि समग्र कल्याण की स्थिति है। हमारे वेद, हमारे पुराण, हमारे उपनिषद,

एक खदान हैं, ज्ञान और बुद्धिमता की सोने की खान हैं। हमें उन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। यह उनसे निकलता है। मैं उद्धृत करता हूं- "प्रसन्न, इंद्रिए, मनुष्य, आत्मा, मन, शरीर और आत्मा के बीच सामंजस्य, जो एक व्यक्ति के कार्य करने और एक पूर्ण व्यक्ति बनने के लिए आवश्यक है"।

यह भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता थी कि जब उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया तो वह कम से कम समय में राष्ट्रों का सबसे बड़ा समर्थन या योग प्राप्त कर सके। अब हमारे पास अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस है जो विश्व के कोने-कोने में मनाया जाता है। योग केवल उस कार्यक्रम के लिए नहीं है, यह हमारे साथ जीवन जीने का तरीका होना चाहिए।

साथियों, चिकित्सा पेशेवर अभिभावक के रूप में काम करते हैं। और उनकी भूमिका भारत में और भी महत्वपूर्ण है, जो मानवता के छठे हिस्से का घर है। आपकी चिंता नैदानिक देखभाल से परे होनी चाहिए। आपको अच्छे स्वास्थ्य की वकालत में संलग्न होना होगा। आपको शिक्षक और सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिवक्ता बनना होगा।

लेकिन अब स्वास्थ्य सेवा में चुनौतियां हैं। और चुनौतियां व्यावसायीकरण और नैतिकता कमजोर पड़ने की हैं, जिन्हें संबोधित करने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य सेवा एक दैवीय योगदान है। स्वास्थ्य सेवा ही सेवा है। स्वास्थ्य सेवा को वाणिज्य से बहुत दूर होना चाहिए। और स्वास्थ्य सेवा शोषण के विपरीत है।

कुल मिलाकर, हमारी व्यवस्था का स्वास्थ्य अच्छा है। लेकिन हम आज की तारीख तक यह नहीं कह सकते हैं कि वाणिज्यीकरण और नैतिक रूप से कमजोर पड़ने के मामले नहीं हैं। आपकी तरह के निकाय, आप सभी आचार संहिता हैं और कार्रवाई से उदाहरण देते हैं कि इन जुड़वा बच्चों पर कोई भी उल्लंघन नियामक के क्रोध को आकर्षित करेगा।

नैम्स एक महान उद्देश्य को पूरा करता है। यह भारत की स्वास्थ्य सेवा योजना में महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रशंसा का पात्र है। उनके साक्ष्य-आधारित मार्गदर्शन ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीतियों, चिकित्सा शिक्षा सुधारों और सार्वजनिक स्वास्थ्य रणनीतियों को महत्वपूर्ण रूप से आकार दिया है। हम सभी जानते हैं कि हमारे जैसे देश में नीति नियोजन एक बहुत ही कठिन काम है। हमारे पास विश्वसनीय आंकड़े होने चाहिए। हमें विचार प्रक्रिया की आवश्यकता है। हमें ऐसी स्थिति में आने की आवश्यकता है जहां विशेषज्ञ अपने दिमाग को लागू करें। इस निकाय ने आश्चर्यजनक रूप से सराहनीय कुछ किया है। जानकारी मेरे पास कई तिमाहियों से आई है। इस निकाई को बधाई।

मित्रों, रणनीतिक सुधारों और डिजिटल नवाचार ने भारत के स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य को परिवर्तित कर दिया है। लेकिन मैं कहूंगा कि अब एक आदर्श परिवर्तन आया है। हम एक और औद्योगिक क्रांति देख रहे हैं। जीवन के हर क्षेत्र में विघटनकारी प्रौद्योगिकियों ने मार्गों को बनाया है। कृत्रिम बुद्धिमता, आंकड़े विश्लेषण, मशीन लर्निंग, ब्लॉकचेन चेन और इसी प्रकार। इन्हें व्यवस्था में लाने की क्षमता का पता लगाना होगा। और यह तभी किया जा सकता है जब इस तरह की संस्थाएं अपनी पूर्ण क्षमता से

कार्य में लीन हों। मैं यह देखकर बहुत प्रसन्न था जब अध्यक्ष सूचित कर रहे थे कि वे अग्रणी संस्थानों की विचार प्रक्रियाओं का अभिसरण कैसे कर रहे हैं जो आवश्यक है। हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि प्राचीन भारत में एक समय था, जब हमारे पास नालंदा, तक्षशिला जैसे प्रतिष्ठित संस्थान थे। दुनिया भर से लोग ज्ञान, जानकारी की खोज में इस देश में आए। इस प्रक्रिया में हमें भी लाभ हुआ, उन्हें भी लाभ हुआ। समय आ गया है और भारत आगे बढ़ रहा है। वृद्धि अजेय है। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे संस्थान वैश्विक स्तर पर उस प्रतिष्ठित श्रेणी में आएं। और इसके लिए मानसिकता में बदलाव की आवश्यकता है जो वास्तव में बड़े पैमाने पर हुई है। एक समय था जब हम सोचते थे कि पश्चिम से कुछ भी आ रहा है, हमें जांच करने की जरूरत नहीं है, हमें अनुसरण करना होगा। वह अब यह प्रचलन में नहीं है।

साथियों, इस देश में बड़े बदलाव हुए हैं। 1.4 अरब लोगों के समय में एक देश; आयुष्मान भारत, पीएमजेएवाई, आरोग्य योजना, वे लगभग सभी को 5 लाख, 104 मिलियन परिवारों तक कवरेज प्रदान करते हैं। भारत एक ऐसा राष्ट्र है जिसने हाल के दिनों में वह प्राप्त कर लिया है जो दूसरों के लिए खगोलीय है। बैंकिंग क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी कवायद में 500 मिलियन भारतीयों को शामिल किया गया। आप सोचिए, जरूरतमंद महिलाओं को 15 या 17 करोड़ तक रसोई गैस मुफ्त दी गई। तो हमारा देश एक ऐसा देश है जहां हमारे पास एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र होना चाहिए जिसे विशाल स्तर पर काम करना हो। और वह किया गया है। हमारे आरोग्य मंदिर ज्यामितीय रूप से बढ़ रहे हैं। हमारे पास एम्स, मेडिकल कॉलेज, चिकित्सा शिक्षा के लिए सीटों की संख्या, पैरामेडिकल पाठ्यक्रम हैं। आयुष्मान भारत की एक शाखा यह है कि बहुत आवश्यक विकास पैरामेडिकल सेवाओं में हुआ है। इस स्थिति में, भारत की स्वास्थ्य सेवा अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों के माध्यम से विज्ञान प्रदान करती है। हम दुनिया का एकमात्र देश हैं जहां 130 अरब नागरिकों को कोविड वैक्सीन दी गई है। स्वदेशी कोविड टीकों के साथ, दुनिया की फार्मेसी के रूप में प्रतिष्ठा अर्जित कर रहा है। हम अन्य देशों की भी सहायता करते हैं। और इससे भी ज्यादा आश्चर्यजनक दोस्तों, हम सभी के लिए प्रसन्नता की बात है। एक प्रमाण पत्र कि एक व्यक्ति को टीका लगाया गया है, कभी भी कागज पर नहीं दिया गया था। यह डिजिटल था। यह त्वरित था। एक ऐसी उपलब्धि जो सबसे विकसित राष्ट्र ने भी हासिल नहीं की है। अब हम दुनिया की फार्मेसी के रूप में जाने जाते हैं।

लेकिन अब एक अलग परिवर्तन का समय आ गया है। हमें स्थानीय रूप से निर्मित चिकित्सा उपकरणों को शामिल करना चाहिए और दृढ़ता से चैंपियन बनना चाहिए। आइए हम इस मिथक को ध्वस्त करें कि आयातित वस्तुएं बेहतर हैं। अब और नहीं। इस मंच के माध्यम से, मैं भारतीय उद्योग, व्यापार, व्यापार और वाणिज्य से देश में चिकित्सा उपकरण बनाने की गतिविधियों में शामिल होने का आग्रह करूंगा; राष्ट्र के लिए; विश्व के लिए भी। लेकिन इसके लिए फिर से आवश्यकता होगी, यहां पहली पंक्ति के लोगों, मंच पर मौजूद लोगों, आपके संस्थानों द्वारा हर प्रकार की सहायता की आवश्यकता होगी।

दूसरा पहलू, विश्व के किसी भी भाग में जाएं, जिस प्रकार की गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सहायता भारत प्रदान

करता है, वह कहीं और उपलब्ध नहीं है। इसने भारत को इलाज के लिए यहां आने वाले लोगों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बना दिया है। इसने एक नया रूप भी लिया है- "मेडिकल टूरिज्म"। यदि मैं आपको आंकडे दूं तो इस वर्ष 73 मिलियन चिकित्सा पर्यटक इस देश में आए। यह पसंदीदा गंतव्य था, क्यों? क्योंकि हमारे पास सक्षम मानव संसाधन हैं, हमारे पास सहायक अवसंरचना है, हमारे पास सार्वजनिक क्षेत्र में, निजी क्षेत्र में विश्व स्तरीय अस्पताल हैं। लेकिन हमारे पास यह और अधिक होना चाहिए। जैसा कि भारत आत्मविश्वास के साथ विकसित भारत की ओर बढ़ रहा है, एक मैराथन मार्च, हम सभी पैदल सैनिक हैं। इसके लिए यह आवश्यक है कि हमारे स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे, उपकरणों और उच्चतम वैश्विक मानकों पर ले जाने के लिए दृढ़ सार्वजनिक - निजी भागीदारी होनी चाहिए।

मित्रों, मैं दृढ़ता से वकालत करता हूं और आग्रह करता हूं कि भारत को स्वास्थ्य सेवा प्रौद्योगिकी क्रांति का नेतृत्व करना चाहिए, जैसा कि मैंने कहा, कृत्रिम बुद्धिमता, आनुवंशिकी और जैव प्रौद्योगिकी को अपनाना चाहिए। मैंने संकेत दिया कि आधुनिक उपकरणों के साथ, हम एआई निदान, टेलीमेडिसिन और रोबोटिक सर्जरी में लगे हुए हैं, जो आवश्यक हो गए हैं और मजबूत सरकारी समर्थन द्वारा समर्थित, हमारा चिकित्सा क्षेत्र अभूतपूर्व परिवर्तन के लिए तैयार है। मुझे जयपुर के एक अस्पताल में उपस्थित होने का अच्छा अवसर मिला, जहां एक युवा शल्य चिकित्सक द्वारा रोबोटिक्स का उपयोग करके एक ऑपरेशन किया गया था और इस घटना को विश्व स्तर पर, विशेष रूप से विकसित देशों में देखा गया था।

साथियो, हमारा लक्ष्य होना चाहिए- रोकथाम, सावधानी और उन्मूलन। यह जानकर बहुत शांति मिली कि स्वास्थ्य मंत्री ने कल घोषित किया कि 2025 तक टीबी का उन्मुलन पूर्ण रूप से हो जाएगा। और इस देश ने कुछ रोगों के संबंध में अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। इसलिए मैं स्वास्थ्य विशेषज्ञों से निवारक कल्याण और स्वास्थ्य शिक्षा के लिए चैंपियन बनने की पुरजोर वकालत करता हूं और अनुरोध करता हूं।

अब एक और पहलू है, हमारी पारंपरिक दवाएं प्रभावकारिता के लिए जानी जाती हैं। इसलिए, आइए इसे अपनाएं। आखिरकार, इस देश ने हर गांव में दाइयों को उल्लेखनीय रूप से अच्छा काम करते देखा है और इसलिए, जब हमारी इतनी समृद्ध पृष्ठभूमि है, तो हमें इसका मुद्रीकरण करना चाहिए। इन पारंपरिक प्रणालियों में निहित ज्ञान गहरा है और अब यह पूरे देश में है। विश्व भर से लोग इस देश में आ रहे हैं। वे हमारे हमारे स्वास्थ्य रिसोर्ट में योग उपचार प्राप्त करने के लिए आ रहे हैं। यदि उन्हें कोई रोग नहीं है और वे फिट होना चाहते हैं, तो वे एक कोर्स के लिए जाते हैं। ऐसा होने पर, हमें इसे भी भारतीय स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली का एक महत्वपूर्ण बुनियादी आधार बनाना चाहिए। इसे एकीकृत किया जाना चाहिए क्योंकि यह हमारी विरासत से निकला है। इसके लिए अनुसंधान और परिप्रेक्ष्य में मौलिक परिवर्तन दोनों की आवश्यकता है। तेजी से द्वंद्व से परे आगे बढ़ते हुए, जो प्राचीन के साथ पिछड़े और प्रगति के साथ पश्चिमी को समकक्ष मानता है, यह अभी भी कुछ अवसरों पर करता है। मैंने इसे अनुभव किया है, हालांकि यह तेजी से कम हो रहा है। लेकिन अब हमें इसका उल्टा करना होगा।

मित्रों, स्वास्थ्य सेवा उत्कृष्टता के प्रति आपका समर्पण न केवल भारत के भविष्य को आकार देगा, बल्कि यह बड़े पैमाने पर मानवता के कल्याण में भी योगदान देगा क्योंकि "वसुधैव कुटुम्बकम" - हम दुनिया को एक परिवार के रूप में लेते हैं। एक ग्रह, एक परिवार, एक भविष्य, यही विश्व के लिए हमारा संदेश रहा है।

एक बार फिर, राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के सभी अध्येताओं और सदस्यों को मेरी बहुत-बहुत बधाई। राष्ट्रपति की अनुमति से, मैं परिषद के सदस्यों और अध्येताओं को भी भारतीय संसद के नए भवन में अपने अतिथि के रूप में आमंत्रित कर रहा हूं। आपको यह देखना अच्छा लगेगा कि हमारा संसद का नया भवन कितना भव्य है। इसलिए मुझे विश्वास है कि मेरा निमंत्रण स्वीकार कर लिया जाएगा, और जल्द ही मुझे आपके अध्तेता और संकाय मिलने के लिए आएंगे।

मित्रों, विशिष्ट दर्शकों, उत्कृष्टता की आपकी खोज एक स्वस्थ, अधिक समृद्ध भारत की दिशा में मार्ग प्रशस्त करती रहे। आइए हम राष्ट्र और ग्रह के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

बहुत - बहुत धन्यवाद।

ख. अकादमी की शैक्षिक रिपोर्ट

नैम्स सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम

01 अप्रैल, 2024 से 31 मार्च, 2025 के दौरान अकादमी के सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यकलापों की रिपोर्ट

सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम समिति के निम्नलिखित सदस्य हैं:

1.	डॉ. दिगम्बर बेहेरा	-	सदस्य
2.	डॉ. वाई. के. चावला	-	सदस्य
3.	डॉ. एम. आर. जैन	-	सदस्य
4.	डॉ. वी. मोहन	-	सदस्य
5.	डॉ. के. श्रीनाथ रेड्डी	-	सदस्य
6.	डॉ. मिताली चटर्जी	-	सदस्य
7.	डॉ. अरूण जामकार	-	सदस्य

बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमः नैम्स द्‌वारा निधिपोषित सीएमई कार्यक्रमों की गुणवत्ता और विषय-वस्तु में सुधार करने के लिए निधिपोषण हेतु प्राप्त प्रस्तावों की सबसे पहले एक विषय विशेषज्ञ, जो नैम्स के अध्येता भी हैं, द्‌वारा तकनीकी रूप से समीक्षा की जाती है। विषय विशेषज्ञों द्‌वारा प्रस्तावों का मूल्यांकन किया जाता है और कार्यक्रम की विषय-वस्तु में अगर कोई खामियाँ हैं तो उनकी पहचान की जाती है। समीक्षकों द्‌वारा कार्यक्रम में समामेलित किए जाने वाले संशोधनों/ आशोधनों का भी सुझाव दिया जाता है। सुझाए गए संशोधनों/ आशोधनों के बारे में आयोजकों को सूचित किया जाता है और केवल सीएमई वैज्ञानिक कार्यक्रमों को संशोधित करने के बाद ही सीएमई प्रस्तावों को सहायता अनुदान के लिए संसाधित किया जाता है।

अकादमी के एक अध्येता को सीएमई कार्यक्रमों में भाग लेने और उनका मूल्यांकन करने के लिए पर्यवेक्षक के रूप में नामोदिष्ट किया जाता है। अकादमी सीएमई कार्यक्रमों में भाग लेने, समीक्षा करने और रिपोर्ट देने के लिए पर्यवेक्षकों के रूप में नामित अध्येताओं को यात्रा भत्ता/ दैनिक भत्ता और मानदेय प्रदान कर रही है।

बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों के अंतर्गत नैम्स द्‌वारा समर्थित गोष्ठियों, संगोष्ठियों, अल्पकालिक पाठ्यक्रमों, और कार्यशालाओं का विवरण नीचे दिया गया हैः

1. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"वृद्‌धावस्था स्वास्थ्य पर कार्यशाला"** 19 अप्रैल 2024 को एरा यूनिवर्सिटी, लखनऊ में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. प्रभा श्रीवास्तव, आचार्य और अध्यक्ष, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, एरा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, एरा विश्वविद्यालय, लखनऊ।

2. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"राष्ट्रीय प्रशिक्षण परियोजना प्रायोगिक बाल रोग"** 27 अप्रैल 2024 को एनएससीबी मेडिकल कॉलेज, जबलपुर में का आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. श्वेता पाठक, सह आचार्य, एनएससीबी मेडिकल कॉलेज, जबलपुर।

3. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"ऊपरी वायु पाचन मार्ग अद्यतन - 2024"** 27 अप्रैल 2024 को एस.एन. मेडिकल कॉलेज, आगरा में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. धर्मेंद्र कुमार, आचार्य और अध्यक्ष, कान, नाक, गला और सिर - गर्दन शल्य चिकित्सा विभाग, सरोजिनी नायडू मेडिकल कॉलेज, आगरा

4. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"कैंसर दर्द: समग्र प्रबंधन"** 27 अप्रैल 2024 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. प्रीति, सहायक आचार्य, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।

5. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"शिरापरक घनास्त्रता: चुनौतियां"** 4 मई 2024 को अपोलो कैंसर केंद्र, अहमदाबाद में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) वेलु नायर, एवीएसएम, वीएसएम, अध्यक्ष, आईएमए-एएचएल-नैम्स-रुधिर विज्ञान, मुख्य सलाहकार, रुधिर विज्ञान और अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण, अपोलो कैंसर केंद्र, अहमदाबाद।

6. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"आधारभूत साइटोजेनेटिक्स और कैरियोटाइपिंग पर कार्यशाला"** अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर में 10-11 मई 2024 को आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. निखा भारद्वाज, सह आचार्य, शरीर रचना विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर।

7. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"भारत के जनजातीय और देशज समुदायों के बीच तंबाकू के उपयोग पर राष्ट्रीय कार्यशाला"** 10 मई 2024 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, देवघर के शैक्षणिक ब्लॉक में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. सौरभ वार्ष्णेय, कार्यकारी निदेशक और सीईओ, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, देवघर।

8. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"व्यसकों के टीकाकरण पर वेबिनार"** 17 मई 2024 को कैम्पेगौड़ा आयुर्विज्ञान संस्थान में आयोजित किया गया।

   आयोजन सचिव: डॉ. डी. एच. अश्वथ नारायण, आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, कैम्पेगौड़ा आयुर्विज्ञान संस्थान, बनशंकरी द्वितीय चरण, बैंगलोर।

9. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"नए युग में बाल रोग (पाइन)"** 25-26 मई 2024 को सशस्त्र बल मेडिकल कॉलेज, पुणे में आयोजित किया गया।

   आयोजन सचिव: (डॉ.) शुभेंदु रॉय, आचार्य और अध्यक्ष, बाल रोग विभाग, सशस्त्र बल मेडिकल कॉलेज, पुणे।

10. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"बचपन का मोटापा-एक मौन महामारी: प्रबंधन और इसका नियंत्रण"** 28 मई 2024 को सिलचर मेडिकल कॉलेज, उत्तर पूर्व में आयोजित किया गया।

    आयोजन सचिव: डॉ. कनिका बरुआ, आचार्य और अध्यक्ष, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, सिलचर मेडिकल कॉलेज, सिलचर।

11. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"आधारभूत जीवन सहायक एवं जीवन सहायक कार्यशाला"** 5-6 जून 2024 को अगरतला गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, त्रिपुरा में आयोजित किया गया।

    आयोजन सचिव: डॉ. वासकर मजूमदार, सह आचार्य, संज्ञा हरण विज्ञान विभाग, अगरतला गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज और जीबीपीएच, त्रिपुरा।

12. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"उत्तर पूर्वी भारत में एंटीबायोटिक प्रतिरोध और उभरती स्वास्थ्य समस्याएं"** 12 जून 2024 को लखीमपुर मेडिकल कॉलेज, लखीमपुर, असम में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. जीतू दास, सहायक आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, लखीमपुर मेडिकल कॉलेज, लखीमपुर, असम।

13. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"कान, नाक, गला रोग विज्ञान में कृत्रिम बुद्धिमता: नए क्षितिज"** 28-30 जून 2024 को कान, नाक, गला रोग विज्ञान विभाग, सशस्त्र बल मेडिकल कॉलेज, पुणे में आयोजित किया गया।

    आयोजन सचिव: डॉ. पूनम राज, आचार्य और अध्यक्ष, कान, नाक, गला रोग विज्ञान विभाग, सशस्त्र बल मेडिकल कॉलेज, पुणे।

14. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"सिद्धांत से व्यवहार: गुणात्मक अनुसंधान पर एक कार्यशाला"** 28 जून से 2 जुलाई 2024 तक स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ में आयोजित किया गया।

    आयोजन सचिव: डॉ. पीवीएम लक्ष्मी, आचार्य, महामारी विज्ञान, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़।

15. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"पाठ्यचर्या पुनर्जागरण: आज कल के उपचारकर्ताओं को आकार देना"** 11 जुलाई 2024 को श्री रामचंद्रन चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चेन्नई में आयोजित किया गया।

    आयोजन सचिव: डॉ. एम. शांति, श्री रामचंद्रन चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चेन्नई।

16. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"स्नातक अनुसंधान पर कार्यशाला: आवश्यकता, कार्यक्षेत्र और अवसर"** 19 जुलाई 2024 को सरकारी आयुर्विज्ञान संस्थान, ग्रेटर नोएडा में आयोजित किया गया।

    आयोजन सचिव: डॉ. भारती भंडारी राठौर, आचार्य और अध्यक्ष, राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ग्रेटर नोएडा।

17. सीएमई कार्यक्रम का विषय**: "10वां यूपीओए विशेष पाठ्यक्रम 2024"** 27-28 जुलाई 2024 को एसएन मेडिकल कॉलेज, आगरा में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. बृजेश शर्मा, सह आचार्य, एसएन मेडिकल कॉलेज, आगरा।

18. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"संज्ञा हरण में प्रगति पर कार्यशाला"** 2 अगस्त 2024 को हिमालयन आयुर्विज्ञान संस्थान, स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय, देहरादून में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. गुरजीत खुराना, आचार्य और अध्यक्ष, संज्ञा हरण विज्ञान और दर्द प्रबंधन विभाग, हिमालयन आयुर्विज्ञान संस्थान, स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय, देहरादून।

19. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"जैव चिकित्सा वैज्ञानिकों के लिए अनुसंधान पद्धति पर व्यावहारिक कार्यशाला"** 8-9 अगस्त 2024 को एसजीटी विश्वविद्यालय, गुड़गांव में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. शालिनी कपूर, संकायाध्यक्ष, अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ, एसजीटी विश्वविद्यालय, गुड़गांव।

20. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"जलवायु परिवर्तन और वायु प्रदूषण पर मानव स्वास्थ्य अनुसंधान परिप्रेक्ष्य"** 9 अगस्त 2024 को टोमो रिबा स्वास्थय एवं आयुर्विज्ञान संस्थान, नाहरलागुन, अरुणाचल प्रदेश में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. अनूप देव, आचार्य और अध्यक्ष, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, टोमो रिबा स्वास्थय एवं आयुर्विज्ञान संस्थान, नाहरलागुन, अरुणाचल प्रदेश।

21. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"चिकित्सा में महिलाएं: परिवर्तन और नवाचार की अग्रणी"** 10 अगस्त 2024 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. मीनू सिंह, आचार्य, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,

ऋषिकेश।

22. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"आनुवंशिक परामर्श और प्रसवपूर्व निदान पर पहली कार्यशाला"** 16-17 अगस्त 2024 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जम्मू में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. संजय रामप्रवेश मिश्रा, सहायक आचार्य, शरीर रचना विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जम्मू।

23. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"फार्माकोमेट्रिक्स और मॉडल सूचित परिशुद्धता: एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम"** 25 अक्तूबर को स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. समिता पटनायक, आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़।

24. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"एनीमिया को संबोधित करना: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य"** 21 से 22 अगस्त 2024 तक डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, गोमती नगर, लखनऊ में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. अरविंद कुमार सिंह, सह आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, गोमती नगर, लखनऊ।

25. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"संसाधन बाधित सेटिंग्स में एंटीबायोटिक प्रबंधन कार्यक्रमों का कार्यान्वयन: चुनौतियां और समाधान"** 22 अगस्त 2024 को स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. आशीष कुमार कक्कड़, सह आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़।

26. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"तर्कसंगत चिकित्सा विज्ञान और रोगाणुरोधी प्रतिरोध को नियंत्रित करने के लिए प्रिस्क्रिप्शन विश्लेषण के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग"** 23 अगस्त 2024 को एसवीएस मेडिकल कॉलेज, तेलंगाना में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. के.पी. जोशी, संकायाध्यक्ष एवं प्राचार्य, एसवीएस मेडिकल कॉलेज, महबूबनगर, तेलंगाना।

27. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"स्टेम सेल प्रौद्योगिकी - एक उभरता हुआ चिकित्सीय उपकरण"** 29 अगस्त 2024 को नलबाड़ी मेडिकल कॉलेज, उत्तर पूर्व में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. अरुणज्योति सरमा, सहायक आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, नलबाड़ी मेडिकल कॉलेज, उत्तर पूर्व।

28. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"मुख स्वास्थ्य पर प्रायोगिक कार्यशाला और सीएमई"** 31 अगस्त और1 सितंबर 2024 को रमैया मेडिकल एवं दंत कॉलेज, रमैया विश्वविद्यालय, बेंगलुरु में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. ओ.पी. खरबंदा, प्रो-कुलपति, स्वास्थ्य विज्ञान, रमैया मेडिकल एवं दंत कॉलेज, रमैया विश्वविद्यालय, बेंगलुरु।

29. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्र में हृदय रुग्णता - वर्तमान अवधारणाएं"** 30-31 अगस्त 2024 को रैना ऑडिटोरियम, 153 जनरल अस्पताल, लेह में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: कर्नल अन्वेष राठौर, कर्नल मेड. मुख्यालय 14 कोर, सी/ओ 56 एपीओ।

30. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"जीवनशैली काय चिकित्सा का शरीर क्रिया विज्ञान आधार: गैर-संचारी रोगों को रोकने और प्रबंधित करने की कुंजी"** 6 सितंबर 2024 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, देवघर में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. अनूप कुमार डी धनविजय, सह आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान

विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, देवघर।

31. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"फार्मा गार्ड: आत्मविश्वास के साथ औषध सुरक्षा को नेविगेट करना"** 7 सितंबर 2024 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, देवघर में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. समीक्षा भट्टाचार्जी, सहायक आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, देवघर।

32. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"यकृत के परजीवी संक्रमण"** 12-14 सितंबर 2024 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, गुवाहाटी में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. दीप ज्योति कलिता, सह आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, गुवाहाटी।

33. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"वेक्टर जनित रोगों के नियंत्रण के लिए आधुनिक रणनीतियां: जापानी इंसेफलाइटिस में गहरा गोता"** 13 सितंबर 2024 को नागांव मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, नागांव, असम में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. मौसमी कृष्णात्रेय, आचार्य और अध्यक्ष, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, नागांव मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, नागांव, असम।

34. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"बेंच टू बेडसाइड - बाल रोग गहन देखभाल अद्यतन"** 13-15 सितंबर को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. अतुल जिंदल, आचार्य, बाल चिकित्सा श्वसन एवं गहन देखभाल प्रभाग, बाल चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर।

35. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"परामर्श संपर्क मनोचिकित्सा - विशिष्टताओं के बीच खाई को पाटना"** 14-15 सितंबर, 2024 को बेस अस्पताल, दिल्ली कैंट, दिल्ली में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. (कर्नल) अनुराग टिमोथी, आचार्य और विभागाध्यक्ष, मनोचिकित्सा विभाग, बेस अस्पताल, दिल्ली कैंट, दिल्ली।

36. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"सूक्ष्म अंतर्दृष्टि - विकृति विज्ञान में नेविगेटिंग लैंडस्केप ऑफ लघु बायोप्सी"** 27 सितंबर 2024 को दत्ता मेघे मेडिकल कॉलेज, वानाडोंगरी, नागपुर में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. प्रवीण गडकरी, आचार्य और अध्यक्ष, विकृति विज्ञान विभाग, दत्ता मेघे मेडिकल कॉलेज, वानाडोंगरी, नागपुर।

37. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"दिशानिर्देशों से परे लिवर कैंसर का प्रबंधन"** 27-29 सितम्बर 2024 को यकृत एवं पित्त विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. अशोक कुमार चौधरी, अपर आचार्य, यकृत और पित्त विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।

38. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"न्यायिक परिचर्या पर संगोष्ठी"** 28 सितंबर 2024 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. सुरेश के शर्मा, प्राचार्य और आचार्य, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर।

39. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"हिर्शस्प्रिंग रोगों और संबद्ध विकारों का निदान और प्रबंधन"** 30 सितंबर से 1 अक्तूबर 2024 तक सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, बैंगलोर में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. उषा किनी, विकृति विज्ञान की आचार्य, अध्यक्ष, ट्रांसलेशनल रिसर्च लैब फॉर गट मोटिलिटी डिसऑर्डर, सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज, बैंगलोर।

40. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"नैदानिक कवक विज्ञान पर राष्ट्रीय कार्यशाला: बुनियाद से आधुनिकी तक की यात्रा"** 3-5 अक्टूबर 2024 को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. रागिनी तिलक, आचार्य, आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।

41. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"जनजातीय जनसंख्या में सांप के काटने के वर्तमान रुझान और प्रबंधन"** 5 अक्तूबर 2024 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, देवघर में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. धीरज अभय कुमार, सहायक आचार्य, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, देवघर, झारखंड।

42. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"अच्छे नैदानिक अभ्यास पर कार्यशाला"** 8 अक्टूबर 2024 को क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, लुधियाना में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. दिनेश कुमार बड्याल, आचार्य और अध्यक्ष, भेषज गुण विज्ञान विभाग, उप- प्रधानाचार्य, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, लुधियाना।

43. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"वेक्टर जनित रोग: अद्यतन और अग्रिम"** 18-19 अक्टूबर 2024 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, मदुरै में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. मंगयारकरसी वी, आचार्य और अध्यक्ष, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, मदुरै।

44. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"उत्तराखंड में एनीमिया: एक क्षेत्रीय परिप्रेक्ष्य"** 19 अक्टूबर 2024 को राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, हल्द्वानी में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. साधना अवस्थी, आचार्य और विभागाध्यक्ष, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, हल्द्वानी।

45. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"यूएसजी निर्देशित ब्लॉक्स सीएमई कार्यक्रम"** 25 अक्टूबर, 2024 को एमएलबी, मेडिकल कॉलेज, झांसी में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. अंशुल जैन, आचार्य और अध्यक्ष, एमएलबी, मेडिकल कॉलेज, झांसी।

46. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"प्रतिरक्षा ऊतक रसायन पर राष्ट्रीय प्रायोगिक कार्यशाला: आधारभूत और परे"** 11-12 नवंबर 2024 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर के शरीर रचना विज्ञान विभाग में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: (कर्नल) डॉ. सिप्रा राउत, सह आचार्य, शरीर रचना विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर।

47. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"अनुसंधान पद्धति और वैज्ञानिक पत्र लेखन पर कार्यशाला"** 15-17 नवंबर 2024 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. पूजा दीवान, मुख्य संपादक, भारतीय बाल रोग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली।

48. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"चिकित्सा विज्ञान में आनुवंशिक परामर्श और परीक्षण का महत्व"** 21 नवंबर 2024 को श्री गुरु राम दास आयुर्विज्ञान और अनुसंधान संस्थान, अमृतसर में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. अनुपमा महाजन, निदेशक प्रधानाचार्य सह आचार्य, शरीर रचना विज्ञान, श्री गुरु राम दास आयुर्विज्ञान और अनुसंधान संस्थान, अमृतसर।

49. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"आर का उपयोग करके संक्रामक रोग मॉडलिंग"** 28 नवंबर 2024 को किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. शिवेंद्र कुमार सिंह, आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ।

50. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"नवजात हेमोडायनामिक्स"** 30 नवंबर से 1 दिसंबर 2024 को आईएमएस, बीएचयू, वाराणसी में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. अशोक कुमार, संकाध्यक्ष, काय चिकित्सा संकाय, आईएमएस, बीएचयू, वाराणसी।

51. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"राष्ट्रीय प्रशिक्षण परियोजना - व्यावहारिक बाल रोग अर्बुद विज्ञान"** 20 दिसंबर 2024 को एनएससीबी मेडिकल कॉलेज, जबलपुर में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. श्वेता पाठक, सह आचार्य, एनएससीबी मेडिकल कॉलेज, जबलपुर।

52. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"21वीं सदी में सूक्ष्म जैव विज्ञान: नैदानिक एवं रोगाणुरोधी प्रबंधन"** 7-8 फरवरी 2025 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, देवघर में आयोजित किया गया

आयोजन सचिव: डॉ. प्रतिमा गुप्ता, आचार्य और अध्यक्ष, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, देवघर।

53. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"हस्तक्षेपों में नवाचार: मन को स्वस्थ करना और आत्माओं का पोषण करना"** 8-9 फरवरी 2025 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. रचना भार्गव, आचार्य, एनडीडीटीसी, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।

54. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"कार्यशाला 1 - आंतों के परजीवियों के लिए नैदानिक दृष्टिकोण कार्यशाला 2- रक्त परजीवियों का निदान: समुदाय की ओर से"** 13 फरवरी 2025 को सेठ जीएस मेडिकल कॉलेज और केईएम अस्पताल, मुंबई में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. छाया ए कुमार, आचार्य और अध्यक्ष, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, सेठ जीएस मेडिकल कॉलेज और केईएम अस्पताल, मुंबई।

55. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"फेफड़े का कैंसर"** 25 फरवरी 2025 को जेआईपीएमईआर, पुडुचेरी में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. सुरेंद्र कुमार वर्मा, आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, जेआईपीएमईआर, पुडुचेरी।

56. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"नेत्र विज्ञान में हालिया प्रगति"** 2 मार्च 2025 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जम्मू में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. भवानी रैना, अपर आचार्य, नेत्र विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जम्मू।

57. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"मानसिक स्वास्थ्य में लैंगिक परिप्रेक्ष्य"** 22 मार्च 2025 को महात्मा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, सेवाग्राम में आयोजित किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. हर्षल साठे, सह आचार्य, मनोचिकित्सा विभाग, महात्मा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, सेवाग्राम।

58. सीएमई कार्यक्रम का विषय: **"एनीमिया - अनसुलझे रहस्य"** का आयोजन 8 अप्रैल 2025 को असम मेडिकल कॉलेज, डिब्रूगढ़, असम में किया गया।

आयोजन सचिव: डॉ. अबंती बोरा बरुआ, विभागाध्यक्ष, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, असम मेडिकल कॉलेज, डिब्रूगढ़, असम।

नैम्स चिकित्सा वैज्ञानिकों का आदान-प्रदान कार्यक्रम

(स्वास्थ्य मानवशक्ति विकास)

चिकित्सा वैज्ञानिकों का आदान-प्रदान कार्यक्रमः

सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम के अधीन स्वास्थ्य मानवशक्ति विकास के क्षेत्र में अकादमी द्‌वारा संवर्धित कार्यकलापों में से एक कनिष्ठ और मध्यम स्तरों पर वैज्ञानिकों/ शिक्षकों के पद प्राप्त "चिकित्सा वैज्ञानिकों का आदान-प्रदान" है।

अकादमी कनिष्ठ और मध्यम स्तर के विशेषज्ञों/ वैज्ञानिकों को सुस्थापित उत्कृष्टता केंद्र पर जाने के लिए और नवीन/ नवीनतम कौशल प्राप्त करने के लिए निधि उपलब्ध कराता है। इस योजना के अंतर्गत चयनित नामिती यात्रा व्यय की प्रतिपूर्ति (वास्तविक द्‌वितीय श्रेणी एसी टू-टियर रेल किराया तक सीमित) और 15000/- रुपए की अधिकतम सीमा के अधीन प्रशिक्षण अवधि के दौरान 600/- रुपए प्रतिदिन की दर पर दैनिक भत्ता के पात्र हैं।

अभी तक (मार्च 2025) दो सौ सोलह (216) चिकित्सा वैज्ञानिकों/ शिक्षकों का उन्नत प्रशिक्षण के लिए चयन हुआ है। नैम्स से अनुदान सहायता प्राप्त कर उन्होंने अपना प्रस्तावित प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया है।

नैम्स के प्रतिष्ठित आचार्यों के कार्यकलाप

2024 - 25 के दौरान नैम्स के प्रतिष्ठित आचार्यों द्वारा दिए गए व्याख्यान की सारांश रिपोर्ट निम्नलिखित है:

1. डॉ. तेजिंदर सिंह, प्रतिष्ठित आचार्य, नैम्स द्वारा दिया गया व्याख्यान।

   8 अप्रैल 2024 से 9 अप्रैल 2024 तक गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, असम में "**सीबीएमई पाठ्यक्रम में मूल्यांकन"** पर व्याख्यान।

2. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, प्रतिष्ठित आचार्य, नैम्स द्वारा दिया गया व्याख्यान।

   11 जून 2024 से 14 जून 2024 तक गीतांजलि मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, गीतांजलि विश्वविद्यालय, उदयपुर में **"एलर्जिक श्वसन रोगों के निदान और प्रबंधन"** पर व्याख्यान और छाती के एक्स-रे मूल्यांकन पर व्यावहारिक पीजी क्लीनिक के साथ-साथ त्वचा-चुभन परीक्षण का व्यावहारिक प्रदर्शन का भी आयोजन।

3. डॉ. तेजिंदर सिंह, प्रतिष्ठित आचार्य, नैम्स द्वारा दिया गया व्याख्यान।

   11 जुलाई 2024 से 12 जुलाई 2024 तक श्री रामचंद्र चिकित्सा एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई में "मूल्यांकन कीमिया: प्रोग्रामेटिक मूल्यांकन को डिजाइन और लागू करना" पर व्याख्यान।

प्रतिष्ठित आचार्यों की सूची

1. प्रो. एम. बेरी
2. प्रो. आर. वी. भट्ट
3. प्रो. एम. एस. बोपाराय
4. प्रो. श्रीमती कमल बकशी
5. प्रो. पी. के. दवे
6. प्रो. एम. जी. देव
7. प्रो. एन. के. गांगुली
8. प्रो. जे. एस. गुलेरिया
9. प्रो. बी. एम. एल. कपूर
10. प्रो. जी. एस. सैनानी
11. प्रो. सी. पी. साहनी
12. प्रो. श्रीधर शर्मा
13. प्रो. गुरमोहन सिंह
14. प्रो. के. के. तलवार
15. प्रो. पी. एन. टंडन
16. प्रो. एस. एन. वाधवा
17. डॉ. कृष्णन गणपति
18. डॉ. दया किशोर हाजरा

19. डॉ. स्वतंत्र के. जैन
20. डॉ. एन. के. लोहिया
21. डॉ. मन मोहन मेहंदीरत्ता
22. डॉ. राजेंद्र प्रसाद
23. डॉ. प्रदीप सेठ)
24. डॉ. इंदिरा शर्मा
25. डॉ. शिव के. शर्मा
26. डॉ. शिविंदर सिंह
27. डॉ. बाबू लाल वर्मा
28. डॉ. लेफ्टिनेंट कर्नल रवि कुमार अरुणाचलम
29. डॉ. एम. बालासुब्रमण्यम
30. डॉ. सिद्धार्थ दत्ता गुप्ता
31. डॉ. अजय कुमार खन्ना
32. डॉ. ओम प्रकाश खरबंदा
33. डॉ. सुभाष चंद्र परीजा
34. डॉ. पार्थसारथी सतीशचंद्र
35. डॉ. तेजिंदर सिंह
36. डॉ. दीपक केशोराव टेम्पे
37. डॉ. राजेंद्र प्रसाद त्रिपाठी
38. डॉ. किम वैफेई

नैम्स वेबसाइट और एनकेएन कनेक्टिविटी

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) और इसकी गतिविधियों के बारे में सभी जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसमें नियम और विनियम, परिषद् के सदस्य, अध्येता और सदस्य, वार्षिक रिपोर्ट, लेखापरीक्षित लेखा विवरण, कर्मचारी डाटा, अधिगम संसाधन सामग्री, वर्ष वृत्तांत, सीएमई मोनोग्राफ, सीएमई हेतु दिशानिर्देश शामिल हैं। इस पर विगत वर्षों के दीक्षांत समारोह, अभिभाषण और वार्षिक रिपोर्ट भी पढ़ी और डाउनलोड की जा सकती हैं। इस पर आगामी शैक्षणिक गतिविधियों का ब्यौरा जैसे कि सीएमई कार्यक्रम और कौशल विकास कार्यक्रम आदि भी दर्शाए गए हैं।

डिजिटल सुविधाएं प्राप्त करने के लिए, नैम्स ने अपनी वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान प्रणाली के सहित सभी अध्येतावृति एवं सदस्यता प्रपत्रों की ऑनलाइन प्रविष्टि आरंभ की थी और वर्ष वृत्तांत के लेखों को ऑनलाइन जमा करना भी शुरू किया था। नैम्स ने अपना यूट्यूब चैनल (राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी भारत) भी शुरू किया है जो हमारे द्वारा आयोजित सीएमई के व्यापक परिसंचरण और सीधे प्रसारण के लिए निःशुल्क है।

नैम्स के पास एनकेएन से कनेक्टिविटी है, जो नैम्स को विभिन्न एम्स संस्थानों, राष्ट्रीय महत्व के शैक्षणिक संस्थानों और मेडिकल कॉलेजों के साथ शिक्षण और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए, जिसमें इंटरैक्टिव सत्र और शैक्षिक कार्यक्रम शामिल हैं, जुड़ने में सक्षम बनाती है।

यह न केवल सभी को ज्ञान वितरित करने में मदद करता है बल्कि सरकार के लक्ष्यों का भी समर्थन करता है और साथ ही वित्तीय व्यय को कम करता है।

स्नातकोत्तर छात्रों के लिए नैम्स राष्ट्रीय आभासी स्नातक मेडिकल सीएमई (नेविगेट- मेडिको - सीएमई)

नेविगेट-मेडिको-सीएमई कार्यक्रम स्नातकोत्तर छात्रों में दक्षताओं के विकास में सहायता करने और ई - लाइब्रेरी विकसित करने के लिए देश में मेडिकल कॉलेजों/ संस्थानों का एक नेटवर्क विकसित करने के उद्देश्य से जनवरी 2023 में शुरू किया गया था। नैम्स प्रख्यात चिकित्सा वैज्ञानिकों के सहयोग से दो घंटे की अवधि के ऑनलाइन विषय आधारित व्याख्यान सत्र आयोजित करता है। जनवरी से जून 2023 तक, कार्यक्रम में देश के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञों के सहयोग से आपात स्थितियों के प्रबंधन, अनुसंधान विधियों और जैवसांख्यिकी, सामान्य यकृत रोग, सामान्य मानसिक रोग, मधुमेह, सामान्य रुधिर विज्ञान रोग के विषयों को सम्मिलित किया गया है।

अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक नेविगेट सीएमई कार्यक्रम में निम्नलिखित विषयों को शामिल किया गया है और उनके वीडियो नैम्स वेबसाइट पर उपलब्ध हैं:

1. नेविगेट मेडिको सीएमई - **"सकल घुटने का प्रत्यारोपण"**, प्रस्तुति वक्ता: डॉ. राजेश मल्होत्रा, 19.04.2024; संयोजक: डॉ. प्रीथी।
2. नेविगेट मेडिको सीएमई - **"कशेरुकीय चोटें"**, प्रस्तुति वक्ता: डॉ. भावुक गर्ग, 17.05.2024; संयोजक: डॉ. प्रीथी।
3. नेविगेट मेडिको सीएमई - **"कमर के नाड़ी मार्ग की संकीर्णता"**, प्रस्तुति वक्ता: डॉ. राम चड्ढा, 21.06.2024; संयोजक: डॉ. प्रीथी।
4. नैम्स नेविगेट मेडिको सीएमई - **"शराब, पदार्थ उपयोग विकार और व्यवहारिक लत: ऐतिहासिक रुझान और नीति विकास"**, प्रस्तुति वक्ता: डॉ. राकेश के. चड्ढा, 20.09.2024; संयोजक: डॉ. जसवंत।
5. नैम्स नेविगेट मेडिको सीएमई **- "फार्माको-विजिलेंस की आवश्यकता"**, प्रस्तुति वक्ता: डॉ. वाई. के. गुप्ता, 21.02.2025; संयोजक: डॉ. जसवंत।

6. नैम्स नेविगेट मेडिको सीएमई - **"भारत में एक स्वास्थ्य दृष्टिकोण और भविष्य की तैयारी"**, प्रस्तुति वक्ता: डॉ. प्रज्ञा यादव, 21.03.2025; संयोजक: डॉ. जसवंत।
7. एम्स - नैम्स नेविगेट मेडिको सीएमई - "**स्नातकोत्तर छात्रों में मानसिक तनाव प्रबंधन की रणनीतियाँ**", प्रस्तुति वक्ता: डॉ. राजेश सागर, 05.04.2024; संयोजक: डॉ. जसवंत।
8. एम्स - नैम्स नेविगेट मेडिको सीएमई - **"स्वास्थ्य देखभाल में कृत्रिम बुद्धिमत्ता"**, प्रस्तुति वक्ता: प्रोफ. एस. एन. सरबधिकरी, 03.05.2024; संयोजक: डॉ. जसवंत।
9. एम्स - नैम्स नेविगेट मेडिको सीएमई - **"अंग दान और प्रत्यारोपण"**, प्रस्तुति वक्ता: डॉ. वाई. के. चावला, 07.06.2024; संयोजक: डॉ. जसवंत।
10. एम्स - नैम्स नेविगेट मेडिको सीएमई - **"शिरा रक्तस्त्राव और एम्बोलिज़्म"**, प्रस्तुति वक्ता: ले. जन. (डॉ.) वेलु नायर, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम** (सेवानिवृत्त), 02.08.2024; संयोजक: डॉ. जसवंत।
11. एम्स - नैम्स नेविगेट मेडिको सीएमई - **"मोटापा और जीवनशैली संबंधी विकार"**, प्रस्तुति वक्ता: डॉ. अजय डुसेजा, 06.09.2024; संयोजक: डॉ. जसवंत।
12. एम्स - नैम्स नेविगेट मेडिको सीएमई - **"साक्ष्य-आधारित पारंपरिक चिकित्सा"**, प्रस्तुति वक्ता: डॉ. भूषण पाटवर्धन, 04.10.2024; संयोजक: डॉ. जसवंत।
13. एम्स - नैम्स नेविगेट मेडिको सीएमई - **"भारत में तंबाकू नियंत्रण रणनीतियाँ"**, प्रस्तुति वक्ता: डॉ. सोनू गोयल, 07.02.2025; संयोजक: डॉ. जसवंत।
14. एम्स - नैम्स नेविगेट मेडिको सीएमई - **"भारत में तंबाकू त्याग: चुनौतियाँ, अवसर और आगे का रास्ता"**, प्रस्तुति वक्ता: डॉ. राकेश गुप्ता, 07.02.2025; संयोजक: डॉ. जसवंत।
15. एम्स - नैम्स नेविगेट मेडिको सीएमई - **"ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकार: वर्तमान अपडेट"**, प्रस्तुति वक्ता: डॉ. शैफाली गुलाटी, 07.03.2025; संयोजक: डॉ. प्रीथी।

नेतृत्व विकास (लीड)

जैसा कि परिषद द्वारा अनुमोदित किया गया है, नैम्स ने एम्स, मेडिकल कॉलेजों और राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों में निदेशकों, संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों और वरिष्ठ संकाय सदस्यों के लिए नेतृत्व विकास कार्यक्रम (LEAD) की एक महत्वपूर्ण पहल आरंभ की है, जिससे उन्हें दूरदर्शी नेता और परिवर्तन का अभिकर्ता बनने में सहायता मिल सके।

कार्यशाला के दौरान जिन प्रमुख विषयों पर चर्चा की गई उनमें नेतृत्व विकास, आलोचनात्मक सोच, संचार, संघर्ष और तनाव प्रबंधन, टीम वर्क, समय प्रबंधन, संस्था निर्माण और परिवर्तन, निर्णय लेना, विचार - विमर्श, वकालत, नेटवर्किंग और सहयोग, सेवा नियम, सामान्य वित्तीय नियम, सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) के प्रति उन्मुखीकरण और महंगे अस्पताल उपकरणों के क्रय, लेखांकन प्रथाएं, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के मुख्य निर्देश, अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएच) मान्यता प्रक्रिया और मुद्दे, चिकित्सा संस्थानों में ई-लाइब्रेरी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों/एनएचएम में चिकित्सा संस्थानों की भूमिका आदि सम्मिलित थे।

दूसरा नैम्स नेतृत्व विकास (लीड) राष्ट्रीय सम्मेलन 9-11 मई, 2024 को नैम्स, अंसारी नगर, नई दिल्ली में आयोजित किया गया, जिसमें एम्स और अन्य संस्थानों के 27 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसके बाद प्रतिभागियों के लिए दो अनुवर्ती सत्र आयोजित किए गए।

तीसरा नैम्स नेतृत्व विकास (लीड) राष्ट्रीय सम्मेलन 5-7 जुलाई, 2024 को नैम्स, अंसारी नगर, नई दिल्ली में आयोजित किया गया, जिसमें एम्स और अन्य संस्थानों के 24 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसके बाद प्रतिभागियों के लिए दो अनुवर्ती सत्र आयोजित किए गए।

संसाधन व्यक्तितत्व प्रतिष्ठित चिकित्सा नेता और प्रशासक थे। सम्मेलन की मुख्य विशेषता "लीडर से मिलें" सत्र थे, जिनमें देश के प्रतिष्ठित चिकित्सा और जैवचिकित्सा नेता प्रतिभागियों के साथ अपने अनुभव साझा करते थे।

मेडी-क्वेस्ट 2024: नैम्स राष्ट्रीय प्रश्नोत्तरी

प्रश्नोत्तरी पहले प्रारंभिक चरण में ऑनलाइन आयोजित की गई और शीर्ष 6 प्रतिभागियों के लिए अंतिम चरण आयोजित किया गया। मेडी-क्वेस्ट 2024 के प्रश्नोत्तरी मास्टर थे - डॉ. प्रीति कथिरेसन, एम्स दिल्ली में मनोचिकित्सा की सहायक आचार्य, डॉ. जसवंत जांगड़ा, एम्स दिल्ली में वरिष्ठ रेजिडेंट (मनोचिकित्सा), डॉ. सौरभ भाटिया, एम्स दिल्ली में पूर्व वरिष्ठ रेजिडेंट (त्वचाविज्ञान), डॉ. निखिल मेहता, एम्स दिल्ली में वरिष्ठ रेजिडेंट (त्वचाविज्ञान) और डॉ. आनंद नीलकंठन (चेन्नई से)।

संपूर्ण देश के मेडिकल कॉलेज/ संस्थानों के कुल 451 प्रतिभागियों ने प्रारंभिक दौर के लिए पंजीकरण कराया। शीर्ष 6 अंतिम दौर के प्रतिभागी थे:

स्थान 1 - डॉ. अविजित बत्रा, कनिष्ठ रेजीडेंट, एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर
स्थान 2 - डॉ. ऋत्विक एस, सहायक आचार्य, डॉ. मूपनस मेडिकल कॉलेज, वायनाड, केरल
स्थान 3 - डॉ. रोशन पंड, कनिष्ठ रेजीडेंट, आईबीएचएएस, दिल्ली
स्थान 4 - डॉ. शिवम गक्कड़, वरिष्ठ रेजीडेंट, निमहंस, बेंगलुरु
स्थान 5 - डॉ. विवेक मोहंती, कनिष्ठ रेजीडेंट, सि.आई.पी., रांची
स्थान 6 - डॉ. सुधाकर डोंबले, कनिष्ठ रेजीडेंट, सि.आई.पी., रांची

नैम्स प्रश्नोत्तरी का फाइनल भी यूट्यूब पर लाइव प्रसारित किया गया था, लिंक: https://www.youtube.com/watch?v=OaiOWQUuZYw&t=324s

नैम्स राज्य संयोजक

क्रमांक	राज्य	राज्य संयोजक	ईमेल	मोबाइल
1	आंध्र प्रदेश	डॉ. अल्लादि मोहन, श्वसन चिकित्सा, तिरुपति।	alladimohan@yahoo.com	9493547679
2	असम और अन्य उत्तर पूर्व राज्य	डॉ. फारुकी उद्दीन अहमद, सामुदायिक चिकित्सा, डिब्रुगढ़।	karufalim@hotmail.com	7086055876
3	बिहार	डॉ. आलोक चंद्र अग्रवाल, अस्थि रोग शल्य चिकित्सा, रायपुर।	dralokcagarwal@yahoo.co.in	8518881939
4	चंडीगढ़	सोनू गोयल, सामुदायिक चिकित्सा, चंडीगढ़	sonugoel007@gmail.com	9914208027
5	छत्तीसगढ़	डॉ. आलोक चंद्र अग्रवाल, अस्थि रोग शल्य चिकित्सा, रायपुर।	dralokcagarwal@yahoo.co.in	8518881939
6	दिल्ली	डॉ. किशोर कुमार दीपक, शरीर क्रिया विज्ञान, दिल्ली।	kkdeepak@gmail.com	8368293571 9868397129
7	गुजरात	ले. जन. वेलु नायर, एवीएसएम, वीएसएम, प्रतिरक्षा - रुधिर विज्ञान, अहमदाबाद।	nairvelu2000@yahoo.com	9818256670
8	हरियाणा	डॉ. ध्रुव चौधरी, श्वसन चिकित्सा विभाग, पीजीआईएमएस, रोहतक, हरियाणा।	dhruvachaudhry@yahoo.co.in	9991101616
9	हिमाचल प्रदेश	सोनू गोयल, सामुदायिक चिकित्सा, चंडीगढ़	sonugoel007@gmail.com	9914208027

10	जम्मू और कश्मीर	डॉ. मोहम्मद अशरफ गनी, अंतःस्त्राविकी, स्किम्स, श्रीनगर।	ashraf.endo@gmail.com	9968856888
11	झारखंड	डॉ. सुरेश्वर पांडे, अस्थि रोग शल्य चिकित्सा, राँची।	drsureshwarpandey@gmail.com	9431371642
12	कर्नाटक	डॉ. अनुरा विश्वनाथ कुरपद, पोषण, बंगलौर।	a.kurpad@sjri.res.in	9686512233
13	केरल	डॉ. वी. मोहन कुमार, शरीर क्रिया विज्ञान, त्रिवेंद्रम।	wfsrs2005@rediffmail.com padma413@rediffmail.com	9446058004
14	मध्य प्रदेश	डॉ. गया प्रसाद पाल, शरीर रचना विज्ञान, इंदौर।	gp_pal50@rediffmail.com	9425496354
15	महाराष्ट्र	डॉ. अशोक के. गुप्ता, प्लास्टिक सर्जरी, मुम्बई	drguptaaskho1951@gmail.com	9969039292
16	ओडिशा	डॉ. सुरेश्वर मोहन्ती, तंत्रिका शल्य चिकित्सा, भुवनेश्वर।	sureswar.mohanty@gmail.com	9437035901
17	पंजाब	सोनू गोयल, सामुदायिक चिकित्सा, चंडीगढ़	sonugoel007@gmail.com	9914208027
18	पुद्दुचेरी	डॉ. देवेंदर मोहन थापा, त्वचा रोग विज्ञान एवं रतिज रोग विज्ञान, पुद्दुचेरी।	dmthappa@gmail.com	9443958975
19	राजस्थान	डॉ. कुलदीप सिंह, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर।	kulpra@gmail.com kulpra@hotmail.com	8003996940
20	तमिलनाडु	डॉ. मोहन कामेश्वरन, नाक, कान, गला रोग विज्ञान, चेन्नई।	merfmk30@yahoo.com	9840733366

21	तेलंगाना	डॉ. डी. नागेश्वर रेड्डी, जठरांत्र रोग विज्ञानी, हैदराबाद।	aigindia@yahoo.co.in	9848812221
22	उत्तर प्रदेश	डॉ. राजेंद्र प्रसाद, छाती रोग, श्वसन चिकित्सा, दिल्ली।	rprasadkgmc@gmail.com	9415021590
23	उत्तराखंड	डॉ. मीनू सिंह, निदेशक, एम्स, ऋषिकेश।	meenusingh4@gmail.com	9814117152
24	पश्चिम बंगाल	डॉ. दुर्गापदा बक्शी, अस्थि रोग शल्य चिकित्सा, कोलकाता।	dpbaksiorth@hotmail.com	9831394716

पीजी मेडिकल छात्रों के लिए
आईसीएमआर - नैम्स राष्ट्रीय जैव सांख्यिकी हेल्पलाइन

आईसीएमआर और नैम्स दोनों ही चिकित्सा अनुसंधान में महामारी विज्ञानियों और जैव सांख्यिकीविदों की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हैं, विशेषकर शोध परियोजनाओं को पूर्ण करने वाले स्नातकोत्तर छात्रों के लिए। इन छात्रों को उनके शोध कार्य की रूपरेखा बनाने और उसका विश्लेषण करने में सहायता करने के लिए, आईसीएमआर और नैम्स एक संयुक्त "आईसीएमआर - नैम्स राष्ट्रीय जैव सांख्यिकी हेल्पलाइन" स्थापित करने के लिए एक साथ आए हैं, जिसमें ऑनलाइन सुविधा के साथ एक समर्पित वेबसाइट होगी, जो उच्च योग्य जैव सांख्यिकीविदों और महामारी विज्ञानियों द्वारा समर्थित होगी ताकि देश भर के मेडिकल स्नातकोत्तर और युवा संकाय सदस्यों को शोध कार्य से संबंधित उनकी शंकाओं को दूर करने में सहायता मिल सके।

हेल्पलाइन 5 सितंबर 2024 को आरंभ की गई थी। हेल्पलाइन सेवा को 227 स्नातकोत्तर छात्रों और युवा संकाय सदस्यों द्वारा उपयोग में लाया गया है।

चिकित्सा छात्रों और स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए स्वास्थ्य सेवा में कृत्रिम बुद्धिमता पर ऑनलाइन प्रमाणपत्र अभिविन्यास पाठ्यक्रम

अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद (IIITH), IIIT-H IHub-Data और राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) ने स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए "स्वास्थ्य देखभाल में एआई" पर एक ऑनलाइन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम आरंभ किया है।

स्वास्थ्य सेवा में मशीन लर्निंग आधारित कृत्रिम बुद्धिमता (AI) का एकीकरण चिकित्सा पेशेवरों के रोगियों के निदान, उपचार और प्रबंधन की विधि में परिवर्तन ला रहा है। हालाँकि, कई चिकित्सकों के पास इन तकनीकों का प्रभावी ढंग से लाभ उठाने के लिए आवश्यक कौशल और समझ का अभाव है। यह पाठ्यक्रम नैदानिक पेशेवरों को नैदानिक वातावरण में AI को समझने, मूल्यांकन करने और लागू करने के लिए ज्ञान और उपकरणों से लैस करके इस अंतर को पाटने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे अंततः रोगी देखभाल और परिचालन दक्षता में वृद्धि होगी।

लक्षित समूह स्नातकोत्तर चिकित्सा छात्र, संकाय और चिकित्सा पेशेवर हैं। पाठ्यक्रम की अवधि 12 सप्ताह है। पहला पाठ्यक्रम 15 सितंबर, 2024 को संयुक्त रूप से प्रोफेसर अभय करंदीकर, सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, डॉ. एस.के. सरीन, अध्यक्ष, नैम्स, और डॉ. पी.जे. नारायणन, निदेशक, अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद द्वारा आरंभ किया गया। पूरे देश से 141 प्रतिभागियों ने पहले पाठ्यक्रम के लिए पंजीकरण करवाया।

पूर्वोत्तर राज्यों, झारखंड, छत्तीसगढ़, अंडमान और निकोबार, दमन और दीव, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख के स्नातकोत्तर मेडिकल छात्रों हेतु नैम्स शोध अध्येतावृत्ति

नैम्स ने पूर्वोत्तर राज्यों, झारखंड, छत्तीसगढ़, अंडमान और निकोबार, दमन और दीव, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख के स्नातकोत्तर मेडिकल छात्रों और युवा संकाय के लिए शोध अध्येतावृत्ति आरंभ की है।

शोध अध्येतावृत्ति, साथ ही पूर्वोत्तर राज्यों, झारखंड, छत्तीसगढ़, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दमन और दीव, जम्मू और कश्मीर, और लद्दाख से एक युवा संकाय शोध अध्येतावृत्ति प्राप्तकर्ता।

निम्नलिखित नैम्स शोध अध्येतावृत्ति और युवा संकाय हैं:

1. डॉ. थौनाोजाम जेफचंद लुवांग, वरिष्ठ रेजिडेंट, प्लास्टिक एवं पुनर्निर्माण सर्जरी विभाग, असम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, बर्बरी, डिब्रूगढ़, असम-786002। शोध प्रबंध का शीर्षक: "मौखिक कैंसर के पोस्ट-निकास डिब्यूज में विभिन्न पुनर्निर्माण प्रक्रियाओं के परिणामों पर एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन"।

2. डॉ. सारदा कोंसम, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, असम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, बरबरी, डिब्रूगढ़, असम - 786002। शोध प्रबंध का शीर्षक: "डर्माटोफाइट्स में टरबिनाफाइन प्रतिरोध का आणविक पता लगाने"।

3. डॉ. प्रणब कुमार दास, पीजीटी, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, असम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, बरबरी, डिब्रूगढ़, असम-786002। शोध प्रबंध का शीर्षक: "आंतरिक और बाह्य-आंतरिक नमूनों से एरोमोनास प्रजातियों का पता लगाना और विषाणु से जुड़े जीनों का आणविक वर्णन"।

4. डॉ. एम. गौशिक सिद्धार्थन, जूनियर रेजिडेंट, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, असम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, बर्बरी, डिब्रूगढ़, असम - 786002। शोध प्रबंध का शीर्षक: “डिब्रूगढ़ जिले के स्नातक छात्रों में तनाव, चिंता और अवसाद”।

युवा संकाय:

डॉ. राहुल गौरका, सहायक आचार्य और कार्यालय प्रभारी, कक्ष संख्या 313, ओपीडी ब्लॉक, बर्न्स और प्लास्टिक सर्जरी विभाग, एम्स, विजयपुर, जम्मू और कश्मीर - 184120। शोध प्रबंध का शीर्षक: “सम्बा, जम्मू के विद्यालय के छात्रों के लिए बीएपीएफएएस - सुलभ ज्ञान, बचाव और प्राथमिक चिकित्सा कार्यक्रम”।

नैम्स द्वारा "चिकित्सा में महिलाओं" को मान्यता

नैम्स देश में स्वास्थ्य पेशेवरों की अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देता है और अपने संसाधनों के रूप में उपयोग करता है जिससे चिकित्सा और संबद्ध विज्ञान के क्षेत्र में चिकित्सा शिक्षा और कौशल विकास में उत्कृष्टता को बढ़ावा दिया जा सके। नैम्स परिषद ने भारत में प्रतिष्ठित चिकित्सा और जैव चिकित्सा महिला वैज्ञानिकों को उनकी अकादमिक उपलब्धियों और योगदान को मान्यता देते हुए नैम्स "चिकित्सा में महिलाओं" के रूप में सम्मानित करने को स्वीकृति दी है।

वर्ष 2024 के लिए, तीन प्रतिष्ठित महिला चिकित्सा और जैव चिकित्सा वैज्ञानिकों को 10 अगस्त 2024 को एम्स ऋषिकेश की कार्यकारी निदेशक और सीईओ प्रो. (डॉ.) मीनू सिंह द्वारा आयोजित सम्मेलन में उनकी अकादमिक उत्कृष्टता और योगदान के लिए नैम्स "चिकित्सा में महिला 2024" के रूप में सम्मानित किया गया।

डॉ. प्रज्ञा आर. यादव, निदेशक - प्रभारी, एक स्वास्थ्य के लिए राष्ट्रीय संस्थान, नागपुर ने कोविड - 19 महामारी के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उन्होंने भारत से सार्स कोविड - 2 विषाणु के त्वरित अलगाव में योगदान दिया, जिसका उपयोग भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड द्वारा पहली स्वदेशी वैक्सीन (कोवैक्सीन) बनाने के लिए किया गया।

डॉ. सविता मल्होत्रा, फोर्टिस अस्पताल, मोहाली की वरिष्ठ सलाहकार, पूर्व संकायाध्यक्ष, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, मनोचिकित्सा पीजीआईएमईआर चंडीगढ़, ने बाल मनोचिकित्सा, तीव्र और क्षणिक मनोविकृति और टेलीसाइकियाट्री में अनुसंधान में महान योगदान दिया है। उन्हें "टेलीसाइकियाट्री के लिए स्वचालित प्रणाली और विधि" के आविष्कार के लिए भारतीय पेटेंट मिला है।

डॉ. शेफाली गुलाटी, प्रभारी संकाय, बालावस्था तंत्रिका विकास विकारों के लिए उत्कृष्टता एवं प्रगामी अनुसंधान केंद्र, बाल रोग विभाग, नई दिल्ली, बाल चिकित्सा तंत्रिका विज्ञान के क्षेत्र में एक अग्रणी व्यक्ति हैं, जो तीन दशकों से ऑटिज्म और अन्य तंत्रिका विकास विकारों में अपने व्यापक योगदान के लिए प्रसिद्ध हैं।

ग. नैम्स की वित्तीय रिपोर्ट

भारत सरकार अनुदान

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा अकादमी को सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए स्वीकृत/ दिए गए सहायता अनुदान की स्थिति और उसके द्वारा गत 3 वर्षों (2022 - 23 से 2024 - 25) के दौरान किया गया व्यय निम्नानुसार हैः

(लाख रुपए में)

वर्ष	स्वीकृत अनुदान	प्राप्त अनुदान	व्यय (खरीदी गई परिसंपत्तियों सहित)
2022-23	220.00	220.00	219.44
2023-24	228.00	228.00	227.95
2024-25	300.00	300.00	299.98

वित्त

वर्ष 2024 - 25 के दौरान अध्येताओं और सदस्यों से आजीवन सदस्यता शुल्क के रूप में 69,49,369/- रुपए की राशि प्राप्त हुई। इसके अतिरिक्त 66.73 लाख रुपए की राशि बचत खाते और सावधि जमा पर ब्याज के द्वारा प्राप्त हुई।

लेखा

वर्ष 2024 - 25 के लिए लेखे की लेखापरीक्षा चार्टर्ड लेखाकार द्वारा पूरी कर ली गई है। परिषद ने लेखा विवरण को अनुमोदित किया है और 8 नवंबर, 2025 को आयोजित अपनी बैठक में इसे अनुलेखित किया है।

घ. लेखा

लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

अंसारी नगर, रिंग रोड, नई दिल्ली।

वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट

हमने राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) ("अकादमी") के संलग्न वित्तीय विवरण की लेखा परीक्षा की है जिसमें 31 मार्च, 2025 की यथास्थिति तुलन-पत्र और समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा, तथा महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और अन्य स्पष्टीकारक जानकारी का सारांश शामिल है।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

प्रबंधन इन वित्तीय विवरणों की तैयारी के लिए उत्तरदायी है जो, अकादमी के धर्मार्थ संस्था होने के कारण उस पर लागू, भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किए गए लेखांकन मानकों के अनुसार अकादमी की वित्तीय स्थिति, वित्तीय निष्पादन का सही और निष्पक्ष रूप प्रस्तुत करें। इस उत्तरदायित्व में वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रण की रूपरेखा, कार्यान्वयन और अनुरक्षण निहित है जो एक सच्चा और निष्पक्ष विचार दे और धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण सामग्री के ग़लत बयान से मुक्त हो।

लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारी

हमारा उत्तरदायित्व अपनी लेखापरीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करना है। हमने भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार अपनी लेखापरीक्षा की है। वे मानक अपेक्षा करते हैं कि हम नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन करें और इस बारे में, कि क्या वित्तीय विवरण गलत विवरण से मुक्त हैं, उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखापरीक्षा की योजना बनाएँ और निष्पादित करें।

लेखापरीक्षा में वित्तीय विवरणों में राशियों और प्रकटनों का समर्थन करने वाले लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त के लिए प्रक्रियाएँ शामिल होती है। चुनी गई प्रक्रियाएँ लेखा परीक्षकों के निर्णय, जिसमें धोखाधड़ी

या त्रुटि के कारण वित्तीय विवरणों के गलत विवरण के जोखिम का आकलन निहित है, पर निर्भर करती हैं । इस जोखिम का आकलन करते हुए लेखा परीक्षक अकादमी द्वारा वित्तीय विवरणों की तैयारी और सही प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रण को ध्यान में रखते हुए परिस्थितयों के अनुसार उपयुक्त लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं की रूपरेखा बनाता है। लेखापरीक्षा में प्रयुक्त लेखाकरण सिद्धांतों की उपयुक्ता का आकलन और प्रबंधन द्वारा बनाए गए महत्वपूर्ण लेखा अनुमानों का औचित्य तथा साथ ही समग्र वित्तीय विवरण के प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी शामिल होता है। हमें विश्वास है कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य पर्याप्त हैं और हमारी लेखापरीक्षा राय के लिए उचित आधार प्रदान करते हैं।

राय

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, वित्तीय विवरण भारत में साधारणतया स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुरूप सही और उचित दृश्य प्रस्तुत करते हैं:

क) तुलन-पत्र के मामले में अकादमी की 31 मार्च, 2025 की यथास्थिति कार्यकरण

ख) आय और व्यय लेखा के मामले में उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए व्यय की अपेक्षा आय का आधिक्य।

कृते मनोज गर्ग एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 009684एन

हस्ताक्षर
मनोज गर्ग
(स्वत्वधारी)
सदस्यता नंबर - 088420

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 01.09.2025

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2025 को यथास्थिति तुलन-पत्र

(राशि रुपए)

संचित निधि/पूंजी निधि और देयताएं	पृष्ठ संख्या	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
संचित/पूंजी निधि	3	1	12,29,43,483.58	11,19,70,168.66
प्रारक्षित निधि और अधिशेष	4	2	-	-
सरकारी निर्धारित निधि	5	3क	-	-
शैक्षणिक उत्कृष्टता मान्यता निधि	6	3ख	79,96,838.48	79,96,838.48
सुरक्षित ऋण और उधारी	7	4	-	-
असुरक्षित ऋण और उधारी	8	5	-	-
आस्थगित ऋण देयताएँ	8	6	-	-
चालू देयताएं और प्रावधान	9	7	10,35,718.00	10,72,177.00
जोड़			**13,19,76,040.06**	**12,10,39,184.14**
<u>परिसंपत्तियां</u>				
अचल परिसंपत्तियां (सरकारी अनुदान)	10	8	1,57,05,814.10	1,37,78,816.10
अचल परिसंपत्तियां (अकादमी)	10	8	13,31,793.00	1,37,78,816.10
निवेश - निर्धारित/धर्मादा निधि से	11	9	-	-
निवेश - अन्य	11	10	9,87,56,011.00	9,71,25,922.00
चालू परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिम आदि	12-13	11	1,61,82,421.96	1,01,34,446.04
विविध व्यय			-	-
जोड़			**13,19,76,040.06**	**12,10,39,184.14**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां		23		
आकस्मिक देयताएं और खातों पर नोट्स		24		

ह./-	ह./-	ह./-	ह./-
(डॉ. दिगंबर बेहरा)	(डॉ उमेश कपिल)	(ले.जन.(डॉ.) पी. पी. वर्मा)	(श्री अजय कुमार)
अध्यक्ष	**सचिव**	**कोषाध्यक्ष**	**लेखा अधिकारी**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते मनोज गर्ग एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
मनोज गर्ग
(स्वत्वधारी)

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 01.09.2025

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)
दिनांक 31 मार्च, 2025 को समाप्त अवधि/वर्ष के लिए
आय और व्यय लेखा (समेकित)

	पृष्ठ संख्या	अनुसूची	चालू वर्ष			पिछला वर्ष		
आय			असीमित निधि	सीमित निधि	कुल	असीमित निधि	सीमित निधि	कुल
बिक्री/ सेवाओं से आय	15	12	3,91,412.85	-	3,91,412.85	5,15,365.00	-	5,15,365.00
अनुदान/ सब्सिडी	15	13	-	3,00,00,000.00	3,00,00,000.00	-	2,28,00,000.00	2,28,00,000.00
शुल्क/ अभिदान	16	14	51,70,756.07	69,49,369.00	1,21,20,125.07	45,54,749.64	63,98,248.00	1,09,52,997.64
निवेश से आय (निवेश, निर्धारित/धर्मादा निधि, हस्तांतरित निधियाँ)	17	15	-	-	-	-	-	-
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	17	16	-	-	-	-	-	-
अर्जित ब्याज	18	17	66,73,1615.00	1,19,880.00	67,93,495.00	53,56,117.00	55,464.00	54,11,581.00
अन्य आय	18	18	41,69,442.00	-	41,69,442.00	26,26,765.48	-	26,26,765.48
तैयार माल के स्टॉक में वृद्धि (कमी) और कार्य प्रगति पर	19	19	-	-	-	-	-	-
जोड़ (क)			**1,64,05,225.92**	**3,70,69,249.00**	**35,34,74,474.92**	**1,30,52,997.12**	**2,92,53,712.00**	**4,23,06,709.12**
व्यय								
स्थापना व्यय	19	20	61,05,391.00	1,60,00,000.00	2,21,05,391.00	55,74,338.00	1,43,00,000.00	1,98,74,338.00
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	20	21	82,10,087.00	24,55,833.00	1,06,65,920.00	66,22,720.55	44,44,454.00	1,09,67,174.55
अनुदान/ सब्सिडी आदि पर व्यय	21	22	-	85,44,167.00	85,44,167.00	-	30,55,546.00	30,55,546.00
ब्याज	21	23	-	-	-	-	-	-
पूंजीगत व्यय	10	8	-	29,98,901.00	29,98,901.00	-	9,95,411.00	9,95,411.00
अव्ययित अनुदान, व्याज वापसी			-	1,20,979.00	1,20,979.00	-	60,053.00	60,053.00

मूल्यह्यास (वर्ष के अंत में निवल जमा अनुसूची 8 के अनुसार)		-	-	-	-	-	-
जोड़ (ख)		**1,43,15,478.00**	**3,01,19,880.00**	**4,44,35,358.00**	**1,20,97,058.55**	**2,28,55,464.00**	**3,49,52,522.55**
व्यय की तुलना में आय के आधिक्य का शेष (क - ख)		20,89,747.92	69,49,369.00	90,39,116.92	9,55,938.57	63,98,248.00	73,54,186.57
आजीवन सदस्यता शुल्क कोष में हस्तांतरित		-	69,49,369.00	69,49,369.00	-	63,98,248.00	63,98,248.00
सामान्य आरक्षित से / को अंतरण							
अधिशेष/(कमी) का शेष संचित/ पूंजी निधि को अग्रेनीत		**20,89,747.92**	**-**	**20,89,747.92**	**9,55,938.57**	**-**	**9,55,938.57**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ	23						
आकस्मिक देयताएं और लेखा टिप्पणियां	24						

ह./-	ह./-	ह./-	ह./-
(डॉ. दिगंबर बेहरा)	(डॉ उमेश कपिल)	(ले.जन.(डॉ.) पी. पी. वर्मा)	(श्री अजय कुमार)
अध्यक्ष	सचिव	कोषाध्यक्ष	लेखा अधिकारी

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते मनोज गर्ग एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
मनोज गर्ग
(स्वत्वधारी)

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 01.09.2025

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2025 की यथास्थिति तुलन-पत्र का भाग होने वाले अनुसूचियां

अनुसूची 1 - संचित/ पूंजी निधि

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
1. नैम्स समग्र निधि				
वर्ष के प्रारंभ में शेष	2,02,92,639.56		1,93,36,700.99	
जोड़ेः आय व व्यय लेखा अधिशेष	20,89,747.92	2,23,82,387.48	9,55,938.57	2,02,92.639.56
2. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय सरकारी पूंजी संपत्ति निधि				
पिछले लेखे के अनुसार	1,37,78,816.10		1,37,70,651.10	
जोड़ेः सीएमई कार्यक्रमों के अधीन पूंजी परिसंपत्ति	29,98,901.00		9,95,411.00	
घटाएः कबाड़/ चोरी से गुम/ अवमूल्यन परिसंपत्ति	-10,71,903.00	1,57,05,814.00	-9,87,246.00	1,37,78,816.10
3. नैम्स कर्मचारी हितकारी निधि				
पिछले लेखे के अनुसार	11,59,256.00		11,52,056.00	
वर्ष के दौरान जमा	7,200.00		7,200.00	
घटाएः वर्ष के दौरान कटौतियाँ	-	11,66,456.00	-	11,59,256.00
4. आजीवन सदस्यता निधि				
पिछले लेखे के अनुसार	7,67,39,457.00		7,03,41,209.00	
वर्ष के दौरान जमा	69,49,369.00	8,36,88,826.00	63,98,248.00	
			-	7,67,39,457.00
वर्ष के अंत में शेष		**12,29,43,488.58**		**11,19,70,168.66**

ह./-	ह./-	ह./-	ह./-
(डॉ. दिगंबर बेहरा)	(डॉ उमेश कपिल)	(ले.जन.(डॉ.) पी.पी. वर्मा)	(श्री अजय कुमार)
अध्यक्ष	**सचिव**	**कोषाध्यक्ष**	**लेखा अधिकारी**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते मनोज गर्ग एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
मनोज गर्ग
(स्वत्वधारी)

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 01.09.2025

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2025 की यथास्थिति तुलन-पत्र का भाग होने वाले अनुसूचियां

(राशि रुपए)

अनुसूची - 3क - सरकारी निर्धारित निधि	**निधि वार ब्यौरा**				**कुल**	
	ब्याज	**सामान्य**	**वेतन**	**पूंजी**	**चालू वर्ष**	**गत वर्ष**
क. निधियों का प्रारंभिक शेष						-
ख. निधि में वृद्धि						
1) अनुदान (स्वा.मंत्रालय, भारत सरकार से)	-	1,10,00,000.00	1,60,00,000.00	30,00,000.00	3,00,00,000.00	2,28,00,000.00
2)निधि के खातों में किए गए निवेश से आय	1,19.880.00	-			1,19,880.00	55,464.00
3) अन्य वृद्धि	-					
कुल (क +ख)	**1,19.880.00**	**1,10,00,000.00**	**1,60,00,000.00**	**30,00,000.00**	**3,01,19,880.00**	**2,28,55,464.00**
ग. निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोग/ व्यय						
1. पूंजीगत व्यय						
• अचल संपत्तियाँ				29,98,901.00	29,98,901.00	9,95,411.00
• अन्य						
कुल						
2. राजस्व व्यय						
• वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि			1,60,00,000.00		1,60,00,000.00	1,43,00,000.00
• किराया						
• अन्य प्रशासनिक व्यय		1,10,00,000.00			1,10,00,000.00	75,00,000.00
• अव्ययित अनुदान/ ब्याज वापसी	1,19.880.00			1,099.00	1,20,979.00	60,053.00
कुल (ग)	**1,19.880.00**	**1,10,00,000.00**	**1,60,00,000.00**	**30,00,000.00**	**3,01,19,880.00**	**2,28,55,464.00**
वर्ष के अंत में शुद्ध शेष (क + ख + ग)	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**

ह./-	ह./-	ह./-	ह./-
(डॉ. दिगंबर बेहरा)	(डॉ उमेश कपिल)	(ले.जन.(डॉ.) पी.पी. वर्मा)	(श्री अजय कुमार)
अध्यक्ष	**सचिव**	**कोषाध्यक्ष**	**लेखा अधिकारी**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते मनोज गर्ग एंड एसोसिएट्, चार्टर्ड लेखाकार
मनोज गर्ग (स्वत्वधारी)

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 01.09.2025

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)
दिनांक 31 मार्च, 2025 की यथास्थिति तुलन-पत्र का भाग होने वाले अनुसूचियां

अनुसूची 7 – वर्तमान देनदारियाँ एवं प्रावधान

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
क. वर्तमान देनदारियाँ				
1. स्वीकृतियाँ				
2. विविध लेनदार				
- माल के लिए	1,802.00			
- अन्य	27,110.00	28912.00		
3. प्राप्त अग्रिम	-			
4. उपार्जित लेकिन देय नहीं ब्याज	-			
- सुरक्षित ऋण/उधार	-			
- असुरक्षित ऋण/उधार				
5. वैधानिक देनदारियाँ	-			
- अतिदेय	-			
- अन्य				
6. अन्य देनदारियाँ				
- अव्ययित अनुदान/ देय ब्याज			60,053.00	
- कटौती योग्य टीडीएस	6,806.00		12,124.00	
- देय सेवानिवृति लाभ	10,00,000.00	10,06,806.00	10,00,000.00	10,72,177.00
जोड़ (क)		**10,35,718.00**		**10,72,177.00**
ख. प्रावधान				
- कराधान के लिए				
- ग्रेच्युटी				
- अधिवर्षिता/ पेंशन				
- संचित अवकाश नकदीकरण				
- अन्य (निर्दिष्ट करें)				
जोड़ (ख)		-	-	-
जोड़ (क + ख)		**10,35,718.00**	-	**10,72,177.00**

ह./-	ह./-	ह./-	ह./-
(डॉ. दिगंबर बेहरा)	(डॉ उमेश कपिल)	(ले.जन.(डॉ.) पी.पी. वर्मा)	(श्री अजय कुमार)
अध्यक्ष	**सचिव**	**कोषाध्यक्ष**	**लेखा अधिकारी**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते मनोज गर्ग एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
मनोज गर्ग
(स्वत्वधारी)

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 01.09.2025

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2025 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 8 - अचल परिसंपत्तियाँ (सरकारी अनुदान)

(राशि रुपए)

विवरण		सकल ब्लॉक						मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
		वर्ष के प्रारंभ में लागत/ मूल्यांकन	सितंबर 2025 के दौरान वृद्धियां	सितंबर 2025 के पश्चात वृद्धियां	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत में लागत/ मूल्यांकन	दर	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान वृद्धियों पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष के अंत तक जोड़	चालू वर्ष के अंत में	पिछले वर्ष के अंत में
क	**अचल परिसंपत्तियां**												
1.	**भूमिः**												
	फ्रीहोल्ड												
	पट्टाधारित	97,405.00	-		-	97,405.00					-	97,405.00	97,405.00
2.	**इमारतः**												
	फ्रीहोल्ड भूमि												
	पट्टाधारित भूमि	82,84,244.41	-		-	82,84,244.41					-	82,84,244.41	82,84,244.41
3.	संयत्र, मशीनरी और उपस्कर	5,69,026.12	15,677.00		-	5,84,703.12	15	85,354.00	2,352.00		87,706.00	4,96,997.12	5,69,026.12
4	वाहन	1,95,771.92	-		-	1,95,771.92	15	29,366.00	-		29,366.00	1,66,405.92	1,95,771.92

(राशि रुपए)

विवरण		सकल ब्लॉक						मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
		वर्ष के प्रारंभ में लागत/ मूल्यांकन	सितंबर 2025 के दौरान वृद्धियां	सितंबर 2025 के पश्चात वृद्धियां	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत में लागत/ मूल्यांकन	दर	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान वृद्धियों पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष के अंत तक जोड़	चालू वर्ष के अंत में	पिछले वर्ष के अंत में
5.	फर्नीचर, जुड़नार	16,62,950.51		2,31,100.00	-	18,94,050.51	10	1,66,295.00	11,555.00		1,77,850.00	17,16,200.51	16,62,950.51
6.	कार्यालय उपस्कर	11,64,871.83	1,02,799.00		10,000.00	12,57,670.83	15	1,74,731.00	13,920.00		1,88,651.00	10,69,019.83	11,64,871.83
7.	कंप्यूटर/ पेरिफेरल्स	6,04,113.87	55,289.00	6,58,158.00	-	13,17,560.87	40	2,41,646.00	1,53,747.00		3,95,393.00	9,22,167.87	6,04,113.87
8.	विद्युत संस्थापनाएं	32,856.94	-		-	32,856.94	10	3,286.00			3,286.00	29,570.94	32,856.94
9.	वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग इकाई	7,58,223.26	-	4,66,431.00	-	12,24,654.26	15	11,13,733.00	34,892.00		1,48,715.00	10,75,939.26	7,58,223.26
10.	अन्य अचल परिसंपत्तियां	3,97,897.24	-		-	3,97,897.24	10	39,790.00	-		39,790.00	3,58,107.24	3,97,897.24
11.	मोबाइल फोन	11,455.00			-	11,455.00	10	1,146.00	-		1,146.00	10,309.00	11,455.00
चालू वर्ष का योग		**1,37,78,816.10**	**1,73,765.00**	**13,55,689.00**	**10,000.00**	**1,52,98,270.10**		**8,55,347.00**	**2,16,556.00**	**-**	**10,71,903.00**	**1,42,26,367.10**	**1,37,78,816.10**
पिछला वर्ष		1,38,37,180.10	2,49,229.00	6,95,654.00	-	1,47,82,063.10		8,90,293.00	1,21,119.00	-	9,87,246.00	1,37,70,651.10	-
ख	सभागार एसी			14,79,447.00								14,79,447.00	

(राशि रुपए)

विवरण	सकल ब्लॉक						मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
	वर्ष के प्रारंभ में लागत/ मूल्यांकन	सितंबर 2025 के दौरान वृद्धियां	सितंबर 2025 के पश्चात वृद्धियां	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत में लागत/ मूल्यांकन	दर	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान वृद्धियों पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष के अंत तक जोड़	चालू वर्ष के अंत में	पिछले वर्ष के अंत में
संयंत्र												
जोड़	**1,37,78,816.10**	**1,73,765.00**	**28,35,136.00**	**10,000.00**	**1,52,98,270.10**		**8,55,347.00**	**2,16,556.00**	**-**	**10,71,903.00**	**1,57,05,814.10**	**1,37,78,816.10**
ग अचल परिसंपत्तियां (अकादमी) सभागार कक्ष ध्वनि व्यवस्था	15,66,815.00				15,66,815.00	15	-	2,35,022.00		2,35,022.00	13,31,793.00	
	15,66,815.00				**15,66,815.00**	**-**	**-**	**2,35,022.00**		**2,35,022.00**	**13,31,793.00**	**-**

ह./-
(डॉ. दिगंबर बेहरा)
अध्यक्ष

ह./-
(डॉ उमेश कपिल)
सचिव

ह./-
(ले.जन.(डॉ.) पी.पी. वर्मा)
कोषाध्यक्ष

ह./-
(श्री अजय कुमार)
लेखा अधिकारी

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते मनोज गर्ग एंड एसोसिएट्, चार्टर्ड लेखाकार

मनोज गर्ग (स्वत्वधारी)

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 01.09.2025

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2025 की यथास्थिति तुलन-पत्र का भाग होने वाले अनुसूचियां

(राशि रुपए)

अनुसूची - 9 निर्धारित/ धर्मादा निधि से निवेश	**चालू वर्ष**	**पिछला वर्ष**
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
2.अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियाँ	-	-
3.शेयर	-	-
4. ऋणपत्र और बांड	-	-
5.सहायक कंपनियाँ और संयुक्त उद्यम	-	-
6. अन्य (निर्दिष्ट किया जाए)	-	-
कुल	-	-
अनुसूची - 10 निवेश - अन्य	**चालू वर्ष**	**पिछला वर्ष**
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
2. अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियाँ	-	-
3. शेयर	-	-
4. ऋणपत्र और बांड	-	-
5. सहायक कंपनियाँ और संयुक्त उद्यम	-	-
6. अन्य (निर्दिष्ट किया जाए) अनुसूचित बैंकों के साथ एफडीआर	-	-
क. शैक्षणिक उत्कृष्टता मान्यता निधि	79,96,258.00	79,96,257.00
ख. परोपकारी निधि	13,39,473.00	12,27,348.00
ग. सेवानिवृत्ति लाभ निधि	10,70,280.00	10,00,000.00
घ. आजीवन सदस्यता समग्र निधि	7,75,50,000.00	7,61,02,317.00
ड़. नैम्स समग्र निधि	1,08,00,000.00	1,08,00,000.00
कुल	**9,87,56,011.00**	**9,71,25,922.00**

ह./-	ह./-	ह./-	ह./-
(डॉ. दिगंबर बेहरा)	(डॉ उमेश कपिल)	(ले.जन.(डॉ.) पी.पी. वर्मा)	(श्री अजय कुमार)
अध्यक्ष	**सचिव**	**कोषाध्यक्ष**	**लेखा अधिकारी**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते मनोज गर्ग एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
मनोज गर्ग
(स्वत्वधारी)

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 01.09.2025

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी(भारत)
दिनांक 31 मार्च, 2025 की यथास्थिति तुलनपत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 11 – चालू परिसंपत्तियां, ऋण,अग्रिम आदि

(राशिरुपए)

	चालूवर्ष		**पिछलावर्ष**	
क. चालूपरिसंपत्तियां				
क. **वर्तमान संपत्ति**				
1. सूची				
क)भंडार और पुर्जे	-		-	
ख)ढीले उपकरण	-		-	
ग)बिक्री के लिए माल				
तैयार माल	-		-	
कार्य प्रगति पर है	-		-	
कच्चा माल	-		-	
2. विविध देनदार				
क) छह महीने की अवधि तक के लिए बकाया ऋण	-		-	
ख) अन्य	-		-	
3. हस्तगत नकद शेष (चेक/ ड्राफ्ट और अग्रदाय सहित)	30,088.00	30,088.00	15,628.00	15,628.00
4. बैंक शेष				
क) अनुसूचित बैंकों के साथ:				
• चालू खातों पर	-		-	
• जमा खातों पर (मार्जिन राशि सहित)	-		-	
• बचत खाते पर (सरकारी अनुदान)			60,053.00	60,053.00
• बचत खातों पर (नैम्स)	68,30,075.29	68,30,075.29	4,77,749.89	5,37,802.89
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के साथ:				
• चालू खातों पर				
• जमा खातों पर (मार्जिन राशि सहित)	-	-	-	-
	-	-	-	-
• बचत खाते पर-				
5. डाकघर बचत खाते				
जोड़ (क)		**68,60,163.29**		**5,53,430.89**

ह./-	ह./-	ह./-	ह./-
(डॉ. दिगंबर बेहरा)	(डॉ उमेश कपिल)	(ले.जन.(डॉ.) पी.पी. वर्मा)	(श्री अजय कुमार)
अध्यक्ष	सचिव	कोषाध्यक्ष	लेखा अधिकारी

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते मनोज गर्ग एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
मनोज गर्ग
(स्वत्वधारी)

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 01.09.2025

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी(भारत)

दिनांक 31 मार्च,2025 की यथास्थिति तुलनपत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

(राशिरुपए)

	चालूवर्ष		पिछलावर्ष	
ख. **ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियां**				
1. ऋण				
क कर्मचारी				
ख संस्था के समान गतिविधियों/उद्देश्यों में लगी हुई अन्य संस्थाएं				
ग अन्य निर्दिष्ट करें				
2. नकद या वस्तु के रूप में या प्राप्त होने वाले मूल्य के लिए वसूली योग्य अग्रिम और अन्य राशियाँ				
क, पूंजी खाते पर				
ख. पूर्वभुगतान वसूली				
ग. व्यय वसूली				
-राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड से बकाया (अनुलग्नक)	45,000.00			
घ. अन्य (सुरक्षा जमा)	20,30,827.00		26,26,765.48	
सुरक्षा जमा				
एम.टी.एन.एल				
विद्युत			200.00	
3. अर्जित आय	1,44,000.00	22,19,827.00	1,44,000.00	27,70,965.48
क. निर्धारित/धर्मादा निधि से निवेश पर				
ख. निवेश पर - अन्य				
ग. ऋण और अग्रिम पर (अप्राप्त देय आय –रु... शामिल करें)	1,44,000.00	71,02,431.67	68,10,049.67	68,10,049.67
4. प्राप्य दावे				
जोड़ (ख)		93,22,258.67		95,81,015.15
जोड़ (क + ख)		1,61,82,421.96		1,01,34,446.04

ह./-	ह./-	ह./-	ह./-
(डॉ. दिगंबर बेहरा)	(डॉ उमेश कपिल)	(ले.जन.(डॉ.) पी.पी. वर्मा)	(श्री अजय कुमार)
अध्यक्ष	सचिव	कोषाध्यक्ष	लेखा अधिकारी

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते मनोज गर्ग एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
मनोज गर्ग
(स्वत्वधारी)

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 01.09.2025

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए लेखाओं का भाग बनने वाली अनुसूची

अनुसूची-24 - आकस्मिक देयताएँ और लेखा टिप्पणियाँ

1. संस्था का स्वरूप

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी, संस्था पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत पंजीकृत एक संस्था है, जो स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता, चिकित्सा शिक्षा, व्यावसायिक विकास, सामुदायिक स्वास्थ्य शिविर और आउटरीच कार्यक्रमों में संलग्न है। यह एक गैर-लाभकारी संगठन (एनपीओ) के रूप में कार्य करती है।

2. सावधि जमा और अर्जित ब्याज

अकादमी ने राष्ट्रीयकृत/ अनुसूचित बैंकों में सावधि जमाएँ की हैं। उपार्जन आधार पर, 31 मार्च 2025 तक इन एफडीआर पर अर्जित लेकिन प्राप्त नहीं हुआ ब्याज ₹_71,02,432/- है।

(गत वर्ष 68,10,050/-) और इसे वर्ष के लिए आय के रूप में मान्यता दी गई है। अर्जित ब्याज का एफडीआर-वार विवरण नहीं दिया गया है। यह शेष राशि समाधान और पुष्टि के अधीन है।

3. अनुदान उपयोग

वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान ₹_3,00,00,000 (गत वर्ष 2,28,00,000) को आय के रूप में दर्शाया गया है। ₹120,979 (गत वर्ष 60,053) की राशि **अप्रयुक्त** रह गई है और उसे वापस कर दिया गया है तथा विचाराधीन वर्ष के दौरान व्यय के रूप में दर्शाया गया है।

4. आजीवन अंशदान कोष दान

वर्ष के दौरान ₹92,65,825 (गत वर्ष 85,30,998/-) का आजीवन अंशदान कोष प्राप्त हुआ। इसमें से 75% आजीवन अंशदान कोष, जिसकी राशि ₹69,49,369 (वार्षिक वर्ष 63,98,248/-) है, अकादमी के उपनियमों के अनुसार विचाराधीन वर्ष के दौरान आजीवन अंशदान कोष में स्थानांतरित कर दिया गया है। वर्ष के दौरान एफसीआरए के अंतर्गत विदेशी स्रोतों से कोई अंशदान नहीं प्राप्त हुआ है।

5. संबंधित पक्ष लेन-देन

वर्ष के दौरान पदाधिकारियों द्वारा आधिकारिक कार्यों के लिए किए गए वास्तविक व्यय की प्रतिपूर्ति के अलावा कोई संबंधित पक्ष लेन-देन नहीं किया गया।

6. एनबीई व्यय की प्रतिपूर्ति

अकादमी के दो भवन हैं, जिन्हें पुराना सभागार और नया भवन, श्रीमती कमला रहेजा सभागार और जे.एस.बी. बहु-व्यावसायिक शिक्षा केंद्र के नाम से जाना जाता है।

अकादमी और राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई) भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा अनुमोदित नियमों और शर्तों के अनुसार पुराने भवन के आवास को साझा कर रहे हैं। अकादमी सभी रखरखाव व्यय वहन कर रही है, और उन व्ययों का 50% एनबीई से व्ययों की प्रतिपूर्ति के रूप में वसूल किया जाता है।

7. चालू परिसंपत्तियाँ, ऋण और अग्रिम

प्रबंधन की राय में, चालू परिसंपत्तियों, ऋणों और अग्रिमों का सामान्य व्यावसायिक क्रम में प्राप्ति पर मूल्य कम से कम तुलन पत्र में दर्शाई गई कुल राशि के बराबर है।

8. कर छूट

यह संस्था आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 12एबी के अंतर्गत पंजीकृत है। आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कोई कर योग्य आय न होने के कारण, आयकर के लिए कोई प्रावधान आवश्यक नहीं समझा गया है।

9. आकस्मिक देयताएँ

31 मार्च 2025 तक कोई आकस्मिक देयताएँ नहीं हैं। (गत वर्ष आयकर 91,60,454/-)

10. तुलनात्मक आँकड़े

गत वर्ष के लिए प्रस्तुत किए गए आँकड़ों को, जहाँ आवश्यक हो, पुनर्समूहित/ पुनर्व्यवस्थित किया गया है ताकि उन्हें चालू वर्ष की प्रस्तुति के साथ तुलनीय बनाया जा सके।

11. तुलन पत्र और आय-व्यय खाते का भाग बनने वाली अनुसूचियाँ

31.03.2025 तक के तुलन पत्र और उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए आय-व्यय खाते के साथ अनुसूची 1 से 24 संलग्न हैं और उसका अभिन्न अंग हैं।

ड़ 1 अप्रैल, 2025 से 30 सितम्बर, 2025 तक नैम्स गतिविधियों की मुख्य विशेषताएं

1 अप्रैल, 2025 से 30 सितम्बर, 2025 तक नैम्स गतिविधियों की मुख्य विशेषताएं

1. परिषद की चार बैठकें हो चुकी हैं: 21 अप्रैल, 2025, 16 अगस्त, 2025, 1 सितम्बर, 2025, 15 सितम्बर, 2025, 22 सितम्बर, 2025 को विशेष परिषद बैठक।

2. वर्ष 2025 के दौरान परिषद के जो सदस्य अपना कार्यकाल पूरा करने के पश्चात सेवानिवृत्त हुए, और जिन्हें परिषद के सदस्य के रूप में चुना गया, उनकी सूची निम्नलिखित है।

सेवानिवृत्त सदस्य	निर्वाचित सदस्य
1. डॉ. राकेश अग्रवाल	1. डॉ. राकेश अग्रवाल
2. डॉ. नीरजा भाटला	2. डॉ. पीयूष गुप्ता
3. डॉ. ओ. पी. कालरा	3. डॉ. अमिता जैन
4. डॉ. एस. एम. बोस	4. डॉ. भगवंत राय मित्तल
5. डॉ. प्रमोद कुमार गर्ग	5. डॉ. एस. एम. बोस

3. 21 अप्रैल, 2025 को नैम्स हाउस, नई दिल्ली में आयोजित 65वें स्थापना दिवस पर नैम्स की रिपोर्ट

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) का 65वां स्थापना दिवस 21 अप्रैल, 2025 को सायं 5.00 बजे नैम्स सभागार, नई दिल्ली में मनाया गया। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री तथा पंचायती राज राज्य मंत्री माननीय प्रो. सत्यपाल सिंह बघेल जी मुख्य अतिथि थे। एम्स, नई दिल्ली के निदेशक डॉ. एम. श्रीनिवास और पीजीआईएमईआर के निदेशक डॉ. विवेक लाल विशिष्ट अतिथि थे।

लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. वेलु नायर, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम** (सेवानिवृत्त), नैम्स के नवनिर्वाचित अध्यक्ष, ने गणमान्य व्यक्तियों और अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. दिगंबर बेहरा, अध्यक्ष, नैम्स ने अपने संबोधन में नैम्स के ऐतिहासिक विकास, इसकी शैक्षणिक उपलब्धियों, नई पहलों और नैम्स के भविष्य के दृष्टिकोण का वर्णन किया। डॉ. एम. श्रीनिवास, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली ने अपने संबोधन में इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रख्यात चिकित्सा और जैव चिकित्सा स्वास्थ्य पेशेवरों का विशाल समूह, जिसमें नैम्स के अध्येता और सदस्य शामिल हैं, देश में चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए सबसे मूल्यवान संसाधन है। उन्होंने संयुक्त शैक्षणिक गतिविधियों के लिए एम्स संकाय के समर्थन

का आश्वासन दिया। डॉ. विवेक लाल, निदेशक, पीजीआईएमईआर ने अपने संबोधन में मेडिकल छात्रों के बीच मूल्यों और कौशल निर्माण के महत्व पर बल दिया।

माननीय मुख्य अतिथि प्रो. सत्यपाल सिंह बघेल जी, केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री; तथा पंचायती राज राज्य मंत्री, ने चिकित्सा एवं जैव चिकित्सा वैज्ञानिकों के बीच उत्कृष्टता को मान्यता देने और देश में सतत चिकित्सा शिक्षा को बढ़ावा देने में राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कोविड महामारी के दौरान रोगियों और समुदायों की सेवा के प्रति चिकित्सा एवं पैरामेडिकल पेशेवरों की प्रतिबद्धता और समर्पण की भी सराहना की। उन्होंने भारत सरकार के विभिन्न स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों के अंतर्गत प्रमुख सेवाओं, जैसे राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और आयुष्मान भारत, पर भी प्रकाश डाला।

गणमान्य व्यक्तियों ने निम्नलिखित प्रख्यात चिकित्सा एवं जैव-चिकित्सा वैज्ञानिकों को भी सम्मानित किया:

डॉ. जी. पी. तलवार, पूर्व आचार्य एवं जैव-रसायन विभागाध्यक्ष, एम्स, संस्थापक निदेशक, राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, अनुसंधान निदेशक, तलवार अनुसंधान फाउंडेशन, 2000 से आगे।

डॉ. के. के. तलवार, प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ, भारतीय चिकित्सा परिषद के पूर्व अध्यक्ष, एम्स, नई दिल्ली में हृदय रोग विभाग के पूर्व अध्यक्ष और स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पीजीआईएमईआर), चंडीगढ़ के निदेशक।

डॉ. एन. के. गांगुली, पूर्व महानिदेशक (आईसीएमआर), विजिटिंग प्रोफेसर ऑफ एमिनेंस, जैव चिकित्सा अनुसंधान नीति केंद्र, ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट, फरीदाबाद, भारत, मानद वरिष्ठ अनुसंधान प्रोफेसर (नैदानिक अनुसंधान), यकृत एवं पित्त विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, और आचार्य (जीआरआईपीएमईआर), गंगा राम स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली।

डॉ. सरोज चूड़ामणि गोपाल, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली की देश की पहली महिला एम.सी.एच. बाल शल्य चिकित्सक, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के चिकित्सा संकाय की संकायाध्यक्ष, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू), लखनऊ की पूर्व कुलपति, राष्ट्रीय चिकित्सा अकादमी की पूर्व अध्यक्ष।

नैम्स की उपाध्यक्ष डॉ. नीरजा भाटला ने गणमान्य व्यक्तियों और अतिथियों का धन्यवाद किया।

21 अप्रैल 2025 को राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) के स्थापना दिवस व्याख्यान

नैम्स स्थापना दिवस समारोह में, नैम्स परिवार के सदस्यों, प्रख्यात राष्ट्रीय चिकित्सा और जैव चिकित्सा पेशेवरों, राष्ट्रीय व्यावसायिक संगठनों और राष्ट्रीय अकादमियों के अध्यक्षों को आमंत्रित किया गया है।

21 अप्रैल 2025 को राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी सभागार में आयोजित राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) के 65वें स्थापना दिवस के अवसर पर स्तन कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर पर नैम्स स्थापना दिवस व्याख्यान आयोजित किए गए जिससे आम जनता और कॉलेज के छात्रों में इन महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दों के बारे में जागरूकता उत्पन्न की जा सके।

भारत में महिलाओं में स्तन कैंसर सबसे आम कैंसर है, जो सभी महिला कैंसर मामलों का लगभग 25% है। हाल के वर्षों में महिला स्तन कैंसर की आयु - मानकीकृत घटना दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। युवा भारतीय महिलाओं (30 से 40 वर्ष की आयु के बीच) में घटनाओं में वृद्धि का एक चिंताजनक रुझान है। डॉ. एस. एम. बोस, वरिष्ठ सलाहकार, जनरल सर्जरी, फोर्टिस मोहाली अस्पताल, पूर्व वरिष्ठ आचार्य और पीजीआई के सर्जरी प्रमुख, ने स्तन कैंसर विषय पर नैम्स स्थापना दिवस व्याख्यान दिया।

स्तन कैंसर के बाद, भारत में महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर दूसरा सबसे आम कैंसर है। यह भारत में महिलाओं में कैंसर से होने वाली मौतों का एक प्रमुख कारण है। वैश्विक सर्वाइकल कैंसर के बोझ में भारत का एक बड़ा हिस्सा है। 2020 में, भारत में सर्वाइकल कैंसर के 123,907 नए मामले सामने आए और 77,348 मौतें हुईं। ह्यूमन पेपिलोमावायरस (एचपीवी) संक्रमण, विशेष रूप से एचपीवी प्रकार 16 और 18, सर्वाइकल कैंसर का प्रमुख कारण है। सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम में अग्रणी कार्य के लिए पद्मश्री से सम्मानित और एम्स, दिल्ली में प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की पूर्व अध्यक्ष डॉ. नीरजा भटला ने नैम्स के स्थापना दिवस पर सर्वाइकल कैंसर की पहचान, रोकथाम और प्रबंधन विषय पर व्याख्यान दिया।

एमएनएएमएस और सह सदस्यों के लिए स्क्रॉल वितरण

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) के 65वें स्थापना दिवस के अवसर पर 21 अप्रैल 2025 को नवनिर्वाचित एमएनएएमएस और सह सदस्यों के लिए स्क्रॉल वितरण समारोह आयोजित किया गया।

नैम्स के अध्यक्ष डॉ. दिगंबर बेहरा और नैम्स के निर्वाचित अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. वेलु नायर, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम** (सेवानिवृत्त) ने समारोह के दौरान 30 एमएनएएमएस और 10 सह सदस्यों को स्क्रॉल वितरित किए।

4, "बच्चों में अस्थमा और एक्ज़िमा के प्रबंधन का एक नया तरीका: वनसाइज़फ़िट्स1" पर अतिथि व्याख्यान

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) ने 6 अगस्त 2025 को डॉ. सोमनाथ मुखोपाध्याय, नैदानिक एवं प्रायोगिक चिकित्सा विभागाध्यक्ष, बाल रोग विभागाध्यक्ष, ब्राइटन एवं ससेक्स मेडिकल स्कूल, यूके द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया।

नैम्स के अध्यक्ष डॉ. दिगंबर बेहरा ने विशिष्ट वक्ता डॉ. सोमनाथ मुखोपाध्याय का स्वागत किया और उनका परिचय कराया। डॉ. के. के. तलवार ने अपने उद्घाटन भाषण में इस बात पर प्रकाश डाला कि एलर्जी संबंधी रोगों में त्वचा अवरोधन कार्य और अन्य जीन भिन्नता की भूमिका पर प्रोफेसर सोमनाथ मुखोपाध्याय के शोध कार्य बाल रोग अस्थमा और एक्ज़िमा के प्रबंधन में परिवर्तन लाए हैं। व्याख्यान में रॉयल एलेक्जेंड्रा चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल (ब्राइटन, यूके) में एक नए व्यक्ति - केंद्रित नैदानिक दृष्टिकोण की स्थापना के लिए उनके शोध साक्ष्य पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिससे 6 महीने से कम आयु के बच्चों की देखभाल के प्रावधान में परिवर्तन आया। रॉयल एलेक्जेंड्रा चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल के साथ साझेदारी में बीएसएमएस के शोधकर्ता वर्तमान में शोध में जनभागीदारी के महत्व का पता लगा रहे हैं। यह शोध एलर्जी, अस्थमा और एक्जिमा से पीड़ित बच्चों को प्रभावित करने वाले आनुवंशिक और पर्यावरणीय कारकों के अनूठे अंतर्संबंध को समझने का प्रयास करता है।

डॉ. वाई. के. गुप्ता ने सत्र का संचालन किया।

5. नैम्स परिवार के सदस्य - 2025

निम्नलिखित प्रतिष्ठित वैज्ञानिक नैम्स परिषद द्वारा अनुमोदित विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत नैम्स परिवार के सदस्य बन गए हैं:

क. अध्येता (एफएएमएस) – 58

ख. सदस्य (एमएएमएस) – 153

ग. सह अध्येता (सह एफएएमएस) – 21

घ. डीएनबी उत्तीर्ण करने के बाद सदस्य (एमनैम्स) – 380

ङ. सह सदस्य (सह) – 12

च. अंतर्राष्ट्रीय अध्येता (अंतर्राष्ट्रीय एफएएमएस) – 3

6. नैम्स कार्य दल

नैम्स परिषद ने भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए नीति पत्र तैयार करने के लिए विभिन्न कार्य दलों को स्वीकृति दी थी।

1 अप्रैल से सितम्बर 2025 तक नैम्स के वर्ष वृत्तांत में निम्नलिखित कार्य दल रिपोर्ट प्रकाशित की गईं:

1. गुख कैंसर पर कार्य दल रिपोर्ट
2. रोगाणुरोधी प्रतिरोध
3. भारत में स्तन कैंसर

7. **नैम्स- एम्स- पीजीआईएमईआर नेविगेट - मेडिको सीएमई**

नेविगेट-मेडिको सीएमई कार्यक्रम देश भर के चिकित्सा महाविद्यालयों/ संस्थानों का एक नेटवर्क विकसित करने के उद्देश्य से आरंभ किया गया था जिससे स्नातकोत्तर छात्रों में दक्षताओं के विकास में सहायता मिल सके और एक ई-लाइब्रेरी विकसित की जा सके।

एम्स, नई दिल्ली, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ और प्रख्यात चिकित्सा वैज्ञानिकों के सहयोग से नैम्स दो घंटे की अवधि के ऑनलाइन विषय-आधारित व्याख्यान सत्र आयोजित करता है।

30 सितंबर 2025 तक, नैम्स ने 8 सत्र आयोजित किए हैं; इन सत्रों के वीडियो यूट्यूब और नैम्स वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

8. **नैम्सकॉन-2025** का आयोजन 7 नवंबर, 2025 से 9 नवंबर, 2025 तक स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान चंडीगढ़ में किया जाएगा। ।

9. **नेतृत्व विकास (लीड):** नैम्स ने एम्स, मेडिकल कॉलेजों और राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों के निदेशकों, संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों और वरिष्ठ संकाय सदस्यों के लिए नेतृत्व विकास (लीड) कार्यक्रम की एक महत्वपूर्ण पहल आरंभ की है। यह कार्यक्रम उन्हें दूरदर्शी नेता और परिवर्तन का अभिकर्ता बनने में सक्षम बनाएगा।

चौथा नैम्स नेतृत्व विकास (लीड) राष्ट्रीय सम्मेलन 23 से 25 अक्तूबर, 2025 तक नैम्स, अंसारी नगर, नई दिल्ली में आयोजित किया गया, जिसमें एम्स और अन्य संस्थानों के 31 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसके बाद प्रतिभागियों के लिए दो अनुवर्ती सत्र आयोजित किए गए।

संसाधन व्यक्ति प्रख्यात चिकित्सा अग्रणी और प्रशासक थे। सम्मेलन का मुख्य आकर्षण "लीडर से मिलें" सत्र था, जिसमें देश के प्रख्यात चिकित्सा और जैव चिकित्सा अग्रणी ने प्रतिभागियों के साथ अपने अनुभव साझा किए।

10. मेडिकल छात्रों और स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए नैम्स द्वारा आरंभ किया गया स्वास्थ्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स अत्यन्त सफल रहा। दूसरा बैच जुलाई, 2025

में आरंभ हुआ। 110 छात्रों ने इसमें भाग लिया और कोर्स पूर्ण किया। हैदराबाद और नैम्स, दिल्ली में दो स्थानों पर आईटी पेशेवरों के साथ प्रतिभागियों का एक पूरे दिन का पारस्परिक विचार-विमर्श आयोजित किया गया।

च. 1 अप्रैल, 2025 और 30 सितम्बर, 2025 को आयोजित इसकी बैठक के दौरान नैम्स परिषद द्वारा अनुमोदित दिशानिर्देश

नैम्सकॉन के लिए दिशानिर्देश

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) के वार्षिक सम्मेलन (नैम्सकॉन) (मध्यावधि नैम्सकॉन सहित) के आयोजन और वित्तपोषण के लिए दिशानिर्देश

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) का वार्षिक सम्मेलन, जिसे नैम्सकॉन के नाम से भी जाना जाता है, एक प्रतिष्ठित समारोह है और आयोजकों तथा आयोजन संस्था के लिए गौरव की बात है। यही बात मध्यावधि सम्मेलनों पर भी लागू होती है।

इन सम्मेलनों के आयोजन को सुगम बनाने और विभिन्न हितधारकों की भूमिकाओं और उत्तरदायित्वों को स्पष्ट करने के लिए निम्नलिखित दिशानिर्देश निर्धारित किए गए हैं।

आयोजन समिति के उत्तरदायित्व (मेजबान संस्थान के अध्यक्ष सहित)
(कभी-कभी संभव है कि कोई संस्था शामिल नहीं हो, परंतु यह वांछनीय है)

1. अकादमी का कोई भी अध्येता, जो नैम्स का वार्षिक या मध्यावधि सम्मेलन आयोजित करना चाहता है, इस आशय का प्रस्ताव एक निर्धारित प्रोफार्मा (प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए एक प्रोफार्मा बनाया जाना चाहिए: वर्ष 1 के लिए पहले से बना/ अनुमोदित) में अकादमी को प्रस्तुत करेगा। प्रस्ताव में एक आयोजन समिति (कम से कम 3 सदस्यों, अध्यक्ष, संगठन सचिव और कोषाध्यक्ष) का विवरण शामिल होना चाहिए, जिसका अध्यक्ष अकादमी का एक अध्येता होना चाहिए।
2. आयोजन समिति नैम्स सचिवालय के साथ घनिष्ठ समन्वय में वैज्ञानिक कार्यक्रम तैयार करेगी। वैज्ञानिक कार्यक्रम में सामान्यतः अतिथि व्याख्यान, मुख्य व्याख्यान, समानांतर, विषय-आधारित सीएमई कार्यक्रम और नैम्सकॉन के दौरान छात्रों, संकाय सदस्यों और चिकित्सा पेशेवरों के लिए महत्वपूर्ण समकालीन चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विषयों पर कार्यशालाएँ सम्मिलित होनी चाहिए। सम्मेलन की अवधि और सत्रों की संख्या सामान्यतः पूर्व की प्रथा के अनुसार होगी, और आयोजन समिति और नैम्स द्वारा पारस्परिक रूप से तय की जाएगी।
3. आयोजन समिति विभिन्न स्रोतों से धन जुटाने की प्राथमिक ज़िम्मेदारी संभालेगी, जिसमें सम्मेलन में भाग लेने के लिए पंजीकरण शुल्क और विभिन्न एजेंसियों से अनुदान व प्रायोजन शामिल होंगे परंतु इन्हीं तक सीमित नहीं होगा।
4. आयोजन समिति एक समझौता ज्ञापन (मसौदा संलग्न, परिशिष्ट 2) पर हस्ताक्षर करेगी, जिसमें आयोजन समिति द्वारा नैम्स को एक वचनबद्धता शामिल हो सकती है कि समिति विभिन्न

उद्देश्यों के लिए अपने संसाधन और धन जुटाएगी, जिसमें आयोजन स्थल, सभागार, व्याख्यान कक्ष, श्रव्य दृश्य उपकरण, ज़ूम इंक आदि और अन्य सहायक सुविधाएँ शामिल हैं।

5. आयोजन समिति स्थानीय विश्वविद्यालयों, चिकित्सा/दंत चिकित्सा/नर्सिंग कॉलेजों, व्यावसायिक निकायों, सरकारी और निजी क्षेत्र के अन्य संगठनों के साथ बुनियादी ढाँचा, रसद, आतिथ्य, शैक्षणिक सत्रों का प्रायोजन आदि जैसे संसाधनों के आदान-प्रदान के लिए सहयोग ले सकती है।
6. सम्मेलन निधि से संबंधित सभी नियामक अनुपालनों को संभालने की ज़िम्मेदारी आयोजन समिति की होगी, जिसमें बैंक खाता, पैन, टैन, जीएसटी नंबर आदि शामिल हैं, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं है। इस उद्देश्य के लिए नैम्स पैन, टैन आदि आयोजन समिति के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।
7. नैम्सकॉन के सुचारू आयोजन के लिए इसकी तैयारियां बहुत पहले ही आरंभ कर दी जानी चाहिए (नैम्सकॉन की मेजबानी के लिए बोली प्रस्तुत करने से पहले ही)।
8. सम्मेलन के दौरान प्रत्येक मंच की पृष्टभूमि, प्रकाशित दस्तावेज़, आभासी मंच, सोशल मीडिया और प्रमाणपत्र आदि पर नैम्स का लोगो दिखाया जाना चाहिए।
9. आयोजन समिति निम्नलिखित प्रदान करने का प्रयास करेगी:
    1. (क) भारत के भीतर से नैम्स द्वारा आमंत्रित 3 (मुख्य भाषण) वक्ताओं, (ख) मुख्य अतिथि(गण), (ग) अधिकतम तीन सम्मानित अतिथियों और (घ) अधिकतम 5 अधिकारियों या नैम्स के कर्मचारियों के लिए यात्रा, लॉजिस्टिक्स और स्थानीय आतिथ्य।
    2. नैम्स की आम सभा, परिषद बैठक और अन्य समिति बैठकों तथा नव-निर्वाचित अध्येता/ सदस्य/ सह-अध्योता/ एमनैम्स आदि द्वारा प्रस्तुतियों सत्र के आयोजन के लिए बुनियादी ढांचा और सुविधाएँ।
10. आयोजन समिति नैम्सकॉन में बड़ी संख्या में अध्येता (सहित नव-निर्वाचित अध्येता, सदस्य और सह-अध्येता) की भागीदारी सुनिश्चित करने का हर संभव प्रयास करेगी।
11. आयोजन समिति नैम्सकॉन के समापन के 120 दिनों के भीतर लेखा खातों की लेखा परीक्षा ज़मा करेगी।

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) के उत्तरदायित्व

1. नैम्स के पास (राज्य संयोजक सहित) एक मुख्य समिति होनी चाहिए जिससे हर नैम्सकॉन के आयोजन समिति के साथ निकट समन्वय हो सके।
2. मुख्य समिति अभ्यर्थी अध्येता द्वारा नैम्सकॉन के आयोजन के लिए प्रस्तुत प्रारूप की समीक्षा करेगी, जिससे संबंधित अध्येता द्वारा प्रस्तावित शहर और स्थल पर नैम्सकॉन की विश्वसनीयता और व्यवहार्यता का मूल्यांकन किया जा सके।

3. नैम्स प्रस्तावित नैम्सकॉन की अवधि और उन विभिन्न सत्रों आयोजन समिति के लिए साथ समन्वय करेगा, जो सम्मेलन में सामान्यतः आयोजित किए जाने चाहिए।

4. यदि आयोजन समिति ऐसे अनुरोध करती है, तो नैम्स आयोजन समिति को अग्रिम बीज राशि (वार्षिक नैम्सकॉन के लिए अधिकतम 2.00 लाख रुपये और मध्यकाल नैम्सकॉन के लिए अधिकतम 1.50 लाख रुपये) प्रदान करेगा। यह राशि नैम्सकॉन के समापन के 3 से 4 माह में आयोजन समिति द्वारा नैम्स को लौटाई जाएगी।

5. नैम्स के पास सीएमई का समर्थन करने के लिए कुछ निधियाँ हैं। इस प्रकार यह अपने सीएमई दिशानिर्देशों के अनुसार सम्मेलन या पूर्व-सम्मेलन के दौरान सीएमई के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने पर विचार कर सकता है। ऐसे सीएमई के लिए प्रस्ताव कम से कम 3 महीने पहले नैम्स को अलग से भेजा जाना चाहिए और सीएमई आयोजित करने की सभी आवश्यकताओं का पालन करना चाहिए।

6. नैम्स केवल उन परिषद के सदस्यों के लिए यात्रा, व्यवस्थापन और पंजीकरण शुल्क का समर्थन करेगा, जो नैम्सकॉन और/या उसकी परिषद की बैठक/दीक्षांत समारोह में भाग लेंगे।

समझौता ज्ञापन/ समझौता दस्तावेज का मसौदा (परिशिष्ट 2)

नैम्स और वार्षिक/मध्यावधि नैम्सकॉन को आयोजित करने वाले आयोजन अध्यक्ष के मध्य

इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी (भारत) (जिसे आगे नैम्स कहा जाएगा) और नैम्सकॉन मेजबान आयोजन अध्यक्ष (जिसे आगे आयोजन अध्यक्ष कहा जाएगा) के बीच नियमों और शर्तों का दस्तावेजीकरण करना है, जो नैम्स को एक वार्षिक/ मध्य-अवधि राष्ट्रीय सम्मेलन (जिसे आगे नैम्सकॉन कहा जाएगा) की मेजबानी करने के लिए सहमत हो गए हैं, जिसका विवरण इस दस्तावेज के शीर्षक में परिलक्षित होता है।

दोनों पक्ष संयुक्त रूप से निम्नानुसार कार्य करने के लिए सहमत हैं:

1. नैम्स आयोजन अध्यक्ष को अनुदान देता है और आयोजन अध्यक्ष संबंधित नैम्सकॉन की योजना, विकास और कार्यान्वयन के लिए सभी कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को स्वीकार करता है। आयोजक अध्यक्ष यह सहमति देता है कि वह एक सफल वैज्ञानिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए सभी प्रयास करेगा।

2. आयोजन अध्यक्ष /सचिव, नैम्सकॉन के दौरान अपने संगठनात्मक कार्यों के संचालन के लिए सुविधाएँ, उपकरण, और सचिवीय एवं लिपिकीय सेवाओं को नैम्स के साथ साझा करने की व्यवस्था करेंगे। नैम्स सहमत है कि, अपनी क्षमता के अनुसार और आयोजक अध्यक्ष/सचिव द्वारा अनुरोधित सीमा तक, नैम्सकॉन की सफलता सुनिश्चित करने में आयोजक अध्यक्ष/सचिव को सहायता प्रदान करेगा। नैम्स पूर्व-निर्धारित सीएमई, व्याख्यानमाला, व्याख्यान और संगोष्ठियों के आयोजन के लिए नियमों और विनियमों के अनुसार वित्तीय सहायता भी प्रदान करेगा।

3. प्रतिनिधि पंजीकरण शुल्क ऐसा होना चाहिए कि ये कार्यक्रम के आयोजन का समर्थन कर सकें और इसमें सभी कार्यक्रमों और संबंधित करों को शामिल किया जाना चाहिए, जिन्हें आयोजक अध्यक्ष/ सचिव को विभिन्न सरकारी विभागों को भुगतान करना पड़ सकता है, परंतु इससे सम्मेलन में सहभागिता के लिए कोई बाधा नहीं होनी चाहिए। अतिरिक्त राजस्व प्रतिभागियों से व्यापार प्रदर्शनी में और अन्य प्रायोजकों से विभिन्न अन्य शीर्षकों के तहत उत्पन्न किया जा सकता है।

4. आयोजन अध्यक्ष नैम्सकॉन के विभिन्न संगठनात्मक पहलुओं में उनकी मदद करने के लिए एक आयोजन समिति का गठन करेंगे, और इसके घटकों (घटक सदस्यों) के विषय में नैम्स को सूचित

करेंगे। आयोजन समिति और नैम्स के बीच सभी संचार आयोजन अध्यक्ष के माध्यम से किए जाएंगे।

5. आयोजन अध्यक्ष नैम्सकॉन की योजना और विकास के दौरान समय-समय पर नैम्स को अद्यतन जानकारी प्रदान करेंगे। आयोजन अध्यक्ष नैम्सकॉन की योजना और विकास से संबंधित सभी आय और व्यय के अलग - अलग खाते बनाएंगे। नैम्सकॉन के खातों को केवल आयोजन अध्यक्ष के अधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा ही रखा और देखा जाएगा।

6. नैम्स आयोजन अध्यक्ष को, नैम्सकॉन या मध्यावधि सम्मेलन की प्रारंभिक योजना और विकास के लिए "सीड मनी" के रूप में, उस के अनुरोध पर, 200,000 रुपये (दो सौ हजार रुपये) 150,000 (केवल एक लाख पचास हजार) की राशि का ब्याज मुक्त ऋण प्रदान करेगा । यह ऋण राशि जितनी जल्दी हो सके चुकानी होगी, परंतु सदा नैम्सकॉन के अंतिम समापन के 90 (120) दिनों के भीतर या उस लेखा वर्ष के अंत में जिसमें यह प्राप्त हुई थी, जो भी पहले हो। यह पुनर्भुगतान नैम्सकॉन के वित्तीय परिणाम पर निर्भर नहीं होगा।

7. आयोजन अध्यक्ष नैम्स को किसी पीसोओ व्यावसायिक सम्मेलन आयोजक के अपने चयन के बारे में सूचित करेंगे , यदि कोई हो और आयोजन अध्यक्ष और पीसीओ के मध्य समझौते के प्रारूप की एक प्रति हस्ताक्षर करने से पहले भेजेंगे। नैम्स को ऐसे समझौते के प्रारूप में परिवर्तन करने का सुझाव देने का अधिकार होगा।

8. आयोजन अध्यक्ष लेखापरीक्षित किया गया अंतिम वित्तीय लेखा, जो सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार तैयार किया गया हो, नैम्सकॉन की अंतिम तिथि के चार (4) माह के भीतर नैम्स को प्रस्तुत करने का वचन देता है।

9. नैम्स को अंतिम लेखापरीक्षण पूरा होने के तुरंत बाद पीसीओ को किसी भी प्रोत्साहन भुगतान से पहले, सभी व्ययों पर राजस्व की अधिशेष राशि का 25% पूरा प्राप्त होगा। किसी भी ऐसी हानि का बोझ, जो सभी राजस्व की तुलना में व्ययों की अधिकता से उत्पन्न होती है, आयोजक समिति वहन करेगी। यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि आयोजक अध्यक्ष बजट तैयार करते समय या नैम्सकॉन की विभिन्न गतिविधियों पर व्यय करते समय किसी भी कर और मुद्रा स्थानांतरण संबंधी प्रभावों पर विचार करें।

10. आयोजन अध्यक्ष मुख्य रूप से नैम्सकॉन के आयोजन के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान और/ या सार्वजनिक जिम्मेदारी को समग्र रूप से कवर करने वाली बीमा पालिसी प्राप्त कर सकते हैं, जिसमें बीमित पक्ष के रूप में आयोजक अध्यक्ष, नैम्स कार्यालय पदाधिकारी या परिषद और इन संगठनों के संबंधित सदस्य और कर्मचारी शामिल हों।

11. अपने विवेकाधिकार पर, आयोजन अध्यक्ष बीमा कवरेज भी प्राप्त कर सकते हैं, जो किसी अप्रत्याशित आपदा घटना(ओं) या शक्ति के परे परिस्थितियों के कारण नैम्सकॉन के रद्द या बाधित होने की स्थिति में आयोजन समिति को वित्तीय हानि से सुरक्षित करे।

12. किसी भी स्थिति में, नैम्स कार्यालय और अध्यक्ष/ परिषद सदस्य, किसी भी वित्तीय त्रुटि/न चुकाए गए खर्चों की देनदारियों या ऐसे किसी भी विवाद से होने वाली किसी भी कानूनी देनदारी/या कानूनी केस के लिए ज़िम्मेदार नहीं होंगे।

13. आयोजन अध्यक्ष के पास नैम्सकॉन की योजना, विकास और संचालन के समर्थन में योगदान प्राप्त करने का विशेष अधिकार होगा। ऐसे किसी भी योगदान को नैम्सकॉन के आयोजन के लिए खोले गए खाते में जमा किया जाएगा।

14. आयोजन अध्यक्ष नैम्सकॉन के कार्यक्रम के विकास और संचालन में नैम्स समिति के साथ घनिष्ठ सहयोग करने पर सहमत हैं।

15. नैम्स आयोजन अध्यक्ष को नैम्सकॉन के प्रचार, योजना, विकास और कार्यान्वयन के संबंध में नैम्स का नाम और लोगो उपयोग करने के अधिकार प्रदान करता है। नैम्स सभी प्रचार सामग्री में यह सूचना देगा कि यह नैम्स का वार्षिक सम्मेलन है।

16. आयोजन अध्यक्ष, नैम्स के अध्यक्ष, निर्वाचित अध्यक्ष और तत्काल पूर्व अध्यक्ष (और उनके जीवनसाथियों) और नैम्स के सचिव को नि:शुल्क पंजीकरण प्रदान करने का दायित्व लेते हैं (शेष राशि की नैम्स द्वारा पहले ही प्रतिपूर्ति की जाती है)।

17. आयोजन अध्यक्ष, नैम्सकॉन के आयोजन स्थल शहर में आगमन के समय से लेकर नैम्सकॉन के अंतिम दिन तक नैम्स के अध्यक्ष (और जीवनसाथी) और नैम्स सचिव के लिए नि:शुल्क आवास प्रदान करने का भी दायित्व लेते हैं।

18. आयोजन अध्यक्ष द्वारा इन दिशानिर्देशों का अनुपालन करने में विफलता की स्थिति में नैम्स के पास इस समझौते को निलंबित करने या इसमें परिवर्तन करने का अधिकार सुरक्षित है, जिसका समाधान नैम्स की ओर से लिखित में अनुरोध करने के 30 दिनों के भीतर नहीं किया जाता है।

दोनों पक्षों द्वारा सहमति व्यक्त की गई और उनकी ओर से हस्ताक्षर किए गए:

नैम्स सचिव..................... आयोजन अध्यक्ष आयोजन सचिव

दिनांक...............................

नैम्सकॉन बोली फॉर्म (अनुलग्नक 1)

कृपया प्रारूप के अनुसार प्रपत्र भरें। यह मूल्यांकन प्रक्रिया में सहायक होगा।

शहर (राज्य) जहां कांग्रेस प्रस्तावित है:	
बोली लगाने वाले (आयोजन अध्यक्ष) का नाम:	
बोली लगाने वाले (आयोजन अध्यक्ष) का ईमेल:	
दूरी के साथ निकटतम हवाई अड्डा:	
दूरी के साथ निकटतम रेलवे स्टेशन:	
प्रस्तावित कांग्रेस स्थल:	
प्रस्तावित तिथियां:	
शहर/ इलाके में अध्येताओं की संख्या:	
कांग्रेस की तिथियों के दौरान शहर का सामान्य तापमान क्या रहता है?:	
कांग्रेस की तिथियों के दौरान शहर में वर्षा की संभावना?:	
कम से कम 3 अध्येताओं के नाम जो आयोजन समिति का हिस्सा होंगे:	1 2 3
क्या दो एक साथ सत्रों, ई पोस्टर और लॉबी के लिए स्थायी हॉल हैं?:	हाँ/ नहीं
क्या कोई ऐसा हॉल है जिसमें कम से कम 200 प्रतिनिधियों के बैठने की व्यवस्था है?	हाँ/ नहीं
व्यापार प्रदर्शनी कहाँ आयोजित की जाएगी?	
क्या दिन के समय नैम्स परिषद और अन्य बैठकों के आयोजन के लिए कोई कमरा/ कमरे उपलब्ध होंगे?:	हाँ/नहीं
क्या दोपहर के भोजन के संगोष्ठी के लिए पैक्ड लंच की सुविधा होगी, जिसे संगोष्ठी के जारी रहने के दौरान मुख्य हॉल में परोसा जा सके?	हाँ/नहीं
क्या ई पोस्टर के लिए सर्वर, 25 स्वतंत्र टर्मिनल और पोस्टरों के खोजने योग्य डेटाबेस की अनुमति देने के लिए सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराए जाएंगे?	हां/नहीं
कृपया उन होटल कमरों की संख्या बताएं जो आयोजन स्थल के 1 किमी और 5 किमी के दायरे में उपलब्ध होंगे: 4-5 सितारा	
कृपया उन होटल कमरों की संख्या बताएं जो आयोजन स्थल के 1 किमी और 5 किमी के दायरे में उपलब्ध होंगे: 3 सितारा	
क्या आयोजन समिति सामान्य शुल्क से कम दरों के लिए सौदेबाजी करेगी?	हां/ नहीं
क्या आयोजन समिति द्वारा छात्रों को सब्सिडी वाले आवास, जैसे गेस्ट हाउस उपलब्ध कराए जाएंगे?	हां/ नहीं
सीएमई/ पाठ्यक्रमों के लिए शहर/ आस पास के क्षेत्रों से कितने स्नातकोत्तर आने की आशा है:	
क्या आप सम्मेलन की बचत (यदि कोई हो) का 25% नैम्स में योगदान करने	हां/नहीं

के लिए सहमत हैं?	
कांग्रेस की कार्यवाही के भाग के रूप में आप नैम्स खातों में कितनी राशि का योगदान करने में सक्षम होने की आशा करते हैं:	
नैम्सकॉन इस शहर में आखिरी बार कब आयोजित किया गया था यदि हां, तो कृपया विवरण प्रदान करें:	
प्रतिनिधियों के साथ आने वालों के लिए क्या आकर्षण हैं:	
क्या आधिकारिक पर्यटन दौरे होंगे? यदि हां, तो कृपया विवरण प्रदान करें: क्या आधिकारिक सम्मेलन / दीक्षांत भोज होगा? यदि हां, तो कृपया विवरण प्रदान करें:	

सम्मेलनों के लिए बोली लगाने वाले अध्येता का हस्ताक्षर

नैम्स स्थायी समिति के लिए संदर्भ की शर्तें (टीओआर)

स्थायी समितियों के लिए संदर्भ की शर्तें (टीओआर)

1. **नैम्स की स्थायी समितियों का गठन:**

नैम्स के सहयोग के समझौता ज्ञापन, नियम और विनियम, और उपनियमों के अनुसार, निम्नलिखित स्थायी समितियां होंगी:

1. वित्त समिति
2. शैक्षणिक समिति
3. शैक्षणिक उत्कृष्टता मान्यता समिति
4. संपदा समिति (भवन समिति)
5. प्रकाशन समिति, और
6. अनुशासन समिति।

परिषद अकादमी के सुचारू संचालन के लिए संदर्भ की विशिष्ट शर्तों के साथ अतिरिक्त स्थायी समितियों का गठन करने का निर्णय ले सकती है।

इसके अतिरिक्त, परिषद किसी विशेष कार्य के लिए सीमित अवधि के लिए एक या अधिक अस्थायी समितियाँ भी गठित कर सकती है।

2. **स्थायी (और तदर्थ) समितियों की सदस्यता:**

प्रत्येक स्थायी समिति की अध्यक्षता परिषद के सदस्यों में से एक करेगा। इसमें अधिकतम सात सदस्य हो सकते हैं, जिन्हें परिषद द्वारा अध्येताओं (जो स्थायी समिति के सदस्यों के कम से कम दो-तिहाई सदस्य होने चाहिए) या अकादमी के निर्वाचित सदस्यों में से नामित किया जाएगा।

परिषद या समिति (परिषद या अध्यक्ष की अनुमति से) अध्येता या निर्वाचित सदस्यों के अलावा किसी अन्य व्यक्ति को विशेष आमंत्रित व्यक्ति के रूप में स्थायी समिति की एक या अधिक बैठकों में भाग लेने के लिए आमंत्रित कर सकती है।

3. **स्थायी (और तदर्थ) समितियों के संदर्भ की शर्तें:**

प्रत्येक स्थायी समिति के संदर्भ की शर्तें और कार्यक्षेत्र नीचे परिभाषित किया गया है।

हालांकि, परिषद समय-समय पर आवश्यकतानुसार इनकी समीक्षा और संशोधन कर सकती है। स्थापित की जा रही किसी भी तदर्थ समिति के लिए, परिषद उसके संचालन की अवधि और संदर्भ की शर्तें निर्धारित करेगी।

4. **स्थायी (और तदर्थ) समितियों की कार्यप्रणाली:**

स्थायी (और तदर्थ) समितियां निम्नानुसार कार्य करेंगी:

4.1 अध्यक्ष परिषद का सदस्य होना चाहिए (जैसा कि वर्तमान प्रथा है)। अध्यक्ष और सचिव दोनों को परिषद द्वारा नामित किया जाना चाहिए। स्थायी समिति आवश्यकतानुसार विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित कर सकती है।

4.2 स्थायी समिति का सचिव अपने विचार-विमर्श का रिकॉर्ड रखेगा और संबंधित समिति के अध्यक्ष के माध्यम से परिषद को रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा;

4.3 इन स्थायी समितियों का कार्यकाल तीन वर्ष का होना चाहिए और यह अध्यक्ष के कार्यकाल के साथ सह-समाप्त नहीं हो सकता है। बैठकों की आवृत्ति परिषद द्वारा तय की जा सकती है। हालांकि, निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक समिति में एक पदेन सदस्य हो सकता है।

4.4 स्थायी समितियां सलाहकार क्षमता में काम करती हैं, और उनकी रिपोर्ट परिषद को प्रस्तुत की जाएगी, जो उनकी सिफारिशों पर कार्रवाई या कार्यान्वयन के संबंध में कोई भी निर्णय लेगी; और

4.5 एक व्यक्ति एक समय में दो से अधिक स्थायी समितियों का सदस्य नहीं हो सकता है।

4.6 स्थायी समितियों के सदस्य समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए भारत सरकार / परिषद के नियमों के अंतर्गत समय-समय पर लागू निर्धारित दरों के अनुसार यात्रा और आवास भत्ते (टीए और डीए) प्राप्त कर सकते हैं।

5. **वित्त समिति के संदर्भ की शर्तें**

समिति अकादमी से संबंधित वित्तीय मामलों पर परिषद को मार्गदर्शन और सिफारिशें प्रदान करेगी, जिसमें बजट पर निगरानी, वित्तीय स्थिति का विश्लेषण, वित्तीय नियमों का अनुपालन और वित्तीय कार्यों में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व में सुधार शामिल है। समिति आवश्यकतानुसार वित्त के क्षेत्र में विशेषज्ञ(ओं) को आमंत्रित कर सकती है।

इसके प्रमुख उत्तरदायित्वों में निम्नलिखित पर परामर्श प्रदान करना सम्मिलित होगा:

(क) अकादमी के कोष का बजट और लेखा,

(ख) खातों की देखरेख,

(ग) अकादमी की प्राप्तियों और व्यय के वाउचर की देखरेख ।

(घ) नैम्स के वार्षिक वित्तीय विवरण (बैलेंस शीट और आय और व्यय खाते), इससे पहले कि ये (i) अधिकृत हस्ताक्षरकर्ताओं जैसे अध्यक्ष, सचिव और लेखा अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित किए जाएं और (ii) लेखा परीक्षण करने के लिए सांविधिक लेखा परीक्षकों (चार्टर्ड अकाउंटेंट) को सौंपे जाएं, वित्त समिति द्वारा समीक्षा किए जाएंगे और स्वीकृति के लिए परिषद को भेजे जाएंगे।

(ङ) अकादमी के वार्षिक वित्तीय विवरण (तुलन पत्र और आय व व्यय खाता) का लेखा परीक्षण उस सांविधिक लेखा परीक्षक (चार्टर्ड अकाउंटेंट) द्वारा किया जाएगा जिसे इस उद्देश्य के लिए नैम्स परिषद द्वारा नियुक्त किया जाएगा। वार्षिक वित्तीय विवरण और उस पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट, वित्त समिति द्वारा समीक्षा के बाद, नैम्स परिषद के समक्ष अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे और परिषद द्वारा अनुमोदन के बाद, अकादमी की वार्षिक रिपोर्ट में प्रकाशित किए जाएंगे।

(च) वित्तीय अनुपालन: वे वित्तीय नियमों और नीतियों के पालन को सुनिश्चित करते हैं, नैतिक और जिम्मेदार वित्तीय प्रथाओं को प्रोत्साहित करते हैं।

(छ) वे परिषद को रणनीतिक वित्तीय सलाह प्रदान करते हैं, ताकि वित्तीय मामलों में सूचित निर्णय लेने में सहायता मिल सके।

(ज) जोखिम प्रबंधन: समिति वित्तीय जोखिमों की पहचान और उन्हें कम करने में मदद करती है, जिससे संगठन को संभावित हानियों से बचाया जा सके।

(झ) आंतरिक नियंत्रण: परिसंपत्तियों की सुरक्षा और धोखाधड़ी को रोकने के लिए प्रभावी आंतरिक नियंत्रणों की स्थापना और रखरखाव सुनिश्चित करती है।

(ञ) अकादमी की पूंजी संरचना और वार्षिक पूंजी योजना की समीक्षा करना, जिसमें इसकी पूंजी पर्याप्तता और पूंजी योजना प्रक्रिया, तनाव परीक्षण और संबंधित गतिविधियां, पूंजी जुटाना, पूंजी वितरण शामिल हैं, साथ ही हमारी वार्षिक पूंजी योजना प्रस्तुतिकरण और पूंजी प्रबंधन नीति को पूरी परिषद से अनुमोदन के लिए अनुमोदित और सिफारिश करना।

(ट) निगम की वसूली और समाधान योजनाओं के वित्तीय पहलुओं की समीक्षा करना;

(ठ) निगम की परिसंपत्ति/ देयता प्रबंधन की समीक्षा करना; और

(ड) किसी भी अतिरिक्त मामले की समीक्षा करेना जिसे परिषद समिति को निर्देशित करे।

6. शैक्षणिक समिति के संदर्भ की शर्तें

शैक्षणिक समिति का कार्य सभी शैक्षणिक मामलों पर निगरानी रखने में परिषद की सहायता करना और परामर्श देना है जिससे वह उन शिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता और अखंडता सुनिश्चित कर सके, जो अकादमी द्वारा किसी भी रूप में आयोजित या समर्थित किए जाते हैं। इसके लिए, यह:

(क) भारत में शैक्षणिक संस्थानों के साथ कार्य करें और सहयोग स्थापित करें और विभिन्न हितधारकों के साथ साझेदारी करें ताकि स्वास्थ्य, चिकित्सा प्रथाओं, और संबंधित प्रौद्योगिकी के विकास और उपयोग को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न विषयक्षेत्रों और क्षेत्रों में विशेषज्ञता के नेटवर्क का विकास किया जा सके।

(ख) देश और विदेश के कुशल और प्रतिभाशाली स्वास्थ्य पेशेवरों की विशेषज्ञता का उपयोग करके साक्ष्य-आधारित परामर्श सेवाएं प्रदान करें। इस भूमिका में, अपेक्षित है कि आप एक प्रबुद्ध मंडल के रूप में कार्य करें और चिकित्सा और सार्वजनिक स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र को बौद्धिक नेतृत्व और दिशा प्रदान करें, जो विभिन्न स्वास्थ्य-संबंधी मुद्दों पर विशेषज्ञ साक्ष्य-आधारित या सहमति - आधारित समाधान या दृष्टिकोण भी प्रदान कर सकता है।

(ग) सीएमई कार्यक्रम विकसित करने और संचालित करने के लिए विषयों को प्राथमिकता देने के लिए।

1. विभिन्न संस्थानों या संगठनों द्वारा प्रस्तावित सीएमई कार्यक्रमों के लिए वित्तीय सहायता या मान्यता की समीक्षा और अनुमोदन करें।
2. सीएमई को वित्तीय समर्थन और/या मान्यता प्रदान करने के लिए नीतियाँ निर्धारित करें, ऐसे सीएमई के परिणामों का मूल्यांकन करें, और सामान्यतः मान्यता मानकों का पालन सुनिश्चित करें।
3. देश भर के चिकित्सा पेशेवरों की शैक्षिक आवश्यकताओं की पहचान करें और सीएमई योजनाकारों को मार्गदर्शन प्रदान करें।
4. भारत और विदेशी देशों में स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए पेशेवर सीएमई कार्यक्रमों के संचालन की सुविधा प्रदान करें।
5. नैम्स की पहलों को सुलभ बनाने और स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए विश्वसनीय सीएमई स्रोत प्रदान करने के लिए साझेदार संस्थानों का एक नेटवर्क स्थापित करें।

7. शैक्षणिक उत्कृष्टता मान्यता समिति के संदर्भ की शर्तें

शैक्षणिक उत्कृष्टता मान्यता समिति का कार्य परिषद का समर्थन करना और अकादमी द्वारा शैक्षणिक उत्कृष्टता की मान्यता से संबंधित मामलों पर मार्गदर्शन और परामर्श देना है। इसके लिए, यह निम्नलिखित करेगा:

(क) समय-समय पर अकादमी के 'शैक्षणिक उत्कृष्टता की मान्यता' (आरएई) के लिए दिशानिर्देशों, आवेदन प्रक्रिया और मूल्यांकन मानदंडों की समीक्षा करना और परिवर्तन सुझाना, जिसका उद्देश्य चिकित्सा, जैव-चिकित्सा और दंत विज्ञान के क्षेत्र में प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की पहचान करना और उन्हें सम्मानित करना है।

(ख) परिषद द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार आरएई के लिए आवेदनों का मूल्यांकन करेगा और विभिन्न प्रकार की मान्यता के लिए चयन हेतु उपयुक्त आवेदकों के नामों की सिफारिश करेगा।

(ग) परिषद द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार अकादमी द्वारा प्रदान की जाने वाली प्रतिष्ठित आचार्यवृति के लिए आवेदनों का मूल्यांकन करेगा और इस उद्देश्य के लिए उपयुक्त आवेदकों के नामों की सिफारिश करेगा।

8. संपदा समिति के संदर्भ की शर्तें

भवन समिति को अकादमी की इमारतों और अन्य बुनियादी ढांचे से संबंधित मामलों की देखरेख करने और परामर्श देने में परिषद का सहयोग करने का कार्य सौंपा गया है।

(क) नैम्स कार्यालय की आवश्यकताओं के संबंध में नैम्स भवन में भौतिक अवसंरचना और सुविधाओं की समय-समय पर समीक्षा करना।

(ख) नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना और भवनों की समग्र स्थिति बनाए रखना।

(ग) नैम्स कार्यालय की आवश्यकताओं के अनुसार नैम्स भवन में भौतिक अवसंरचना और सुविधाओं के उन्नयन के लिए प्रस्ताव तैयार करना, और इन्हें परिषद को प्रस्तुत करना।

(घ) नए निर्माण, नवीनीकरण और मरम्मत से संबंधित मुद्दों के लिए एक सलाहकार निकाय के रूप में कार्य करना, यह सुनिश्चित करते हुए कि परियोजनाएं संगठनात्मक लक्ष्यों के अनुरूप हों।

(ङ) सभी प्रमुख पूंजीगत कार्यों जैसे निर्माण, नवीनीकरण और मरम्मत की सामान्य निगरानी करना (आवश्यक प्रशासनिक अनुमोदन और वित्तीय स्वीकृति प्राप्त करने के बाद) ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ये कार्य कुशलतापूर्वक और सुरक्षित रूप से पूर्ण हों।

(च) उपयुक्त ठेकेदारों की सूचीबद्धता और निविदाओं की स्वीकृति के लिए प्रक्रियाओं के बारे में परिषद को सलाह देना।

9. प्रकाशन समिति के संदर्भ की शर्तें

प्रकाशन समिति का कार्य अकादमी की प्रकाशन गतिविधियों की निगरानी और मार्गदर्शन करना है, जिसमें यह सुनिश्चित करना शामिल है कि इसके प्रकाशन आवश्यक गुणवत्ता, प्रासंगिकता और नैतिक मानकों को पूरा करें। इसके लिए यह निम्नलिखित करेगा:

क) अकादमी के प्रकाशन कार्यक्रम की समय-समय पर समीक्षा करना, जिसमें पुस्तकें, पत्रिकाएँ, वैज्ञानिक संचार, पत्रिका, एकांकी ग्रंथ या कोई भी ऑनलाइन या अन्य हार्डकॉपी प्रकाशन शामिल हैं, और इस संबंध में नीतियाँ प्रस्तावित करना।

ख) अकादमी के प्रकाशनों की संपादकीय गुणवत्ता और सामग्री का मूल्यांकन करना, और परिषद को सिफ़ारिशें देना।

ग) अकादमी के अध्येताओं/ सदस्यों/ सह-सदस्यों और समिति के प्रकाशनों के अन्य उपयोगकर्ताओं, अकादमी के विभिन्न प्रकाशनों की संपादकीय टीमों और परिषद के बीच संचार का माध्यम बनना, ताकि उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताओं को गुणवत्ता, नैतिक मानक और उपलब्ध संसाधनों के भीतर पूरा किया जा सके।

घ) उपर्युक्त प्रकाशनों के संपादकों से संपादकीय नीति, विभिन्न प्रकाशनों की सामग्री और गुणवत्ता से संबंधित मुद्दों पर परामर्श करना और उन्हें मार्गदर्शन देना।

ङ) विभिन्न प्रकाशनों से संबंधित नियुक्तियों के मामलों में परिषद को परामर्श प्रदान करना।

च) समिति को समाज की प्रकाशनों की आवश्यकताओं और उनकी उपयुक्तता से संबंधित सिफारिशें करना, जिसमें नई प्रकाशनों की शुरुआत और चल रही परियोजनाओं को रोकना, या विभिन्न प्रकाशनों के केंद्रबिंदु और/या सामग्री में बदलाव शामिल हैं।

छ) अकादमी के विभिन्न प्रकाशनों पर कॉपीराइट से संबंधित मुद्दों पर विचार करना।

10. अनुशासन समिति के संदर्भ की शर्तें

अनुशासन समिति का दायरा केवल सभी नैम्स अध्येतावृति और सदस्यताओं से संबंधित विषयों तक सीमित होना चाहिए। इसके लिए, यह:

क) अध्येता, सदस्य, सह सदस्य और अकादमी के कर्मचारियों के लिए आचार संहिता के नियमों की स्थापना का प्रस्ताव रखना, विभिन्न हितधारकों को इन नियमों के बारे में शिक्षा देना।

ख) किसी या एक से अधिक अध्येता, सदस्य, सह सदस्य और अकादमी के कर्मचारियों के विरुद्ध किसी भी शिकायत की जांच करना, जिसे परिषद द्वारा इससे संदर्भित किया जा सकता है, एक रिपोर्ट तैयार करना और उपयुक्त कार्रवाई का प्रस्ताव करना।

छ.   चित्र दीर्घा

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) का 64 वां दीक्षांत समारोह और वार्षिक सम्मेलन (नैम्सकॉन 2024)

राष्ट्रगान के लिए मंच पर खड़े गणमान्य व्यक्ति

दीप प्रज्वलन समारोह में भाग लेते हुए मुख्य अतिथि माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) का 64 वां दीक्षांत समारोह और वार्षिक सम्मेलन (नैम्सकॉन 2024)

सुश्री पुण्य श्रीवास्तव, आईएएस, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, भारत सरकार को सम्मानित करते हुए एम्स, जोधपुर के कार्यकारी निदेशक डॉ. जी.डी. पुरी

भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव डॉ. राजेश सुधीर गोखले को सम्मानित करते हुए डॉ. शिव के. सरीन, नैम्स अध्यक्ष

गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत सम्मानित करते हुए डॉ. शिव के. सरीन, नैम्स अध्यक्ष

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) का 64 वां दीक्षांत समारोह और वार्षिक सम्मेलन (नैम्सकॉन 2024)

मुख्य अतिथि भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जी का संबोधन

मुख्य अतिथि भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जी का संबोधन

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) का 64 वां दीक्षांत समारोह और वार्षिक सम्मेलन

(नैम्सकॉन 2024)

नव निर्वाचित नैम्स अध्येता

नैम्स परिषद सदस्यों के साथ नव निर्वाचित नैम्स अध्येता

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) का 64 वां दीक्षांत समारोह और वार्षिक सम्मेलन(नैम्सकॉन 2024)

गणमान्य व्यक्तियों के साथ नव निर्वाचित नैम्स सदस्य

डॉ. एस. के. सरीन, नैम्स अध्यक्ष की अनुमति से दीक्षांत समारोह का उद्घाटन करते हुए नैम्स सचिव डॉ. उमेश कपिल

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) का 64 वां दीक्षांत समारोह और वार्षिक सम्मेलन (नैम्सकॉन 2024)

नवनिर्वाचित नैम्स अंतर्राष्ट्रीय अध्येताओं को स्क्रॉल प्रदान किए गए

नवनिर्वाचित नैम्स अंतर्राष्ट्रीय अध्येताओं को स्क्रॉल प्रदान किए गए

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) का 64 वां दीक्षांत समारोह और वार्षिक सम्मेलन (नैम्सकॉन 2024)

सम्मानित अतिथियों द्वारा नैम्स वार्षिक रिपोर्ट का विमोचन

सम्मानित अतिथियों द्वारा नैम्स ओडिसी (1961-2024) का विमोचन

दीक्षांत समारोह की शोभा बढ़ाते हुए एम्स के कार्यकारी निदेशक

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) का 64 वां दीक्षांत समारोह और वार्षिक सम्मेलन (नैम्सकॉन 2024)

एमएनएएमएस अभ्यर्थी को स्क्रॉल प्रदान करते हुए डॉ. दिगंबर बेहरा और डॉ. एस. के. सरीन

एमएनएएमएस अभ्यर्थी को स्क्रॉल प्रदान करते हुए डॉ. दिगंबर बेहरा और डॉ. एस. के. सरीन

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) का 64 वां दीक्षांत समारोह और वार्षिक सम्मेलन (नैम्सकॉन 2024)

नैम्स के अंतर्राष्ट्रीय अध्येता का अभिनंदन

नैम्स के अंतर्राष्ट्रीय अध्येता का अभिनंदन

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) का 64 वां दीक्षांत समारोह और वार्षिक सम्मेलन (नैम्सकॉन 2024)

सर्जन वाइस एडमिरल आरती सरीन, एवीएसएम, वीएसएम, महानिदेशक, सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा द्वारा प्रस्तुति

सर्जन वाइस एडमिरल आरती सरीन, एवीएसएम, वीएसएम, महानिदेशक, सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा का अभिनंदन

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) का 64 वां दीक्षांत समारोह और वार्षिक सम्मेलन (नैम्सकॉन 2024)

व्यक्तिगत चिकित्सा की भविष्य की भूमिका पर नैम्स परिषद के सदस्य
लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) वेलु नायर द्वारा प्रस्तुति

व्यक्तिगत चिकित्सा की भविष्य की भूमिका डॉ. मधाबानंदा कार, कार्यकारी निदेशक, एम्स, दरभंगा द्वारा प्रस्तुति

व्यक्तिगत चिकित्सा की भविष्य की भूमिका डॉ. सौरभ वार्ष्णेय, कार्यकारी निदेशक, एम्स, देवघर द्वारा प्रस्तुति

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) का 64 वां दीक्षांत समारोह और वार्षिक सम्मेलन (नैम्सकॉन 2024)

एम्स जोधपुर के कार्यकारी निदेशक डॉ. जी.डी. पुरी और नैम्स परिषद सदस्य डॉ. अशोक गुप्ता द्वारा वक्ता का अभिनंदन

डॉ. वी. एम. कटोच द्वारा वक्ता का अभिनंदन

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) का 64 वां दीक्षांत समारोह और वार्षिक सम्मेलन (नैम्सकॉन 2024)

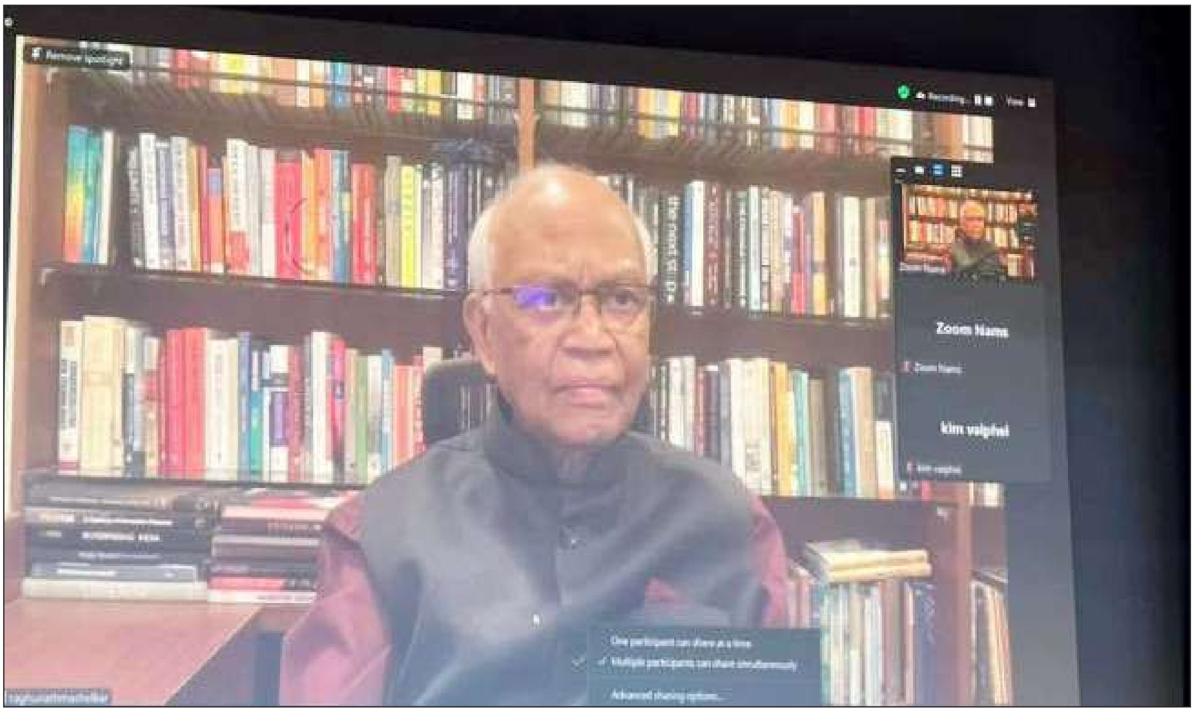

रिलायंस न्यू एनर्जी काउंसिल, रिलायंस इनोवेशन लीडरशिप केंद्र के अध्यक्ष
डॉ. आर. ए. माशेलकर का मुख्य अभिभाषण

नैम्स की आम सभा बैठकें

डॉ. दिगंबर बेहरा को नैम्स अध्यक्ष पद सौंपते हुए डॉ. एस.के. सरीन

आम सभा की बैठक में डॉ. एस. के. सरीन, तत्काल पूर्व अध्यक्ष, लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) वेलु नायर, निर्वाचित अध्यक्ष, डॉ. दिगंबर बेहरा, अध्यक्ष और डॉ. उमेश कपिल, सचिव नैम्स

नैम्स का 65 वां स्थापना दिवस, 21 अप्रैल 2025

मंच पर गणमान्य व्यक्ति

मुख्य अतिथि माननीय प्रोफेसर सत्यपाल सिंह बघेल जी का स्वागत करते हुए नैम्स अध्यक्ष डॉ. दिगंबर बेहरा

नैम्स का 65 वां स्थापना दिवस, 21 अप्रैल 2025

मुख्य अतिथि का अभिनंदन करते हुए डॉ. दिगंबर बेहरा, अध्यक्ष नैम्स और लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. वेलु नायर, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम** (सेवानिवृत्त) अध्यक्ष-निर्वाचित नैम्स

सम्मानित अतिथि डॉ. विवेक लाल, निदेशक पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ का अभिनंदन करते हुए डॉ. दिगंबर बेहरा, अध्यक्ष नैम्स और लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. वेलु नायर, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम** (सेवानिवृत्त) अध्यक्ष-निर्वाचित नैम्स

नैम्स का 65 वां स्थापना दिवस, 21 अप्रैल 2025

मुख्य अतिथि, डॉ. एम. श्रीनिवास, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली का अभिनंदन करते हुए
डॉ. नीरजा भाटला, उपाध्यक्ष, नैम्स

गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन समारोह

नैम्स का 65 वां स्थापना दिवस, 21 अप्रैल 2025

गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन समारोह

गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन समारोह

नैम्स का 65 वां स्थापना दिवस, 21 अप्रैल 2025

गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन समारोह

गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन समारोह

नैम्स का 65 वां स्थापना दिवस, 21 अप्रैल 2025

लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. वेलु नायर, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम (सेवानिवृत्त), नैम्स के नवनिर्वाचित अध्यक्ष का स्वागत भाषण

नैम्स की गतिविधियों और विजन को प्रस्तुत करते हुए नैम्स के अध्यक्ष डॉ. दिगंबर बेहरा

नैम्स का 65 वां स्थापना दिवस, 21 अप्रैल 2025

मुख्य अतिथि डॉ. एम. श्रीनिवास, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली का संबोधन

मुख्य अतिथि डॉ. विवेक लाल, निदेशक, पीजीआईएमईआर का संबोधन

नैम्स का 65 वां स्थापना दिवस, 21 अप्रैल 2025

डॉ. जी.पी. तलवार, पूर्व आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, जैव रसायन, एम्स, संस्थापक निदेशक, राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, अनुसंधान निदेशक, तलवार अनुसंधान फाउंडेशन, 2000 के बाद को सम्मानित करते हुए

डॉ. के.के. तलवार, प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ, भारतीय चिकित्सा परिषद के पूर्व अध्यक्ष, एम्स, नई दिल्ली के पूर्व हृद् रोग विज्ञान विभागाध्यक्ष और स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पीजीआईएमईआर), चंडीगढ़ के निदेशक को सम्मानित करते हुए

नैम्स का 65 वां स्थापना दिवस, 21 अप्रैल 2025

डॉ. एन.के. गांगुली, पूर्व महानिदेशक (आईसीएमआर), जैवचिकित्सा अनुसंधान नीति केंद्र के प्रतिष्ठित विजिटिंग आचार्य, ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट, फरीदाबाद, भारत के मानद वरिष्ठ शोध आचार्य (नैदानिक अनुसंधान) यकृत एवं पित्त विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली और आचार्य (जीआरआईपीएमईआर) का सम्मान

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली की देश की पहली महिला एम.सीएच बाल शल्य चिकित्सक, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के चिकित्सा संकाय की संकायाध्यक्ष, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू), लखनऊ की पूर्व कुलपति, राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी की पूर्व अध्यक्ष डॉ. सरोज चूड़ामणि गोपाल का सम्मान

नैम्स का 65 वां स्थापना दिवस, 21 अप्रैल 2025

मानननीय मुख्यमंत्री प्रो. सत्य पाल सिंह बघेल जी, केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय में राज्य मंत्री; तथा पंचायती राज मंत्रालय में राज्य मंत्री का संबोधन

नैम्स का 65 वां स्थापना दिवस, 21 अप्रैल 2025

नैम्स परिषद् सदस्य एवं अतिथिगण

नैम्स का 65 वां स्थापना दिवस, 21 अप्रैल 2025

मानीय अतिथि प्रोफेसर सत्य पाल सिंह बघेल जी परिषद सदस्यों और नैम्स स्टाफ के साथ

नैम्स का 65 वां स्थापना दिवस व्याख्यान, 21 अप्रैल 2025

नैम्स स्थापना दिवस व्याख्यान के अध्यक्ष डॉ. महाबानंदा कार, निदेशक एम्स दरभंगा और लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. वेलु नायर, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम (सेवानिवृत्त) नैम्स के निर्वाचित अध्यक्ष

नैम्स का 65 वां स्थापना दिवस व्याख्यान, 21 अप्रैल 2025

स्तन कैंसर के विषय पर नैम्स स्थापना दिवस व्याख्यान देते हुए डॉ. एस.एम. बोस, वरिष्ठ सलाहकार, जनरल सर्जरी, फोर्टिस अस्पताल, मोहाली, पूर्व वरिष्ठ प्रोफेसर और सर्जरी विभागाध्यक्ष, पीजीआई

नैम्स का 65 वां स्थापना दिवस व्याख्यान, 21 अप्रैल 2025

गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की रोकथाम में अग्रणी कार्य के लिए पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित डॉ. नीरजा भाटला, पूर्व विभागाध्यक्ष, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान, एम्स दिल्ली, गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का पता लगाने, रोकथाम और प्रबंधन विषय पर नैम्स स्थापना दिवस पर व्याख्यान देते हुए

नैम्स का 65 वां स्थापना दिवस व्याख्यान, 21 अप्रैल 2025

प्रतिनिधियों के साथ चर्चा और बातचीत

नैम्स का 65 वां स्थापना दिवस व्याख्यान, 21 अप्रैल 2025

विशेषज्ञों का स्वर्ण पदक और प्रशस्ति पत्र से सम्मान करते हुए

नैम्स का 65 वां स्थापना दिवस, 21 अप्रैल 2025

अध्यक्षों का सम्मान

नैम्स का 65 वां स्थापना दिवस, 21 अप्रैल 2025

नैम्स परिषद सदस्यों के साथ विशेषज्ञ

"बच्चों में अस्थमा और एक्जिमा के प्रबंधन का एक नया तरीका: वनसाइज़फिट्स1" विषय पर 6 अगस्त, 2025 को अतिथि व्याख्यान देते हुए डॉ. सोमनाथ मुखोपाध्याय, नैदानिक और प्रायोगिक चिकित्सा विभाग के अध्यक्ष, बाल रोग विभाग के अध्यक्ष, ब्राइटन और ससेक्स मेडिकल स्कूल, यूके

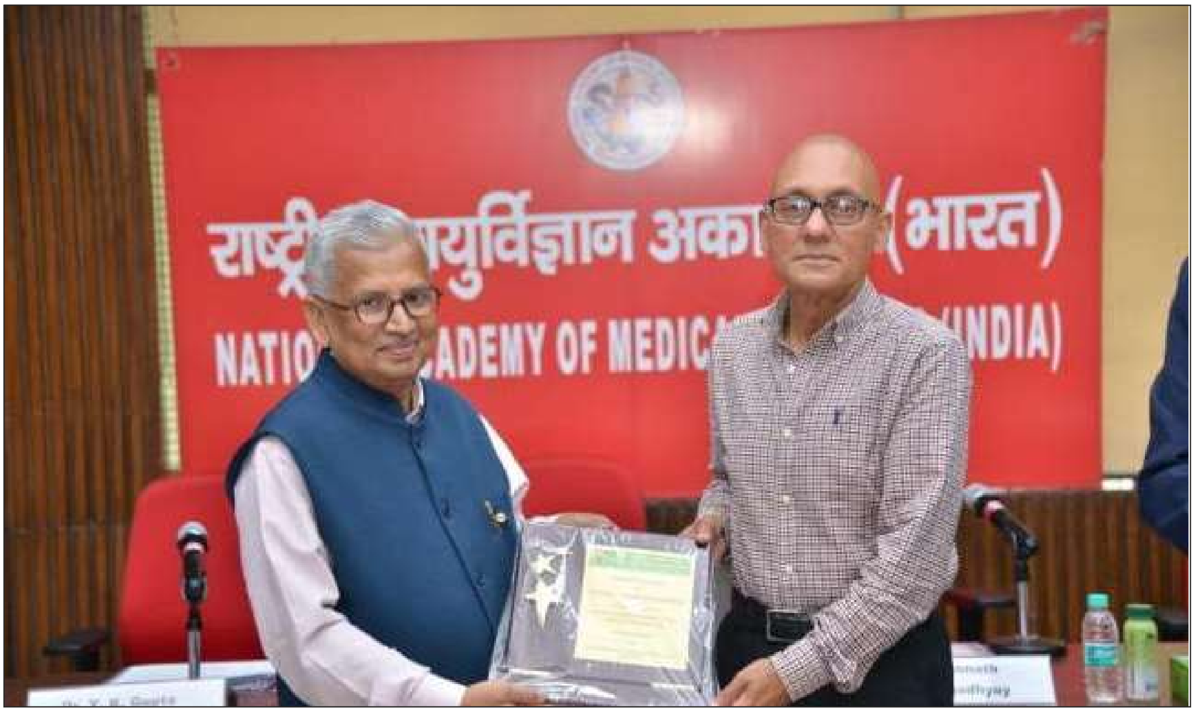

नैम्स नेतृत्व विकास (लीड) राष्ट्रीय सम्मेलन

09-11 मई 2024

नैम्स हाउस, अंसारी नगर, रिंग रोड, नई दिल्ली – 110029

वेबसाइटः http://nams-india.in

ईपीएबीएक्सः 8527834424